राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार, 18अगस्त2020 वर्ष–3, अंक –202 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसबुक विवाद ने पकड़ा तूल, पब्लिक पॉलिसी डायरेक्टर अंखी दास ने दर्ज कराई धमकी की शिकायत

नई दिल्ली।

फेसबुक इंडिया की वरिष्ठ अधिकारी आंखी दास ने दिल्ली पुलिस के पास एक शिकायत दर्ज करा कर यह आरोप लगाया है कि उन्हें ''जान से मारने की धमकी मिल रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि (दिल्ली पुलिस की) साइबर प्रकोष्ठ इकाई दास की शिकायत की जांच कर रही है। दास, फेसबुक की पब्लिक पॉलिसी, भारत, दक्षिण और मध्य एशिया निदेशक हैं। उन्होंने रविवार को शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया है कि कई लोग उन्हें धमकी दे रहे हैं, अश्लील टिप्पणी कर रहे हैं और ऑनलाइन पोस्ट के जरिये उन्हें बदनाम कर रहे हैं। शिकायत के मुताबिक ये धमकियां (अमेरिकी समाचार पत्र) 'वाल स्ट्रीट जर्नल में 14 अगस्त 2020 को प्रकाशित एक आलेख से संबद्ध है। दास ने अपनी शिकायत में कहा है कि तब से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा, ''(पोस्ट की जा रही) सामग्री में, यहां तक कि मेरी तस्वीरें भी शामिल हैं और मुझे जान से मारने की और शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जा रही है तथा मुझे अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की सुरक्षा का डर है। एक खबर के आधार पर सामग्री में मेरी छवि भी धूमिल की गई है और मुझे अपशब्द कहे जा रहे, साइबर धौंस दी जा रही तथा ऑनलाइन फब्तियां कसी जा रही हैं। दास ने आरोप लगाया कि आरोपी द्वारा अपने ''राजनीतिक जुड़ाव को लेकर इरादतन उन्हें निशाना बनाया जा रहा है तथा अब वे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन गाली-गलौज करने में लग गये हैं, उन्हें आपराधिक धमकियां दी जा रही और उनके खिलाफ अश्लील टिप्पणी की जा रही है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक खबर में फेसबुक द्वारा भारत में (केंद्र में) सत्तारूढ़ दल के नेताओं पर घृणा भाषण संबंधी नियमों को लागू करने में लापरवाही का दावा किये जाने के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू होने के बीच ये टिप्पणी आई है।

कोरोना पॉजिटिव बीजेपी सांसद की हालत बिगड़ी, इंदौर रैफर

बड़वानी।

राज्यसभा सांसद सुमेरसिंह सोलंकी को इंदौर रैफर कर दिया गया है। वे कोरोना से पीड़ित है और उनका इलाज बड़वानी में चल रहा था। उनके स्वास्थ्य में सुधार न होता देख उन्हें इदौर के अरविंदो अस्पताल रैफर किया गया है। बता दें कि राज्यसभा सासंद 13 अगस्त को पॉजिटिव पाए गए थे। वे बड़वानी में ही अपना ईलाज करा रहे थे लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था जिसे देखते हुए उन्हें इंदौर रैफर किया गया है। बड़वानी सीएमएचओ डॉ अनिता सिंगारे ने इस बात की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि राज्यसभा सासंद सुमेर सिंह सोलंकी पिछले दिनों भोपाल दौरे पर भी रहे हैं। वहीं बड़वानी में भी कई राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। वहीं सांसद सोलंकी ने अपने फेसबुक पेज से अपने संपर्क में आए सभी लोगों को कोरोना टेस्ट कराने की अपील भी की थी।

पीएम मोदी के बयान से नरम पड़ा चीन, कहा- भारत के साथ मतभेद सुलझाने के लिए तैयार

बीजिंग।

चीन ने सोमवार को कहा कि वह आपसी राजनीतिक भरोसा बढ़ाने, अपने मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाने और द्विपक्षीय संबंधों की रक्षा के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। पश्चिमी मीडिया के एक पत्रकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर चीन की प्रतिक्रिया मांगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय सैनिकों ने देश की संप्रभुता को चुनौती देने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया। मोदी ने 74 वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि 'एलओसी से एलएसी तक देश की संप्रभुता को चुनौती देने वालों को सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, ''एलओसी (नियंत्रण रेखा) से एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) तक देश की संप्रभुता पर जिस किसी ने आंख उठाई उसे उसकी ही भाषा में जवाब दिया गया। एक सवाल पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ ने कहा, ''हमने प्रधानमंत्री के संबोधन का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, ''हम करीबी पड़ोसी हैं, एक अरब से ज्यादा आबादी के साथ हम उभरते हुए देश हैं। इसलिए द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति ना केवल दोनों देशों के लोगों के हित में है बल्कि यह क्षेत्र और समूचे विश्व की स्थिरता, शांति और समृद्धि के हित में भी है। झाओ ने कहा, ''दोनों पक्षों के लिए सही रास्ता एक दूसरे का सम्मान और समर्थन करना है क्योंकि यह हमारे दीर्घकालिक हितों को पूरा करता है । प्रवक्ता ने कहा, ''इसलिए चीन आपसी राजनीतिक भरोसा बढ़ाने, मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाने और व्यावहारिक सहयोग तथा दीर्घावधि में द्विपक्षीय संबंधों के हितों की रक्षा के लिए ।

मेट्रो फेज 4: एलिवेटिड सेक्शन के यू-गर्डस का कास्टिंग काम शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने चौथे चरण के एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर के 4.2 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड सेक्शन पर स्थापित किए जाने वाले यू-गडर्स के कास्टिंग कार्य की सोमवार को शुरुआत की। इस खंड में संगम विहार, खानपुर-देवली, अंबेडकरनगर और साकेत-जी जैसे चार एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण शामिल है। डीएमआरसी ने आज यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि इस हिस्से में संगम विहार से अंबेडकर नगर तक छह-लेन का एलिवेटेड फ्लाईओवर (डबल डेक सिस्टम) और साकेत-जी में एक अंडरपास का निर्माण कार्य भी शामिल है। इस खंड के पूरा होने के बाद, संगम विहार से साकेत तक महरौली बदरपुर (एमबी) रोड सिग्नल फ्री हो जाएगा। इसमें एक रैंप लाल बहादुर शास्त्री मार्ग से एम बी रोड तक अनवरत यातायात की सुविधा प्रदान करेगा और एक अंडरपास एमबी रोड से लाल बहादुर शास्त्री मार्ग की ओर यातायात की सुचारू सुविधा प्रदान करेगा। डीएमआरसी के मुताबिक इस खंड के लिए कास्टिंग का काम पुष्प विहार स्थित कास्टिंग याड में किया जा रहा है। इसके साथ ही चौथे चरण के सभी तीन प्राथमिकता वाले कॉरिडोरों का निर्माण कार्य काफी गति पा चुका है, हालांकि पिछले कई माह से जारी कोरोना महामारी के कहर और लॉकडाउन के कारण इसमें कई दिक्कतें सामने आई थी। 28 मीटर लंबाई वाले ये यू-गर्डस, बाद में इस कॉरिडोर पर स्थापित किए जाएंगे। आरके आश्रम-जनकपुरी पश्चिम मेट्रो कॉरिडोर पर भी 28 मीटर लंबे यू-गडर्स लगाने का काम जारी है। इसके अलावा नोएडा-ग्रेटर नोएडा सेक्शन पर 27 मीटर लंबे यू-गर्डस लगाए जा चुके हैं। यू-गर्डस काफी लचीले होते हैं और इन गडरों को कास्टिंग यार्ड में गढ़ कर साइटों पर लाया जाता है। विश्व के अनेक देशों में मेट्रो परियोजनाएं वर्तमान में इस तकनीक का व्यापक स्तर पर उपयोग करती हैं। इसमें बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित होने के साथ साथ निमार्ण में समय की काफी बचत होती है। कास्टिंग के बाद, इन गर्डस को साइट पर लाया जाता है और उच्च क्षमता वाले क्रेन/लॉन्चरों की मदद से स्थापित किया जाता है।

राजधानी में तेजी से फैल रहा कोरोना-19, एक और बीजेपी नेता कोरोना संक्रमित

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक के बाद एक बीजेपी नेता कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। हाल ही में ताजा रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता मनीष सक्सेना की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। मनीष सक्सेना बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता हैं। मनीष सक्सेना बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता हैं। उन्हें चिरायु हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। बता दें कि राजधानी में 130 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए गए हैं। इसके साथ ही कोरोना संक्रमितों की संख या 8889 हो गई है।राजधानी में कोरोना का संक्रमण हर कॉलोनी, गली, मोहल ले से लेकर नुक कड तक दिखने लगा है। इस बीच शहर में सार्वजनिक जगहों पर जाकर जनसंपर्क करने वाले नेता और अधिकारी भी तेजी से संक्रमित हो रहे है। राजधानी में कोरोना का संक्रमण हर कॉलोनी, गली, मोहल ले से लेकर नुक कड तक दिखने लगा है। इस बीच शहर में सार्वजनिक जगहों पर जाकर जनसंपर्क करने वाले नेता और अधिकारी भी तेजी से संक्रमित हो रहे है।

संक्षिप्त समाचार

नहीं रहे पद्म विभूषण शास्त्रीय गायक पंडित जसराज, अमेरिका में हुआ निधन

नई दिल्ली। महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज का अमेरिका में दिल का दौरा पड़ने से सोमवार की सुबह निधन हो गया । कोरोना वायरस महामारी के कारण लॉकडाउन के बाद से पंडित जसराज न्यूजर्सी में ही थे। उन्होंने आज सुबह आखिरी सांस ली। उनकी बेटी दुर्गा जसराज ने भाषा को यह जानकारी दी। पंडित जसराज के परिवार ने एक बयान में कहा ,'' बहुत दुख के साथ हमें सूचित करना पड़ रहा है कि संगीत मार्तंड पंडित जसराज जी का अमेरिका के न्यूजर्सी में अपने आवास पर आज सुबह 5 बजकर 15 मिनट पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने कहा ,'' हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान कृष्ण स्वर्ग के द्वार पर उनका स्वागत करें जहां वह अपना पसंदीदा भजन ' ओम नमो भगवते वासुदेवाय उन्हें समर्पित करें। हम उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना करते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'आपकी प्रार्थनाओं के लिये धन्यवाद। बापूजी जय हो इस साल जनवरी में अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले पंडित जसराज ने आखिरी प्रस्तुति नौ अप्रैल को हनुमान जयंती पर फेसबुक लाइव के जरिए वाराणसी के संकटमोचन हनुमान मंदिर के लिये दी थी।

योगी के मंत्री चेतन चौहान की कोरोना से मौत, मायावती ने जताया दुख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे चेतन चैहान की रविवार को कोरोना से मौत हो गई। मंत्री की मौत पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि चेतन चैहान का निधन अति-दुखद है। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मायावती ने ट्वीट कर कहा, ''यूपी सरकार में वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री श्री चेतन चैहान के कोरोना से आज निधन होने की खबर अति-दुखद। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना।'' गौरतलब है कि इससे पहले 2 अगस्त को कोरोना की चपेट में आकर योगी सरकार में प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण की मौत हो चुकी है। कमल रानी का इलाज राजधानी लखनऊ के एसजीपीआई अस्पताल में चल रहा था। वहीं रविवार को मंत्री चेतन चौहान की भी कोरोना से मौत हो गई है। कोरोना से संक्रमित होने के बाद उन्हें गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मेदांता हॉस्पिटल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल होने के चलते उनका निधन हो गया। चेतन चौन की मौत पर विपक्षी पार्टियों ने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा है कि यूपी देश का पहला राज्य है जहां दो मंत्रियों की कोरोना की वजह से मौत हो चुकी है। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा है कि यूपी देश का पहला राज्य है जहां दो मंत्रियों की कोरोना की वजह से मौत हो चुकी है। संजय सिंह ने तंज कसते हुए कहा है कि योगी सरकार कोरोना पर ध्यान देने की बजाय विपक्षी पार्टियों के नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने में व्यस्त है खिलाफ मुकदमा दर्ज करने में व्यस्त है। खिलाफ मुकदमा दर्ज करने में व्यस्त है।

कोरोना पर फिर गरमा गई सियासत, अब शिवसेना ने पीएम मोदी को दी क्वारंटाइन होने की नसीहत

नेशनल डेस्क।

देश में आए कारोना संकट को लेकर मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस के बाद अब शिवसेना भी इस महामारी के लिए सरकार को कसूरवार ठहरा रही है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रमुक महंत नृत्य गोपाल दास के कोरोना पॉजिटिव होने को लेकर भी शिवसेना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के एक लेख में सवाल किया कि क्या अब पीएम मोदी खुद नियमों का पालन पर क्वारंटीन होंगे। सामना में लिखा कि पांच अगस्त को हुए राम मंदिर भूमि पूजन कार्यक्रम में गोपाल दास स्टेज पर मौजूद थे, उन्होंने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया था। पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत महंत के संपर्क में आए। पीएम ने उनसे हाथ मिलाया, तो क्या हमारे प्रधानमंत्री भी क्वारंटाइन होंगे। शिवसेना ने कहा कि हाल ही में अमित शाह कोरोना संक्रमित हो गए थे। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी में भी कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है और उनकी हालत गंभीर है। इसके अलावा मोदी सरकार में कुछ मंत्रियों और नौकरशाहों में भी वायरस की पुष्टि हुई है। इससे पहले पार्टी ने भाजपा के केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पर भी हमला बोला था।संजय राउत ने कहा था कि केंद्र के एक और मंत्री अर्जुन मेघवाल 'भाभी जी' पापड़ बाजार में ले आए। 'भाभी जी' पापड़ खाने से कोरोना नहीं होगा। कोरोना हो भी गया तो 'भाभी जी' पापड़ के कारण आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी और कोरोना के विषाणु मर जाएंगे। ऐसा सार्वजनिक तौर पर कहने वाले अर्जुन मेघवाल को भी कोरोना ने जकड़ लिया तथा 'भाभी जी' पापड़ का राजफाश हो गया। संजय राउत ने कहा था कि केंद्र के एक और मंत्री अर्जुन मेघवाल 'भाभी जी' पापड़ बाजार में ले आए। 'भाभी जी' पापड़ खाने से कोरोना नहीं होगा। कोरोना हो भी गया तो 'भाभी जी' पापड़ के कारण आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी और कोरोना के विषाणु मर जाएंगे। ऐसा सार्वजनिक तौर पर कहने वाले अर्जुन मेघवाल को भी कोरोना ने जकड़ लिया।

गडकरी ने मणिपुर में किया 13 राजमार्गों का शिलान्यास, बोले- बिछाएंगे सड़कों का जाल

इम्फाल।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में तीन हजार करोड़ रूपए लागत वाले 13 राजमार्ग की परियोजना की आधारशिला रखी उन्होंने इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 16.91 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क सुरक्षा परियोजना का भी उद्घाटन किया। मणिपुर में 13 राजमार्ग बनाने की परियोजना में सड़कों की लंबाई 316 किलोमीटर होगी जिसकी लागत करीब तीन हजार करोड़ रूपए है। इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों में अच्छी सड़कों के माध्यम से बेहतर कनेक्टिविटी, सुविधा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। गडकरी के इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर राज्यों में बुनियादी ढांचे का विकास करना चाहते हैं और इसी वजह से सरकार ने इन परियोजनाओं को बढ़ावा दिया है। उन्होंने इस दौरान मणिपुर सरकार से जल्द से जल्द उपयोग प्रमाणपत्र प्रस्तुत जमा करने और भूमि अधिग्रहण का काम पूरा करने को कहा ताकि और अधिक कार्य किए जा सकें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मणिपुर और अन्य उत्तर पूर्वी राज्यों में कनेक्टिविटी और संपर्क को बेहतर बनाने के लिए बड़ी संख्या में सड़क और पानी के रास्ते मार्ग विकसित किए जाएंगे। सड़क परिवहन मंत्री ने यह भी कहा कि वह राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा इंफाल में एलिवेटेड रोड बनाने की सिफारिश पर काम शुरू करने के लिए अगले कुछ महीनों में इंफाल आएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की तरफ से आवश्यक दस्तावेज मिलने के बाद तुरंत बाद परियोजना के लिए 250 करोड़ देने के लिए वह तैयार हैं। गडकरी ने कहा कि राज्य सरकार को भ्रष्टाचार से मुक्ति, भूमि अधिग्रहण और अन्य कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने मणिपुर में रोजगार और आर्थिक परिदृश्य को बेहतर बनाने में एमएसएमई क्षेत्र की भूमिका पर भी जोर दिया। हाल ही में एमएसएमई इकाइयों की परिभाषा में किये गए बदलाव के बारे में सूचित करते हुए उन्होंने इस अवसर का उपयोग करने और हस्तशिल्प, हथकरघा, शहद, बांस उत्पादों आदि के निर्यात क्षमता का पता लगाने के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सड़क परियोजनाओं के लिए नए प्रस्ताव जमा करा दिए है। उन्होंने कहा कि मणिपुर पहाड़ी राज्य है और अत्यधिक वर्षा के कारण राज्य में उच्च स्तर की सड़कों की आवश्यकता है। उन्होंने इम्फाल में एलिवेटेड सड़क बनाने के गडकरी के निर्णय का भी स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हालांकि इम्फाल-लोकटक राजमार्ग को चार लेन का करने की जरुरत पर जोर दिया। इम्फाल-लोकटक राजमार्ग पर इस समय दो ही लेन है।

शाहीन बाग प्रदर्शनकारियों के भाजपा ज्वाइन करने पर भड़की आप, क्या सब भाजपा ने कराया?

नई दिल्ली/डेस्क।

शाहीन बाग में संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कई एक्टिविस्ट ने रविवार को बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इस पर आम आदमी पार्टी के विधायक ने बीजेपी पर निशाना साधा है। आम आदमी पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा कहती थी कि शाहीन बाग में भारत विरोधी नारे लग रहे हैं। तो क्या अब भारत विरोधी नारे लगाने वाले लोग भाजपा में आएंगे या वो भाजपा के ही लोग थे जो माहौल खराब करने के लिए भाजपा के ही इशारे पर शाहीन बाग बना कर बैठे थे? भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली का चुनाव बिजली, पानी, सड़क, नगर निगम, स्वच्छता आदि मुद्दों पर लड़ा जाना था, लेकिन इस चुनाव को शाहीन बाग पर केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव की रणनीति हाई लेवल पर बैठकर बनाई जाती है। अकेले कोई प्रवेश वर्मा या अनुराग ठाकुर चुनाव कैसे लड़ा जाना है ये तय नहीं करते। भाजपा कहती थी कि शाहीन बाग में भारत विरोधी नारे लग रहे हैं। तो क्या अब भारत विरोधी नारे लगाने वाले लोग भाजपा में आएँगे या वो भाजपा के ही लोग थे जो माहौल ख़राब करने के लिए भाजपा के ही इशारे पर शाहीन बाग बना कर बैठे थे? उन्होंने कहा कि ये रणनीति बनाई गई थी कि बीजेपी दिल्ली का चुनाव शाहीन बाग पर लड़ेगी। इसकी पूरी स्क्रिप्टिंग की गई थी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कौन क्या कहेगा सब कुछ तय किया गया था। 28 जनवरी को प्रवेश वर्मा ने कहा कि कश्मीर में मां बहनो का बलात्कार हो रहा है। वही लोग अब दिल्ली में मां-बहनों का बलात्कार करेंगे। 2 तारीख को कपिल नाम के एक लड़के ने शाहीन बाघ मं फायरिंग की और दंगा भड़काने की कोशिश की। भारद्वाज ने कहा कि 4 फरवरी को अनुराग ठाकुर कहते हैं देश के गद्दारों को गोली मारों सालों को। देश के गृहमंत्री अमित शाह और योगी आदित्यनाथ शाहीन बाग के नाम पर लगातार वोट मांगते रहे।

उन्होंने कहा कि अमित शाह ने चुनाव के दौरान कहा था कि कमल का बटन दबाने से करंट शाहीन बाग में लगेगा। अब समझ आया कि ये तार शाहीन बाघ से कैसे जुड़े हुए थे। भारद्वाज का कहना है कि बीजेपी ने दिल्ली चुनाव में जीत हासिल करने के लिए शाहीन बाग का मुद्दा भुनाया और वहां के एक्टिविस्ट का बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करना ये साबित करता है।

सिंधिया को काले झंडे दिखाने से पहले चिंटू चौकसे समेत 50 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

इंदौर। मध्य प्रदेश में इंदौर दौरे को लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया को काले झंडे की दिखाने की तैयारी किए बैठे कांग्रेसियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोरोना काल में गाइडलाइन के उल्लघंन में और बिना अनुमति धरने पर बैठे कांग्रेस नेता चिटूं चौकसे समेत करीब 50 कांग्रेसियों को गिरफ्तार किया। वहीं कांग्रेसियों ने इस कार्रवाई को लेकर भाजपा प्रशासन पर तानाशाही का आरोप लगाया और जमकर नारेबाजी की। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया के इंदौर दौरे को लेकर कांग्रेसियों ने बीजेपी का गढ़ मने जाने वाली विधान सभा दो में बीजेपी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया इस अभियान के बाद कांग्रेस अभियान चलाया इस अभियान के बाद कांग्रेस से बीजेपी में आये ज्योतिरादित्य सिंध्या को लव कुश चौराहे पर काले झंडे दिखाने का कार्यक्रम था लेकिन इससे पहले ही इंदौर पुलिस ने कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे समेत बहुत से कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर लिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अवसाद से रक्षा

कोरोना का समय पूरी दुनिया के लिए जितना अभूतपूर्व है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। हम अपने चारों ओर सेहत की अत्यधिक चिंता, तनाव, काम में व्यवधान और साथ ही अपने स्वजनों, दोस्तों से दूरी का दुखद एहसास कर रहे हैं। जिंदगी को खुशनुमा ढंग से जीने के बहाने कम हो गए हैं। लोगों की मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है। नई पीढ़ी का मन खास रूप से आहत हुआ है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ द्वारा किए गए वैश्विक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, दुनिया में हर दूसरा युवा चिंता व अवसाद से ग्रस्त हो गया है। कोविड-19 के प्रभाव में 17 प्रतिशत से अधिक युवा ज्यादा पीड़ित हुए हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के निष्कर्षों को 'यूथ ऐंड कोविड-19 - नौकरियों, शिक्षा, अधिकारों और मानसिक हित पर प्रभाव' शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। इस सर्वेक्षण के लिए दुनिया के 112 देशों से 12,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गईं, जिनमें एक बड़ा हिस्सा शिक्षित युवाओं व इंटरनेट का उपयोग करने वालों का है।

सर्वेक्षण में 18 से 29 वर्ष की आयु के नौजवान शामिल थे, जिन्हें रोजगार, शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर बात करने के लिए कहा गया था। सर्वेक्षण के अनुसार, युवाओं ने मानसिक सेहत संबंधी समस्याओं में बढ़ोतरी के लिए एक से अधिक कारण गिनाए। शिक्षा के साधनों में बदलाव और जीवन को लेकर अनिश्चितता ने उन्हें चिंता की ओर धकेला है। कक्षाओं और परीक्षाओं के न होने का असर भी समाज पर पड़ा है। ऑनलाइन कक्षाओं से भी एक अलग ही तरह की जिंदगी शुरू हुई है, उससे तनाव कम नहीं हुआ, बल्कि बढ़ गया है। उम्र के तीसरे व चौथे दशक में चल रहे युवाओं को रोजगार के अभाव और वर्तमान रोजगार के छूटने की चिंता ने घेर लिया है। घर से काम करने के साथ ही काम के घंटे भी बढ़ गए हैं। लोगों की जिम्मेदारियां बढ़ी हैं, थकावट व कुछ गंवा देने के भाव का असर मानसिक सेहत पर पड़ा है। सर्वेक्षण से पता चला है कि युवा छात्रों पर ज्यादा असर हुआ है। नया हुनर सीखने, सुधारने और आगे शिक्षा के लिए तरसते युवाओं के लिए यह समय बोझिल बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा में परिवर्तन व ऑनलाइन कक्षा के कारण 65 प्रतिशत युवाओं ने जरूरत से कम सीखा है। करीब 50 प्रतिशत युवाओं को आशंका है कि उनकी शिक्षा देर से पूरी होगी। कम से कम नौ प्रतिशत को अपनी परीक्षा में फेल होने की आशंका है, जिससे उन्हें मानसिक तनाव का अनुभव हो रहा है। एक और बात महत्वपूर्ण है कि महिलाओं की मानसिक खुशहाली ज्यादा प्रभावित हुई है, उसमें भी 18 से 24 वर्ष की महिलाओं पर ज्यादा असर हुआ है।

आईएलओ के अध्ययन में बताया गया है कि इन मानसिक चुनौतियों का जवाब हमें अभी ही खोजना होगा, वरना महामारी के खत्म होने के बाद दुनिया को स्वास्थ्य के और बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है। जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सभी सरकारों को तनाव बढ़ाने वाले उपक्रमों या हरकतों से बचना होगा। सकारात्मक सोच वाले लोगों को आगे आकर मानसिक रूप से कमजोर हुए लोगों को सहारा देना होगा। आज सरकारों, डॉक्टरों, शिक्षकों व अभिभावकों की चुनौती बहुत बढ़ गई है। हमें समझना होगा कि एक-एक युवा हमारे लिए मूल्यवान है, तभी हम उन्हें अवसाद से बचाने में कामयाब होंगे।

एक युग का अंत

अंतहीन अटकलों को विराम देते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफलतम कप्तान रहे और सर्वश्रेष्ठ फिनिशर महेंद्र सिंह धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उनके साथ ही सुरेश रैना ने भी अपने संन्यास का ऐलान कर दिया। धोनी जिस तरह मैदान में अपने फैसलों से विपक्षी टीमों यहां तक कि अपनी टीम के सदस्यों को चौंकाते थे, ठीक उसी तरह अपने संन्यास का निर्णय लेकर उन्होंने समस्त खेल जगत को स्तब्ध कर दिया। वैसे पिछले एक साल से उनके भविष्य को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही थी, मगर 15 अगस्त की शाम को आईपीएल की फ्रेंचाइजी टीम चेन्नई सुपर किंग्स की प्रैक्टिस से आने के बाद उन्होंने सारी कयासबाजी पर पूर्ण विराम लगा दिया। वह हालांकि आईपीएल में खेलेंगे, जो 19 सितम्बर से यूएई में आयोजित की जा रही हैग मगर नीली जर्सी में नंबर 7 का जलवा अब दर्शकों को देखने को नहीं मिलेगा। सूझबूझ भरी कप्तानी और मैच को अंजाम तक ले जाने की कला के साथ भारतीय क्रिकेट के इतिहास के कई सुनहरे अध्याय लिखने वाले धोनी के इस फैसले के साथ ही क्रिकेट के एक युग का भी अंत हो गया। भारतीय क्रिकेट टीम में आक्रामकता लाने का श्रेय अगर सौरव गांगुली को जाता है तो चुपचाप और बेहद ठंड़े दिमाग से जीत की रणनीति बनाने का श्रेय निश्चित तौर पर धोनी के हिस्से आता है। इस मामले में उनकी तुलना ऑस्ट्रेलिया के महानतम खिलाड़ी स्टीव वॉ से की जा सकती है। वॉ भी मैदान में शांति और चपलता से अपनी चमक बिखरते थे। सफलता मिलने के बावजूद अपने पैर जमीं पर रखना और असफलता को सफलता की कुंजी बनाने का माद्दा गिने-चुने और विरले लोगों को आता है। धोनी उन्हीं में से थे। निश्चित रूप से धोनी की कमी खलेगी और दर्शकों को लंबा वक्त इससे उबरने में लगेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 साल दे चुके धोनी ने टेस्ट से दिसम्बर 2015 में ही सन्यास ले लिया था। उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड़ के खिलाफ आखिरी मैच खेला था। हालांकि नीली जर्सी में न सही क्रिकेट के दीवाने उन्हें पीली जर्सी में देखकर जरूर रोमांचित होंगे। जोखिम भरे फैसले लेने वाला और हारी हुई बाजी को जीतने वाला शायद ही कोई दूसरा धोनी पैदा होगा। नवोदित खिलाड़ियों को उनसे काफी कुछ सीखने की जरूरत है।

परिधि/ राजीव मंड़ल

गैरजिम्मेदाराना आचरण

अहंकार का त्याग असंभव है। अहंकार का त्याग नहीं किया जा सकता क्योंकि अहंकार का कोई आस्तित्व नहीं है। अहंकार केवल एक विचार है: उसमें कोई सार नहीं है। दरअसल, उपरोक्त बातें इसलिए कहनी पड़ी क्योंकि नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) पर जारी बहस के बीच अभिनेत्री करीना कपूर ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसकी उम्मीद कम-से-कम उनसे नहीं थी। कपूर खानदान को किस कदर जनता ने प्यार और स्नेह बख्शा है, उस परिवार के एक सदस्य से ऐसे बयान अनैतिक, हास्यास्पद और मूर्खतापूर्ण ही कहे जाएंगे।

करीना कपूर ने कुछ दिनों पूर्व कहा था कि, 'हमें स्टार जनता ने बनाया है। जनता ने दिया है नेपोटिज्म। अगर परेशानी है तो मत देखो हमारी फिल्में, हम आप लोगों पर अपनी फिल्में देखने का दबाव नहीं डाल रहे हैं।' उनके इस बयान में विरोधाभास देखिए कि एक तरफ वो कह रहीं हैं कि जनता ने हमें स्टार बनाया है; और दूसरी तरफ कहती हैं कि मत देखो हमारी फिल्में। दरअसल, करीना के कहे को ज्यादा गंभीरता से समझने की जरूरत है। यह सांस्कृतिक क्षरण का मसला ज्यादा प्रतीत होता है। फिल्म उद्योग में इनसे पहले कई बड़े कलाकार और सितारे हुए। उनमें से-दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चनग लता मंगेशकर व कई ख्यातलब्ध कलाकार आज हमारे बीच हैं। ये लोग खुद मानते हैं कि उन्हें जनता ने यहां तक पहुंचाया है। यानी इन लोगों में कलाग रंगमंच और थियेटर में काम करते रहने के कारण नैतिकता और मर्यादा का भाव है। क्या कभी हमने इन महान कलाकारों को ऐसा कहते सुना या पढ़ा है। शायद नहीं.। फिर करीना के ऐसे कहने का आशय बिल्कुल सुस्पष्ट है। यानी संस्कृति से ज्यादा व्यावसायिकता हावी है। फिल्में कलाकार के अभिनय, उसके गीत-संगीत, संपादन और अन्य तकनीकी पक्षों के आधार पर परखी जाती हैग ये अब बीते वक्त की बात हो गई। अब तो सब कुछ बॉक्स आफिस कलेक्शन के मनोहारी आंकड़ों से तय होता है। सौ करोड़ी फिल्मों से ही उसके अच्छे और घटिया होने का प्रमाणपत्र तय किया जा रहा है। ऐसे में करीना को जनता की परवाह भला क्यों होगी? क्या कलाकार के तौर पर करीना का यह बयान नैतिकता के उलट गैरजिम्मेदाराना या पाखंड़ नहीं है? नेपोटिज्म पर बहस पहले भी होती रही है और आगे भी होगी, मगर कला से प्रेम करने वाला ऐसा कहने के पहले सौ बार सोचेगा। व्यावसायिकता जब तलक हावी रहेगीग कला ऐसे मूढ़ लोगों के हाथों गिरवी रहेगी।

बदल रहा बॉलीवुड का ट्रेंड

विनीत नारायण

पिछले कुछ बरसों से बॉलीवुड में एक नया ट्रेंड चला है। समकालीन लोगों की जीवनी पर आधारित फिल्में बनाने का। पिछले हफ्ते रिलीज हुई 'गुंजन सक्सेना-द कारगिल गर्ल' एक ऐसी ही फिल्म है, जो भारतीय वायु सेना की पायलट गुंजन सक्सेना के जीवन पर आधारित है। गुंजन सक्सेना वो जांबाज पाइलट हैं, जिन्होंने कारगिल युद्ध में बहुत सूझबूझ और हिम्मत का परिचय दिया। इस युद्ध के दौरान श्रीनगर बेस कैंप से उन्होंने 40 बार कारगिल के लिए उड़ानें भरीं। सीमा पर लड़ रही भारतीय फौज को रसद पहुंचाने और गोले-बारूद के बीच से घायलों को निकाल कर लाने की जिम्मेदारी उन्हें दी गई थी, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम दिया और सिद्ध कर दिया कि महिलाएं बहादुरी में किसी मर्द से पीछे नहीं होतीं। हालांकि पूरी तरह मदरें द्वारा संचालित वायु सेना में पायलट के रूप में गुंजन सक्सेना की 'एंट्री' आसान नहीं थी। उन्हें समकक्ष पायलटों की भारी उपेक्षा और उनसे अपमान सहना पड़ा। पर वे डटी रहीं और एक सफल लड़ाकू पायलट के रूप में नाम कमाया। फिल्मी पर्दे पर भी इस भूमिका को जाह्नवी कपूर ने बहुत खूबसूरती से निभाया है। इससे पहले भी बक्सिंग चैम्पियन मैरीकॉम, धावक मिल्खा सिंह, क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, कुश्ती के लिए मशहूर हुई फोगाट बहनें और विविख्यात गणितज्ञ शकुंतला देवी आदि समकालीन सितारों पर पिछले वर्षो में बेहतरीन फिल्में आई हैं। इससे पहले के दौर में ऐतिहासिक विभूतियों जैसे सरदार भगत सिंह, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस या और पहले के दौर के नायक छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप आदि या फिर अलग-अलग प्रांतों में समाज को दिशा और शांति देने वाले संत जैसे मीरा बाई, संत तुकाराम, संत नामदेव आदि पर भी फिल्में बनती रहीं हैं।

> “मनोरंजन के अलावा, सूचना देना और शिक्षत करना भी इनका दायित्व होता है, जिसे निभाने में बॉलीवुड काफी पीछे रहा है, लेकिन इन बदली हुई परिस्थितियों में आम दर्शन भी बहुत जागरूक हो गया है। उसे इतिहास, धर्म, संस्कृति या रियल लाइफ हीरोज की जीवनी पर आधारित फिल्में देखना अच्छा लगता है। समकालीन हीरो पर फिल्म बनाने का एक और बड़ा लाभ यह है कि हम उस व्यक्ति को उसके जीवन काल में ही वो प्रसिद्धि दे सकते हैं, जिसका वे हकदार है।”

इससे और भी पहले के दौर में पौराणिक चरित्रों पर भी बहुत फिल्में बनी हैं। जैसे भक्त प्रह्लाद, भक्त ध्रुव व सूरदास आदि। दरअसल, सितारे केवल वही नहीं होते जो फिल्म के पर्दे पर दिखाई देते हैं। नायक केवल वही नहीं होते जो युद्ध जीतते हैं। बल्कि हर वो व्यक्ति जो अपने कार्य क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और निष्ठा से छाप छोड़ता है वह जनता की दृष्टि में सितारा ही होता है। चाहे वो खेल में हो, समाजसेवा में हो, साहित्य या पत्रकारिता में हो या कला व संगीत में हो, ऐसे 'रियल लाइफ हीरो' की जिंदगी के हर पहलू को जानने की जिज्ञासा आम लोगों में हमेशा रहती है।

उनका कहां जन्म हुआ, वो कैसे इस क्षेत्र में आए, उन्होंने कितना और कैसे संघर्ष किया और फिर उन्हें कब और कैसी कामयाबी मिली। ऐसी जीवन गाथा सुनना और सुनाना दोनों ही आनंददायक होते हैं। इसलिए यह फिल्में प्राय- सफल होती हैं। सितारा चाहे बीते जमाने का हो या आज के जमाने का, उसकी उपलब्धियां हर एक के लिए प्रेरणादायक होती है, विशेषकर नई पीढ़ी के लिए। इसलिए बॉलीवुड के उन निर्माताओं के हम आभारी हैं, जो नाच, हिंसा, इश्क जैसे घिसे-पिटे ढे से बाहर निकल कर ऐसे नये प्रयोग कर रहे हैं।

शुरू में शायद यह जोखिम भरा प्रयास रहा हो क्योंकि अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो तो वह उस फिल्म के निर्माण से जुड़े हर महत्त्वपूर्ण व्यक्ति को बड़ा झटका दे देती हैं, लेकिन जब से नेटफिलक्स जैसे प्लेटफार्म वजूद में आए हैं तब से यह जोखिम भी खत्म हो गया है। क्योंकि अब बिना टिकट खरीदे ही या बिना थिएटर तक जाए ही, घर बैठे-बैठे करोड़ों दर्शक दुनिया के हर कोने में अपनी सुविधा से इन फिल्मों देख सकते हैं। इसलिए यह और भी जरूरी हो जाता है की किसी के 'बॉयोपिक' (जीवनी) पर फिल्म बनाने वाले जहां तक सम्भव हो, फिल्म को तथ्यात्मक ही बनाएं। उसमें नाटकीयता न आने दें। हम जानते हैं कि अपनी प्रेमिका के आगे पीछे बैकग्राउंड संगीत के साथ बाग-बगीचों में दौड़-दौड़ कर प्रेम का इजहार कभी कोई नहीं करता। प्रेम प्रदर्शन का यह तरीका बॉलीवुड ने ही ईजाद किया और आज तक ढो रहा है। आम जीवन में प्रेमी और प्रेमिका बिलकुल ही सामान्य तरीके से केवल बातचीत में ही प्रेम का इजहार करते हैं। इसलिए जब मिल्खा सिंह को अपनी प्रेमिका के साथ गीत गाते दिखाया गया तो वह किसी के गले नहीं उतरा। फिल्म में बिना वजह गाने ठूंसने से वो अनावश्यक रूप से लम्बी है। फिर भी दर्शक टिका रहा क्योंकि मिल्खा सिंह की जीवनी में बहुत आकर्षण था। बॉलीवुड में आए इस नये ट्रेंड के साथ दर्शकों की भी पसंद बदल रही है।

टेलीविजन के आने से पहले नाटक और फिल्में ही आम जनता के मनोरंजन का मुख्य स्रोत होते थे। टेलीविजन के आने के बाद, खासकर निजी चैनलों के आने के बाद मनोरंजन के स्रोतों का भारी विस्तार हुआ है। अब हर व्यक्ति अपनी रुचि के अनुसार अपने मनोरंजन के लिए अनेक तरह के कार्यक्रम देख सकता है। ऐसे में बॉलीवुड के लिए भी यह बाध्यता नहीं है कि वो केवल मनोरंजन को ही लक्ष्य बना कर फिल्में बनाए।

मनोरंजन के अलावा, सूचना देना और शिक्षित करना भी इनका दायित्व होता है, जिसे निभाने में बॉलीवुड काफी पीछे रहा है, लेकिन इन बदली हुई परिस्थितियों में आम दर्शक भी बहुत जागरूक हो गया है। उसे इतिहास, धर्म, संस्ति या 'रियल लाइफ हीरोज' की जीवनी पर आधारित फिल्में देखना अच्छा लगता है।

समकालीन हीरो पर फिल्म बनाने का एक और बड़ा लाभ यह है कि हम उस व्यक्ति को उसके जीवन काल में ही वो प्रसिद्धि दे सकते हैं, जिसका वो हकदार है। किंतु हर क्षेत्र में व्याप्त राजनीति, भाई-भतीजावाद, लिंगभेद या भ्रष्टाचार के चलते वह इस या को पाने से वांछित रह जाता है। आज भी देश के हर प्रांत में व हर क्षेत्र में ऐसे तमाम लोग हैं, जिनकी जीवनी पर अगर फिल्में बनें तो समाज का बहुत बड़ा लाभ होगा। आशा की जानी चाहिए कि बॉलीवुड इस दिशा में और भी उत्साह से आगे बढ़ेगा।

अंतर्मन

ख्वाहिशों से बढ़ती ज़िंदगी की मुश्किलें

अमिताभ स.

'सर, अपने नोट जेब में संभालकर रखिए। बिल बनने के बाद ज़रूरत के मुताबिक़ ही जेब से नोट निकालिए। शायद आप नहीं जानते कि ग्रीस मंदी के दौर से गुज़र रहा है। किसी ने नोट झपट लिए तो?', मेरा नंबर आते ही बिलिंग काउंटर पर बैठी मैडम ने ऑर्डर जानने की बजाय अंग्रेज़ी में कुछ यूं टोका। सुनते ही मैं सचेत हो गया और सारे नोट झटपट जेब में डाल लिए। दसेक साल पहले मैं ग्रीस की राजधानी एथेंस के पॉश एरिया संटेगमा स्क्वेयर स्थित मैकडॉनल्ड'स के बिलिंग की क़तार में खड़ा था। असल में, गलती मेरी ही थी। एक तो, ग्रीस में पहला दिन था, सो करेंसी की समझ नहीं थी और दूसरा, झटपट भुगतान की सहूलियत के मद्देनज़र मैंने जेब से सारे नोट निकालकर अपने हाथ में थाम लिए थे।

एक विदेशी दुकानदार ने चुटकी में दिखावा न करने का पाठ पढ़ा दिया। महात्मा गांधी ने तो बरसों पहले कहा था—अमीरों को सदा सादगी में रहना चाहिए, ताकि ग़रीब सहजता से सादा जीवन जी सकें। लगता है कि हम भारतीयों से ज्यादा यूरोप के लोगों ने बापू के सिद्धांत को अपनाया है। वहां लोग अमीर होने के बावजूद दिखावे और शोबाज़ी में यक़ीन नहीं करते। आर्थिक मंदी से पहले भी यूरोपीय महानगरों में छोटी-छोटी कारें चलाने का ही चलन है। हमारी तरह लंबी-लंबी शानदार कारें दौड़ाने की होड़ नहीं लगी।

मनोराय है कि बेशुमार दिखावा करने वालों का आत्मबल बेहद कमज़ोर होता है क्योंकि अपनी जिज्ञासाओं को क़ाबू करने से ही ख़ुद को क़ाबू में रखने में विजय मिलती है। ज़िंदगी और चाहत में फ़र्क समझना-जानना अहम है। ज़रूरतें जीने की बुनियाद हैं—रोटी, कपड़ा, मकान और सेहत। चाहतें अंतहीन हैं।

तामझाम और अध्यात्म साथ-साथ हरगिज़ नहीं चल सकते। ओशो भी तो कहते हैं-ज़िंदगी जीना मुश्किल नहीं है, सारा बोझ तो ख्वाहिशों का है। यानी ज़िंदगी की मुश्किलात ख़्वाहिशों से ही बढ़ती है।

लोक कथनी है 'रूखी-सूखी खाई के, ठंडा पानी पी, ना वेख पराई चौपड़ियां, न तरसे तेरा जी' में ज़िंदगी की खुशियों का सार छुपा है। भाव है कि ऐसा सादा जीवन व्यतीत करें, जिसमें रम कर दूसरे के ठाठ-बाट देख कर भी अपना मन विचलित न हो। उधर रईसों को अपने भीतर मंथन करना चाहिए कि कहीं उनका अनाप-शनाप दिखावा जाने-अनजाने दूसरों का मन ख़राब तो नहीं कर रहा। सादगी को जीवन में उतारने से ख़ुशी और सुकून मिलता है, बरकत होती है। हालांकि उपभोक्तावादी अर्थशास्त्र के चलते ज्यादातर अमीर आनंद की तलाश में अनाप-शनाप ख़र्च करते हैं। शादी, त्योहार और रहन-सहन में बेतहाशा दिखावा करने से बाज नहीं आते। अपने बच्चों को पंचतारा संस्कृति के अति महंगे स्कूलों में पढ़ाते हैं। कोई पराई चौपड़ियां न देखने की सलाह देता है तो कोई सादगी में रहने की अपील करता है। तय है कि अगर दोनों पक्ष अपने-अपने दायरे में रहें तो परेशानी जड़ से जाती रहेगी।

एक रईस पिता अपने बेटे को घुमाने ले गया। दिखाना चाहता था कि गरीब कैसे होते हैं? उन्होंने शाम एक ग़रीब परिवार के खेत में गुज़ारी। लौटते हुए, पिता ने बेटे से पूछा—क्या तुमने जाना कि वे कितने ग़रीब हैं? बेटा सहज भाव से बोला—हमारे पास एक कुत्ता है, उनके आसपास आवारा ही सही, मगर 4 कुत्ते हैं। हमारे घर में स्विमिंग पूल है, उनके पास पूरी नदी है। रात को हम बल्बों की रोशनी में होते हैं, वे चांद-सितारों के तले। हमारी हिफ़ाज़त ऊंची दीवारें और गार्ड व दरबान करते हैं, उनका मददगार है पड़ोसियों का साथ। हमारी देखभाल नौकर-चाकर करते हैं और उनकी ज़िंदगी भगवान भरोसे चलती है। बेटे ने और कहा—पापा, यह बताने का शुक्रिया कि हम वाकई कितने ग़रीब हैं। नन्हे बेटे ने पिता की आंखें खोल दी। पिता समझ गया कि धन-दौलत और तामझाम से कोई इनसान अमीर नहीं होता, बल्कि सादगी ही वास्तविक धनवान बनाती है।

सद?गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं—जीवन में चीजों का ज़रूरत से ज्यादा होना अच्छा नहीं होता। जब चीजें ज़रूरत से ज्यादा होती हैं तो उससे विकार और उदासी पैदा होती है। यह चाहिए, वह चाहिए के चक्कर में इनसान अपना सुख और चैन तक खो देता है। सयाने कहते हैं कि सादगी से रहने से ही हमारी ज़्यादातर परेशानियों का सफ़ाया हो जाता है। फ़ालतू की ज़रूरतों को सीमित रखने में ही गुज़र-बसर करने में आराम है। दूसरों को देख अपनी चादर से बाहर पैर पसारने से केवल नुक़सान ही होता है। दुनिया के सबसे रईस देशों के वासियों को भी किफ़ायती और सस्ती ख़रीदारी की ललक है। मदर टेरेसा भी कहती हैं—आपके पास जितना ज्यादा होता है, आप उतने ही व्यस्त और भागमभाग में फंसे रहते हैं और जितना कम, उतने ही ख़ाली, जिससे ख़ुश और सुखी रहना आसान होता है। हमेशा छोटी-छोटी चीज़ों को अपनाएं क्योंकि उन्हीं में अपार आनंद छुपा है।

धोनी

अब संन्यास के फैसले से चौंकाया

मनोज चतुर्वेदी

दुनिया के सफलतम कप्तानों में शुमार महेंद्र सिंह धोनी ने देश के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आजादी ले ली। हम सभी जानते हैं कि महेंद्र सिंह धोनी को मैदान पर ठंडे दिमाग के साथ संयत व्यवहार की वजह से मिस्टर कूल कहा जाता है। व्यवहार की यह सादगी उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के समय भी नजर आई।

धोनी अपने पूरे कॅरियर के दौरान जिस अनोखे अंदाज के लिए जाने जाते रहे, उसी अंदाज को उन्होंने संन्यास की घोषणा के समय भी दिखाया। उन्होंने 16 शब्दों वाला 4.07 सेकेंड का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर डाला, जिसके बैकग्राउंड में मुकेश का गाना..मैं पल दो पल का शायर हूं..बज रहा था, जिसमें उन्होंने लिखा कि अब तक आपके प्यार और सहयोग के लिए शुक्रिया। सात बजकर 29 मिनट के बाद से मुझे रिटायर समझिए। धोनी उस युग की देन हैं, जिस समय छोटे शहरों से क्रिकेटरों ने निकलना शुरू कर दिया था। वह 'फैब फोर' यानी सचिन, द्रविड़, गांगुली और कुंबले का जमाना था। यह सभी बड़े शहरों के अंग्रेजी बोलने वाले खिलाड़ी थे।

सही मायनों में टीम की योजना बनाने में इन खिलाड़ियों का ही दबदबा हुआ करता था, लेकिन धोनी ने छोटे शहरों के खिलाड़ियों की टीम में अहमियत बढ़ाने का काम किया और धीरे-धीरे टीम में हिंदी बोलने वाले छोटे शहरों के खिलाड़ियों का दबदबा बनाया। गांगुली को टीम में जीत का जज्बा बनाने वाला माना जाता है। तो धोनी ने उनके ही काम को आगे बढ़ाते हुए टीम की सोच को ही एकदम से बदलकर रख दिया। असल में टीम में जुझारूपन लाने वाले हैं वह। उन्होंने तमाम मौकों पर टीम को मुश्किल से निकालकर विजयी लक्ष्य तक पहुंचाकर टीम खिलाड़ियों में यह सोच विकसित की कि यदि विकेट पर ठंडे दिमाग के साथ डटे रहा जाए तो किसी भी मुश्किल से पार पाई जा सकती है। विराट कोहली के देश के सफलतम टेस्ट कप्तान बनने से पहले धोनी के नाम ही यह रिकॉर्ड था। पर धोनी अब भी तमाम मामलों में विराट से मीलों आगे नजर आते हैं। वह आईसीसी की तीनों चैंपियनशिपों को जीतने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान हैं। उन्होंने 2007 में टी-20 विश्व कप जीतकर पहली बार अपनी कप्तानी की छाप छोड़ी। सही मायनों में यह विश्व कप उनके कॅरियर का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। टी-20 विश्व कप में भारत की बेहतर संभावनाओं की किसी को उम्मीद नहीं थी। इसलिए कई सीनियर खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेने से मना कर दिया था। इस वजह से धोनी को कप्तानी करने का मौका दिया गया। उन्होंने भारत को विश्व चैंपियन बनाकर सभी को अचरज में डाल दिया। उन्होंने 2011 में भारत को आईसीसी विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का चैंपियन बनाया। विराट को अभी इन तीनों उपलब्धियों को हासिल करना बाकी है।

हर खिलाड़ी अपने कॅरियर के अंतिम पल को यादगार बनाना चाहता है। पर धोनी को अपना अंतिम पल हमेशा खलता रहेगा। वह यदि न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में मात्र एक इंच क्रीज से दूर रहकर आउट नहीं हुए होते, तो शायद वह भारत को जीत दिलाने में सफल हो सकते थे। उनके ऊपर पूरे कॅरियर में लगा बेस्ट फिनिशर के टैग पर यह एक ऐसा धब्बा है, जो उन्हें हमेशा सालता रहेगा। पर धोनी के इस अंतिम पल को ठीम उसी तरह याद किया जाएगा, जैसे महान क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन की आखिरी पारी को याद किया जाता है। ब्रैडमैन को अपने आखिरी पारी में अपने टेस्ट कॅरियर औसत को 100 रखने के लिए इस पारी में सिर्फ चार रन बनाने थे पर वह इस पारी में शून्य पर आउट हो गए थे। इसी तरह रिकॉर्ड के बादशाह सचिन तेंदुलकर आमतौर पर 50-60 से ऊपर निकल जाने पर शतक ठोककर ही दम लेते थे, लेकिन वह भी अपनी अंतिम पारी में 75 रन बनाने के बाद अनियमित गेंदबाज की गेंद पर आउट हो गए थे। धोनी से वैसे तो 2019 के आईसीसी विश्व कप के बाद ही संन्यास लेने की उम्मीद की जा रही थी। पर उन्होंने जब संन्यास की घोषणा नहीं की तो लगा कि उनके जेहन में 2020 के आखिर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप में खेलने की बात कहीं-न-कहीं रही होगी। धोनी ने अभी आईपीएल में खेलने की बात कही है, मगर बहुत संभव है कि वह अब इस आईपीएल में टीम इंडिया में स्थान बनाने वाले दवाब से मुक्त होकर खेलेंगे और बेजोड़ प्रदर्शन करने के बाद क्रिकेट को ही अलविदा भी कह सकते हैं।

SEBI ने बैंक ऑफ बड़ौदा पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड नियमनों के उल्लंघन के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने सोमवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। बीओबी ने कहा, 'सेबी ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए बैंक पर सेबी (म्यूचुअल फंड नियमन), 1996 के नियमन 7बी के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है।' यह जुर्माना यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. और यूटीआई ट्रस्टी प्राइवेट लि. में एक निश्चित सीमा से अधिक हिस्सेदारी रखने के लिए लगाया गया है।' इससे पहले सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने बैंक से 31 दिसंबर, 2020 या उससे पहले इन दिशानिर्देशों का अनुपालन करने को कहा था। बीएसई में बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46.15 रुपये पर बंद हुआ।

आईएलएण्डएफएस फाइनेंसियल सविर्सिज के 2017- 18 के अंकेक्षण में खामियां मिलीं आडिट नियामक को

नयी दिल्ली। नेशनल फाइनेंसियल रिपोर्टिंग अथारिटी (एनएफआरए) को आईएलएण्डएफएस फाइनेंसियल सविर्सिज लिमिटेड के 2017- 18 के सांविधिक आडिट में खामियों का पता चला है। कंपनी का यह आडिट बीएसआर एण्ड एसोसिएट्स एलएलपी ने किया था। एनएफआरए ने आईएलएण्डएफएस फाइनेंसियल सविर्सिज लिमिटेड (आईएफआईएन) की वर्ष 2017-18 की आडिट गुणवत्ता समीक्षा रिपोर्ट जारी की है। कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा इस संबंध में जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, ''बीएसआर द्वारा लेखा परीक्षा मानकों के आवश्यक अनुपालन में उल्लेखनीय रूप से असफलता दिखी है।'' एनएफआरए कार्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन आता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि बीएसआर के पास इस बात को प्रमाणित करने के लिये पर्याप्त तर्क नहीं हैं कि उसने आडिट रिपोर्ट को लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप किया है। एनएफआरए ने आडिट गुणवत्ता समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि बीएसआर को आईएफआईएन का सांविधिक आडिटर नियुक्त करना सरासर अवैध है और उसे खारिज किया जाता है। एनएफआरए ने इसके साथ ही यह भी कहा है कि बीएसआर जिस आईटी प्रोसेसर्स अथवा प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर रही थी उसमें खामियां थी।एनएफआरए इस बात पर भी गौर करेगा कि आडिट गुणवत्ता समीक्षा रिपोर्ट को लेकर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की जरूरत है अथवा नहीं। एनएफआरए इस बात पर भी गौर करेगा कि आडिट गुणवत्ता समीक्षा रिपोर्ट को लेकर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की जरूरत है अथवा नहीं।

रेनॉ ने पेश की 1.3 टर्बो पेट्रोल इंजन वाली डस्टर

नयी दिल्ली। वाहन कंपनी रेनॉ इंडिया ने सोमवार को अपनी एसयूवी डस्टर का नया मॉडल पेश किया। इसमें 1.3 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन है। इसकी शोरूम में कीमत 10.49 लाख रुपये और 13.59 लाख रुपये के बीच है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 1.3 लीटर टर्बो इंजन के मैनुअल मॉडल की कीमत 10.49 लाख रुपये, 11.39 लाख रुपये और 11.99 लाख रुपये है। वहीं स्वचालित मॉडल की कीमत 12.99 लाख और 13.59 लाख रुपये है।कंपनी ने कहा कि डस्टर का मौजूदा 1.5 लीटर इंजन क्षमता वाला मॉडल भी बाजार में उपलब्ध रहेगा। इसकी कीमत 8.59 लाख रुपये से 9.99 लाख रुपये के बीच है। कंपनी ने कहा कि डस्टर का मौजूदा 1.5 लीटर इंजन क्षमता वाला मॉडल भी बाजार में उपलब्ध रहेगा। इसकी कीमत 8.59 लाख रुपये से 9.99 लाख रुपये के बीच है। कंपनी ने डस्टर के लिए डीजल का कोई मॉडल पेश नहीं किया है। रेनॉ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक वेंकटराम ममिलापल्ले ने कहा कि डस्टर का यह नया मॉडल भारतीय बाजार में उसकी एक नयी कहानी शुरू करेगा।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी में 16.5 प्रतिशत गिरावट की आशंका : एसबीआई रिपोर्ट

मुंबई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अर्थशास्त्रियों ने चालू वित्त वर्ष में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 16.5 प्रतिशत की गिरावट की आशंका जताई है। इससे पहले, मई में एसबीआई रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट की आशंका जताई गई थी। हालांकि वर्तमान अनिश्चित परिदृश्य में कुछ शर्तों के साथ अब इसमें 16.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान जताया गया है। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को जारी अपनी रिपोर्ट इकोरैप में कहा कि जहां तक सूचीबद्ध कंपनियों के परिणाम का सवाल है, कॉरपोरेट जीवीए (कुछ वित्तीय और गैर-वित्तीय कंपनियों के उम्मीद से बेहतर परिणाम) वित्त वर्ष 2020-21 में आय में गिरावट के मुकाबले बेहतर रहा है। अबतक करीब 1,000 सूचीबद्ध इकाइयों ने पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम की घोषणा की है। परिणाम बताते हैं कि कंपनियों की सकल आय में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है जबकि शुद्ध आय यानी लाभ में 55 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। हालांकि कॉरपोरेट जीवीए (सकल मूल्य वर्धन) में गिरावट केवल 14.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, ''सैद्धांतिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों की आय में गिरावट की भरपाई लागत को युक्तिसंगत कर किया गया है। इससे कंपनियों के मार्जिन पर प्रभाव नहीं पड़ा। इसमें आगे कहा गया है कि जुलाई और अगस्त महीने में कोरोना वायरस की पैठ ग्रामीण क्षेत्रों में हुई है। कुल नए मामलों में ग्रामीण व छोटे जिलों की हिस्सेदारी बढ़कर 54 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे ग्रामीण जिलों की संख्या घटी है जहां 10 से कम कोरोना वायरस के मामले थे। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र ग्रामीण क्षेत्रों में ''इन जिलों का अपने-अपने राज्यों के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में हिस्सेदारी करीब 2 से 4 प्रतिशत है।

क्रमिक स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क पूरे स्पेक्ट्रम पर नहीं: ट्राई

नयी दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सोमवार को स्पेक्ट्रम साझा करने के मामलों में क्रमिक स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) लगाने से जुड़े नियमों को स्पष्ट किया। ट्राई ने कहा कि ऐसे मामलों में 0.5 प्रतिशत बढ़ाया गया एसयूसी सिर्फ विशेष बैंड में साझा किए जा रहे स्पेक्ट्रम पर लगाया जाना चाहिए ना कि लाइसेंस धारक कंपनी के पास के पूरे स्पेक्ट्रम पर। ट्राई ने स्पेक्ट्रम के आदान-प्रदान संबंधी दिशानिर्देशों में दूरसंचार कंपनियों के मौजूदा स्पेक्ट्रम के लेन देन के करार को समाप्त करने या उससे हटने से जुड़े प्रावधान जोड़ने का सुझाव दिया है। ट्राई ने एक बयान में कहा कि इससे दूरसंचार सेवाप्रदाताओं को अपनी जरूरत के हिसाब से स्पेक्ट्रम का वाणिज्यिक आधार पर बंदोबस्त करने की सुविधा होगी। नियामक ने कहा, '' मौजूदा स्पेक्ट्रम दिशानिर्देशों के अनुसार यह स्पष्ट है कि 0.5 प्रतिशत का क्रमिक एसयूसी सिर्फ किसी बैंड विशेष लिए-दिए गए स्पेक्ट्रम पर लगाया जाना चाहिए ना कि लाइसेंसधारक के पास के पूरे स्पेक्ट्रम पर।'' ट्राई ने इस संबंध में अप्रैल में स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क लगाने और उसके आकलन इत्यादि से जुड़े मामलों को लेकर परिचर्चा शुरू की थी।

एचडीएफसी बैंक पर मुकदमे की तैयारी में अमेरिका, ग्राहकों को गुमराह करने का आरोप

नई दिल्ली। अमेरिका की विधि क्षेत्र की कंपनी रोसेन की एचडीएफसी बैंक के खिलाफ निवेशकों को गुमराह करने वाली सूचनाएं देने के लिए मुकदमा चलाने की तैयारी कर रही है। रोसेन का इरादा एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित प्रतिभूति दावों की जांच का है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक ने कहा है कि उसे इस तरह के किसी मुकदमे की जानकारी नहीं है। बैंक ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह काफी 'हल्का मामला लगता है क्योंकि हम अपने खुलासे में पारदर्शिता बरतने में विश्वास करते हैं। वैश्विक निवेशक अधिकार विधि कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर बयान में कहा, ''रोसेन लॉ कंपनी एचडीएफसी बैंक के शेयरधारकों की ओर से प्रतिभूति मामला तैयार कर रही है। कुछ मीडिया खबरों में कहा गया है कि बैंक ने कथित रूप से अनुचित व्यापार व्यवहार का सहारा लिया। इसके लिए बैंक जून में समाप्त पहली तिमाही में विश्लेषकों के मुनाफे के अनुमान से भी चूक गया। इस खबर के बाद एचडीएफसी बैंक के अमेरिकी डिपॉजिटरी रिसीट शेयर का मूल्य 2.83 प्रतिशत टूट गया। इसके लिए बैंक जून में समाप्त पहली तिमाही में विश्लेषकों के मुनाफे के अनुमान से भी चूक गया। इस खबर के बाद एचडीएफसी बैंक के अमेरिकीडिपॉजिटरी रिसीट शेयर का मूल्य 2.83 प्रतिशत टूट गया। डिपॉजिटरी रिसीट शेयर का मूल्य 2.83 प्रतिशत टूट गया।

कोविड-19 की वजह से अपने कारोबारी मॉडल की समीक्षा कर रही है अशोक लेलैंड: चेयरमैन

चेन्नई।

हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड कोविड-19 महामारी की वजह से अपने कारोबारी और परिचालन मॉडल की नए सिरे से समीक्षा कर रही है। कंपनी के चेयरमैन धीरज जी हिंदुजा ने यह जानकारी दी। हिंदुजा ने कहा कि इस दिशा में, कंपनी ने सतत वृद्धि के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महामारी के बीच वाणिज्यिक वाहनों के लिए दीर्घावधिक परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। शेयरधारकों को संबोधित करते हुए हिंदुजा ने कहा कि सरकार वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र को उबारने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि वहीं इस अवसर का लाभ उठाकर पिछले कुछ माह से कंपनी बिना किसी धारणा के अपने कारोबारी और परिचालन मॉडल की समीक्षा कर रही है। हिंदुजा ने कहा लघु और दीर्घावधि की संभावनाओं का आकलन करने के बाद कंपनी ने कई कदम उठाए हैं। इनका मकसद सतत वृद्धि हासिल करते हुए आर्थिक चक्र के प्रतिकूल असर को कम करना है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति अशोक लेलैंड जैसे मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के लिए वैश्विक स्तर पर अपने को स्थापित करने का अवसर है। हम वैश्विक स्तर पर कंपनी की विनिर्माण क्षमता दिखा सकते हैं। साथ ही अपने उत्पादों की गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता के वैश्विक मानदंडों को प्रदर्शित कर सकते हैं। हिंदुजा ने कहा कि अपने आगामी हल्के वाणिज्यिक वाहनों की श्रृंखला के जरिये कंपनी देश और विदेश में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि कंपनी जिस एक अन्य क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रही है, वह रक्षा क्षेत्र है। जिस एक अन्य क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रही है, वह रक्षा क्षेत्र है। अशोक लेलैंड सैन्य बलों को सबसे अधिक लॉजिस्टिक वाहन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों में से है। उन्होंने कहा कि कंपनी तेजी से अपने मोबिलिटी उत्पाद और समाधान उपलब्ध कराना जारी रखेगी। कोरोना वायरस महामारी पर उन्होंने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान कंपनी ने सतर्क तरीके से योजना बनाकर स्थिति पर नियंत्रण किया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन से साहसिक फैसला लेते हुए मध्यम से भारी श्रृंखला के लिए पहली बार मॉड्यूलर ट्रक प्लेटफॉर्म एवीटीआर पेश किया। साथ ही भारत चरण-छह उत्सर्जन मानक वाली प्रौद्योगिकी को भी साथ ही भारत चरण-छह उत्सर्जन मानक वाली प्रौद्योगिकी को भी पेश किया गया। हिंदुजा ने कहा कि दोनों बड़ी तकनीकी चुनौतियां थीं, जिन्हें तय समय में पूरा किया जाना था। कंपनी के लिए यह गौरव का क्षण है जबकि डिजाइन, लागत और समय के लक्ष्य को नवोन्मेषी तरीके से पूरा किया गया।

सोना 340 रुपये चमका, चांदी 1,306 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच सोमवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना 340 रुपये की बढ़त के साथ 53,611 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 53,271 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी भी 1,306 रुपये की बढ़त के साथ 69,820 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 68,514 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''दिल्ली में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 340 रुपये चढ़ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों के रुख के अनुरूप यहां भी सोने की चमक बढ़ गई।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,954 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं चांदी भी मामूली बढ़त के साथ 26.81 डॉलर प्रति औंस रही। पटेल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता से सोने की कीमतों में तेजी आई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष (जिंस बाजार अनुसंधान) नवनीत दमादनी ने कहा कि कोराना वायर संकट, वैश्विक अर्थव्यस्था के हालात और चीनी-अमेरिका व्यापारित रिश्तों में लगतार तनाव के बीच वैश्विक जिंस बाजार में सोना आने वाले दिनों में 1930-1965 डालर प्रति औंस रह सकता है।

चीन को झटका देने की तैयारी में 24 मोबाइल कंपनियां, भारत में करेंगी निवेश

बिजनेस डेस्क।

दुनिया में हाहाकार मचा रही कोरोना वायरस महामारी के कारण चीन के प्रति दुनियाभर में गुस्से का माहौल है। दुनिया की कई कंपनियां वहां से अपना बोरिया बिस्तर समेट रही हैं। स्मार्टफोन बनाने वाली 24 कंपनियां चीन को छोड़कर भारत में अपना प्रोडक्शन यूनिट लगाने की तैयारी कर रही हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि चीन छोड़ने वाली कंपनियों को लुभाने की भारत की रणनीति काम कर रही है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर एप्पल तक के लिए कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियों ने भारत में निवेश करने की इच्छा जताई है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश है। देश में अब तक 300 मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लग चुकी हैं। मोदी सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनियों के लिए मार्च में कई तरह के प्रोत्साहनों की घोषणा की थी। इसका नतीजा यह हुआ कि करीब दो दर्जन कंपनियों ने भारत में मोबाइल फोन यूनिट लगाने के लिए 1.5 अरब डॉलर (करीब 11,200 करोड़ रुपए) के निवेश का वादा किया है। सैमसंग के अलावा फॉक्सकॉन के नाम से जानी जाने वाली कंपनी , विस्ट्रॉन कॉर्प और पेगाट्रॉन कॉर्प ने भी भारत ने निवेश में दिलचस्पी दिखाई है। भारत ने साथ ही फार्मास्यूटिकल सेक्टर के लिए भी इसी तरह के इंसेंटिव की घोषणा की है। साथ ही कई अन्य सेक्टरों में भी इसे लागू किया जा सकता है। इनमें ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग शामिल है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार तनाव और कोरोना वायरस संक्रमण से कंपनियां अपनी सप्लाई चेन को डाइवर्सिफाई करना चाहती हैं। यही वजह है कि वे चीन के बाहर सप्लाई चेन के विकल्प खोज रही हैं। हालांकि भारत अभी तक इसका ज्यादा फायदा नहीं उठा पाया है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी के एक हालिया सर्वे के मुताबिक इन कंपनियों के लिए वियतनाम सबसे पसंदीदा विकल्प बना हुआ है। इसके बाद कंबोडिया, म्यांमार, बांग्लादेश और थाईलैंड उनकी पसंद है। मोदी सरकार को उम्मीद है कि भारत में अगले 5 साल में 153 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाया जा सकता है और इससे करीब 10 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। नीलकंठ मिश्रा का अगुवाई में क्रेडिट सुइस ग्रुप के विश्लेषकों का मानना है कि इससे अगले 5 साल में देश में 55 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश आएगा जो देश के इकॉनमिक आउटपुट में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी करेगा। इससे अगले 5 साल में ग्लोबल स्मार्टफोन प्रोडक्शन का अतिरिक्त 10 फीसदी भारत शिफ्ट हो सकता है। मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इकॉनमी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी बढ़ाकर 25 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है जो अभी 15 फीसदी है। सरकार पहले ही कॉरपोरेट टैक्स में कमी कर चुकी है जो एशिया में सबसे कम है।

महामारी से देश की इकॉनमी बुरी तरह प्रभावित हुई है और चार दशक से भी अधिक अवधि में यह पहली बार निगेटिव रह सकती है में एनालिस्ट अमीश शाह ने कहा कि आउटपुट लिंक्ड इंसेंटिव प्लान मेक इन इंडिया के लिए बड़ी जीत है। इसका मकसद देश में नया निवेश आकर्षित करना है। कोरोना वायरस महामारी से देश की इकॉनमी बुरी तरह प्रभावित हुई है और चार दशक से भी अधिक अवधि में यह पहली बार निगेटिव रह सकती है में एनालिस्ट अमीश शाह ने कहा कि आउटपुट लिंक्ड इंसेंटिव प्लान मेक इन इंडिया के लिए बड़ी जीत है।

नफरत फैलाने वाली सामग्री पर अंकुश लगाते हैं, पर अभी और कदमों की जरूरत : फेसबुक

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने भारत में केंद्र में सत्तारूढ़ दल का समर्थन करने के आरोपों के बीच सोमवार को सफाई देते हुए कहा उसके मंच पर नफरत या द्वेष फैलाने वालों ऐसे भाषणों और सामग्री पर अंकुश लगाया जाता है, जिनसे हिंसा फैलने की आशंका रहता है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि उसे ये नीतियां वैश्विक स्तर पर लागू की जाती हैं और इसमें यह नहीं देखा जाता कि यह किस राजनीतिक दल से संबंधित मामला है। कंपनी भारत को अपना प्रमुख बाजार मानती है। फेसबुक ने इसके साथ ही यह स्वीकार किया है कि वह नफरत फैलाने वाली सभी सामग्रियों पर अंकुश लगाती है, लेकिन इस दिशा में और बहुत कुछ करने की जरूरत है। फेसबुक प्रवक्ता ने कहा, 'हम हिंसा को बढ़ावा देने वाले भाषणों और सामग्री पर रोक लगाते हैं। हम वैश्विक स्तर पर इन नीतियों को लागू करते हैं। इसमें किसी राजनीतिक दर या विचारधारा का ध्यान नहीं दिया जाता। हम जानते हैं कि अभी और बहुत कुछ करने की जरूरत है, हम प्रवर्तन की दिशा में प्रगति कर रहे हैं। किसी तरह के पक्षपात को रोकने के लिए हम नियमित रूप से अपनी प्रक्रियाओं का ऑडिट करते हैं।' फेसबुक के पक्षपातपूर्ण रवैये को लेकर सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्योरोप चल रहे हैं। इन घटनाक्रम के बीच फेसबुक का यह बयान आया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि फेसबुक द्वारा राष्ट्रवादी आवाजों को 'सेंसर' किया जा रहा है।

वहीं कांग्रेस ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि फेसबुक की सामग्री से जुड़ी नीतियां भाजपा का पक्ष लेने वाली हैं।

कोविड-19: दूसरी श्रेणी के शहरों में मांग सुधरी, छह नए स्टोर खोलेगी मादाम

नई दिल्ली।

परिधान क्षेत्र की खुदरा कंपनी मादाम ने छह नए स्टोर खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अड़चनों के बावजूद देश के दूसरी श्रेणी के शहरों में मांग सुधर रही है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा, 'इन छह स्टोर में से एक लखनऊ में खोला जाएगा।

पांच अन्य स्टोर हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश तथा दिल्ली (एनसीआर) में खोले जाएंगे।' मादाम के कार्यकारी निदेशक अखिल जैन ने कहा हाल के हफ्तों में महिलाओं के परिधानों की मांग बढ़ी है। दूसरी श्रेणी के शहरों के स्टोरों में ग्राहकों की संख्या कोविड-19 के 60 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। हमारा अनुमान है कि अक्टूबर तक मांग और सुधरेगी। यह कोविड-19 से पूर्व के 75 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। जैन ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस साल कंपनी की बिक्री पिछले साल की तुलना में 80 प्रतिशत रहेगी।

नए बाजारों में स्टोर खोलने से कंपनी को यह लक्ष्य पाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा लॉकडाउन के दौरान कंपनी की ऑनलाइन बिक्री बढ़ी है। त्योहारी सीजन के मद्देनजर कंपनी ऑनलाइन कारोबार में और निवेश करेगी। फिलहाल देशभर में मादाम के 150 विशिष्ट स्टोर हैं।

कोरोना के बीच राहत भरी खबर, सस्ती हो सकती है सीएनजी और रसोई गैस

नई दिल्ली।

कोविड-19 महामारी की वजह से महंगाई दर में भी बढ़ोत्तरी हुई है। बढ़ी हुई महंगाई के बीच अब लोगों का राहत मिलने वाली है। खबरों की मानें तो रसोई गैस और की कीमतों में कटौती की जा सकती है। बता दें गैस की कीमतों हर छह महीने में तय की जाती है। इससे पहले अप्रैल माह में गैस के दाम तय किए गए थे। अब अक्टूबर में तय होने वाली नैचुरल गैस कीमतें 1.90-1.94 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर आ सकती हैं, जोकि बीते 10 सालों में सबसे कम दाम होगा। सूत्रों के अनुसार, 1 अक्टूबर 2020 से नैचुरल गैस की कीमत में संशोधन होना है। गैस निर्यातक देशो बेंचमार्क रेट के हिसाब से गैस का दाम घटकर 1.90 से 1.94 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट रह जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो एक साल के भीतर तीसरी बार नैचुरल गैस की कीमतों में कटौती होगी। अप्रैल महीने में नैचुरल गैस की कीमतों में करीब 26 प्रतिशत की कटौती की थी। इससे गैस के दाम घटकर 2.39 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रह गए थे अगर गैस की कीमते घटती है तो देश की सबसे बड़ी तेल और गैस बनाने वाली कंपनी का घाटा बढ़ जाएगा। को साल 2017-18 में गैस बिजनेस में करीब 4,272 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। चालू वित्त वर्ष में यह घाटा बढ़कर 6,000 करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। को हर दिन 6.5 करोड़ घनमीटर गैस उत्पादन पर नुक्सान हो रहा है। सरकार ने मई 2010 में बिजली और उवर्रक कंपनियों को बेची जाने वाली गैस का दाम 1.79 डॉलर प्रति इकाई से बढ़ाकर 4.20 डॉलर प्रति इकाई किया था। ऑयल इंडिया को गैस उत्पादन के लिए 3.818 डॉलर प्रति यूनिट का दाम मिलता था. इसमें 10 परसेंट रॉयल्टी जोड़ने के बाद ग्राहकों के लिए इसकी लागत 4.20 डॉलर बैठती थी। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 2014 में एक नए मूल्य फॉर्मूले को मंजूरी दी थी। लेकिन बीजेपी के नेतृत व वाली एनडीए सरकार ने इसे रद्द कर नया फॉर्मूला पेश किया।

बीते वित्त वर्ष में देश का समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात 12.89 लाख टन रहा

कोच्चि।

देश का समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड) का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2019-20 में 12,89,651 टन रहा। मूल्य के हिसाब से बीते वित्त वर्ष में समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात 46,662.85 करोड़ रुपए या 6.68 अरब डॉलर रहा। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार मात्रा के हिसाब से बीते वित्त वर्ष में फ्रोजन झींगे का निर्यात सबसे अधिक रहा। उसके बाद मछली का स्थान रहा। भारतीय सीफूड के सबसे बड़े आयातकों में अमेरिका और चीन शामिल हैं। एमपीईडीए ने बयान में कहा कि 2019-20 में रुपए में निर्यात 0.16 प्रतिशत अधिक रहा। हालांकि, मात्रा और अमेरिकी डॉलर मूल्य में इसमें क्रमश- 7.39 प्रतिशत और 0.74 प्रतिशत की गिरावट आई। भारत ने 2018-19 में 13,92,559 टन समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात किया था। मूल्य के हिसाब से यह 46,589.37 करोड़ रुपए (672.85 करोड़ डॉलर) रहा था। एमपीईडीए के चेयरमैन के एस श्रीनिवास ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से प्रमुख निर्यात बाजारों की मांग घटने के बावजूद भारत ने 12,89,651 टन सीफूड का निर्यात किया है। उन्होंने कहा कि महामारी की वजह से हमारे काफी ऑर्डर रद्द हुए, भुगतान में कटौती और विलंब हुआ और कार्गो की आवाजाही प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि हम सात अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य से चूक गए हैं। हालांकि, इससे बहुत पीछे नहीं रहे। श्रीनिवास ने कहा कि अब वैश्विक बाजारों में लॉकडाउन हट गया है, जिससे निर्यात में तेजी आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिमोना हालेप ने प्राग ओपन में 21वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता

प्राग। शीर्ष वरीय सिमोना हालेप ने रविवार को प्राग ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में तीसरी वरीय एलिस मर्टेन्स को हराकर अपना 21वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता। रोमानिया की दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी हालेप ने सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से जीत दर्ज की। फरवरी में दुबई चैंपियनशिप के बाद यह हालेप का साल का दूसरा खिताब है। दुबई चैंपियनशिप के दौरान हालेप के पैर में चोट लगी थी और वह इससे उबर पाती उससे पहले ही कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में खेल प्रतियोगिताएं ठप्प हो गईं। दुबई चैंपियनशिप के दौरान हालेप के पैर में चोट लगी थी और वह इससे उबर पाती उससे पहले ही कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में खेल प्रतियोगिताएं ठप्प हो गईं।

ग्रांड फाइनल शतरंज

ग्रांड फाइनल शतरंज - कार्लसन की वापसी नाकामुरा को हरा स्कोर किया बराबर

नॉर्वे। मेगनस कार्लसन शतरंज लीग के अंतिम पड़ाव ग्रांड फाइनल मे पहले अमेरिका के हिकारु नाकामुरा से हारने के बाद दूसरे दिन कार्लसन नें ब्लिट्ज़ टाईब्रेक मे खेल अपने नाम करते हुए आखिरकार स्कोर 1-1 कर लिया । हालांकि कार्लसन की इस वापसी के लिए नाकामुरा का अति रक्षात्मक रवैया भी उतना ही जिम्मेदार रहा जितना की कार्लसन का जीतने का प्रयास । कर्सलन और नाकामुरा के बीच पहले चार रैपिड मे स्कोर 2-2 रहा पहला मुक़ाबला नाकामुरा नें तो तीसरा कार्लसन नें जीता । पहले मुक़ाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से क्यूजीडी एक्सेप्टेड ओपेनिंग मे बेहद आक्रामक रवैया अपनाया अपना एक पूरा एक हाथी कुर्बान कर दिया पर अंत मे नाकामुरा अपने राजा को सुरक्षित रखने मे कामयाब रहे और 45 चालों मे जीत गए जबकि तीसरे मुक़ाबले मे कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से इंग्लिश ओपनिंग मे वजीर के एंडगेम मे 59 चालों मे शानदार जीत हासिल की पर दूसरे और चौंथे मैच मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे नाकामुरा नें जीतने के प्रयास की जगह मात्र 14 चालों मे लगातार राजा को शह देते हुए मुक़ाबला ड्रॉ करा लिया और यही कार्लसन की वापसी का आधार बना । टाईब्रेक मे हुए दो ब्लिट्ज़ मुकाबलों मे पहला ड्रॉ रहा जबकि दूसरे मुक़ाबले मे राय लोपेज ओपनिंग मे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए नाकामुरा नें खेल की 28 वीं चाल मे अपना हाथी ही मुफ्त मे दे दिया और मुक़ाबला हार गए इसके साथ ही कार्लसन 3.5-2.5 से दूसरा दिन अपने नाम करने मे सफल रहे ।

बेस्ट ऑफ 7 दिन के इस मुक़ाबले मे अभी 5 दिन का खेल और बाकी है आपको बता दे की फाइनल जीतने वाले खिलाड़ी को 1 करोड़ 6 लाख तो दूसरे स्थान पर आने वाले के 60 लाख रुपेय मिलना तय है ।

हॉकी खिलाड़ी कोरोना वायरस से उबरे, शाम को अस्पताल से छुट्टी मिलेगी

नई दिल्ली।

कप्तान मनप्रीत सिंह सहित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के छह खिलाड़ी कोविड-19 से उबर गए हैं और सोमवार शाम उन्हें बेंगलुरू के अस्पताल से छुट्टी मिलेगी। टीम के करीबी सूत्रों ने बताया कि मनप्रीत, डिफेंडर सुरेंदर कुमार, जसकरण सिंह, वरूण कुमार, गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और स्ट्राइकर मनदीप सिंह दो बार कोरोना वायरस नेगेटिव पाए गए और उनके महत्वपूर्ण अंग सामान्य काम कर रहे हैं। इन लोगों का 10 और 12 अगस्त को परीक्षण किया गया। सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'सभी हॉकी खिलाड़ी कोविड-19 से पूरी तरह उबर गए हैं और आज शाम उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। मनदीप में इस बीमारी के लक्षण नजर नहीं आ रहे थे लेकिन खून में आक्सीजन का स्तर कम होने पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) उन्हें सबसे पहले बेंगलुरू में एसएस स्पर्श मल्टी स्पेशियेलिटी अस्पताल में भर्ती कराया था। बाद में मनप्रीत और चार अन्य खिलाड़ियों को भी एहतियाती कदम के तौर पर इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए ट्रेनिंग शिविर बेंगलुरू में बुधवार से शुरू होगा। कोरोना वायरस से उबरने वाले खिलाड़ियों को हालांकि कुछ और समय पृथकवास में बिताना पड़ेगा जिसके बाद वे टीम के साथ जुड़ पाएंगे।

फिलहाल शिविर के लिए बेंगलुरू में 33 पुरुष और 24 महिला खिलाड़ी मौजूद हैं। राष्ट्रीय शिविर के 30 सितंबर तक जारी रहने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, ''लेकिन राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार उबर चुके खिलाड़ियों को साइ परिसर के अंदर एक हफ्ते से 10 दिन तक और पृथकवास में रहना होगा जिसके बाद वे अभ्यास शुरू कर सकते हैं।

धोनी के संन्यास पर प्रीति जिंटा ने शेयर की खास फोटो, लिखा- हेलीकॉप्टर लैंड हो गया

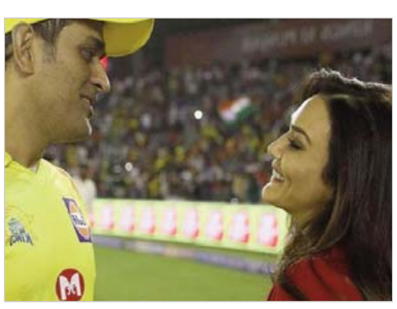

स्पोर्ट्स डेस्क । महेंद्र सिंह धोनी ने 15 अगस्त को शाम 7.29 पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। धोनी के संन्यास के बाद जहां उनके लाखों फैंस का दिल टूट गया। वहीं बॉलीवुड अभिनेत्र प्रीति जिंता ने धोनी के संन्यास पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर लैंड हो गया। हालांकि इस दौरान उन्होंने धोनी की जमकर तारीफ भी की। धोनी के संन्यास की खबर के बाद प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर धोनी के साथ एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, हेलीकॉप्टर लैंड हुआ लेकिन राइड कभी ना भुला पाने वाली थी। सभी अविश्वसनीय यादों के लिए माही आपका धन्यवाद। आप सबसे अच्छे व्यक्ति हैं और हमेशा रहेंगे। आपके जीवन के लिए शुभकामनाएं। कैप्टन कूल, लीजैंड। गौर हो कि धोनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच वर्ल्ड कप 2019 में खेला था और एक साल से लम्बे इंतजार और अटकलों के बाद अचानक संन्यास की घोषणा की। अब धोनी यूएई में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक होने वाले आईपीएल 2020 चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करते और चौके छक्के लगाते दिखाई देंगे।

पूर्व खिलाड़ियों ने कहा- 'बायो बबल से राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर के संचालन में मिलेगी मदद

नई दिल्ली ।

पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सुझाव दिया है कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को कोविड-19 महामारी के बीच राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर के सुरक्षित संचालन के लिए जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) तैयार करने की योजना पर विचार करने की जरूरत है। हैदराबाद की पुलेला गोपीचंद अकादमी में पिछले हफ्ते शिविर को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया था जब महिला युगल विशेषज्ञ एन सिक्की रेड्डी और फिजियोथेरेपिस्ट किरण सी कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे। यह परीक्षण हालांकि गलत साबित हुआ क्योंकि दूसरे परीक्षण में दोनों नेगेटिव आईं जिससे सोमवार से ट्रेनिंग बहाल करने की स्वीकृति दी गई। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पीवी सिंधू के पिता पीवी रमन्ना इस घातक बीमारी के खतरे से चिंतित हैं और खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने और कड़े नियमों का सुझाव दिया। वर्ष 1986 में एशियाई खेलों का कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय वॉलीबॉल टीम के सदस्य रहे रमन्ना ने कहा, 'टीका मिलने तक हमें और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। मामले बढ़ रहे हैं और ऐसे में हम शांति से नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि साइ की मानक संचालन प्रक्रिया के अलावा हम खिलाड़ियों की ट्रेनिंग के समय के बीच में 30 मिनट का अंतर कर सकते हैं और प्रत्येक खिलाड़ी को एक अलग कोर्ट दे सकते हैं क्योंकि वहां आठ कोर्ट हैं रमन्ना ने कहा, 'साथ ही हमारे पास शीर्ष स्तरीय विदेशी कोच हैं और ऐसे में एक खिलाड़ी के साथ एक कोच को रखा जा सकता है, इससे हम आपकी संपर्क को कम कर सकते हैं। एक अगस्त को तेलंगाना सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद साइ ने ओलंपिके आठ दावेदारों के लिए शिविर को स्वीकृति दी थी लेकिन फिलहाल सिर्फ चार खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग कर रहे हैं। भारत के पास दक्षिण कोरिया के पार्क तेइ सेंग और इंडोनेशिया के आगस ड्वी सांतोसो के रूप में एकल कोच जबकि इंडोनेशिया के तीन युगल कोच नामरीह सुरोतो, ड्वी क्रिस्टियावान और मिफताह हैं। दुनिया भर में क्रिकेट, गोल्फ और फुटबॉल जैसे खेलों की बहाली के लिए अधिकारियों ने जैविक रूप से सुरक्षित माहौल तैयार किया है जहां खिलाड़ियों, कोचों और अन्य स्टाफ एक विशेष स्थान पर रखा जाता है और उनके प्रवेश और बाहर जाने पर रोक होती है। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अरविंद भट्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रीय शिविर के लिए जैविक रूप से सुरक्षित माहौल तैयार करना अच्छा विचार है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयार कर रहे खिलाड़ी भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और उन्हें बंद जगह पर रखना समझदारी भरा होगा। एशियाई चैंपियनशिप 1965 में स्वर्ण और राष्ट्रमंडल खेल 1966 में कांस्य पदक जीतने वाले दिनेश खन्ना ने भी इस विचार का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'यह सही होगा कि खिलाड़ियों को शिविर के दौरान पृथक रखा जाए क्योंकि अगर वे शिविर के बाहर के लोगों के संपर्क में रहेंगे ।

संक्षिप्त समाचार

इरफान पठान की गेंदबाजों को सलाह, आईपील में धोनी से सतर्क रहें

नई दिल्ली । भारत के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले महेंद्र सिंह धोनी के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपील) में खेलने के मद्देनजर गेंदबाजों को उनसे सतर्क रहने की सलाह दी है। टेस्ट मैच में पाकिस्तान के खिलाफ हैट्रिक लेने वाले पठान ने स्टार स्पोटर्स के एक कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, 'जब वह (धोनी) आईपीएल में खेलने के लिए आएंगे, तो मुझे लगता है कि सभी गेंदबाजों यहां तक कि मेरे जैसे खिलाड़ी जो संन्यास ले चुके हैं, उन्हें बहुत खुशी होगी कि वे आईपीएल में एमएस धोनी के खिलाफ गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। धोनी अपनी पूरी क्षमता से खेलेंगे। वैसे भी, जब वह सीएसके के लिए खेलते हैं, तो वह पूरा लुत्फ उठाते हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के रूप में भी सामने आता है। लेकिन इस आईपीएल में मैं वास्तव में इसको देखने के लिए उत्सुक हूं। सभी गेंदबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी ने स्वतंत्रता दिवस के दिन क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया था। हालांकि, वह आईपीएल खेलते रहेंगे। 19 सितंबर से शुरू हो रहे आईपीएल मुकाबले में वह चेन्नई सुपर किंग्स की अगुवाई करेंगे जहां उनका पहला मुकाबला गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स से होगा।

धोनी को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान का बड़ा बयान

नई दिल्ली । भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी के स्वतंत्रता दिवस के दिन संन्यास लेने के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने धोनी की जमकर तारीफ की है लेकिन साथ ही कहा है कि उन्हें संन्यास घर से लेने के बजाय मैदान से लेना था। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो 'मैच विनर में कहा, 'धोनी के दुनिया भर में लाखों प्रशंसक हैं जो उन्हें मैदान पर खेलते देखना चाहते हैं। इस स्तर के खिलाड़ी को घर बैठे ही संन्यास नहीं लेना चाहिए था। उन्हें मैदान (विदाई मैच खेलकर) से संन्यास का एलान करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'जिस मैदान और प्रशंसकों ने आपको इतना सब कुछ दिया, कम से कम आपको मैदान से विदाई लेनी चाहिए थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20,000 से ज्यादा रन बनाने वाले एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज इंजमाम ने क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर से अपनी बातचीत को याद करते हुए कहा, 'ऐसा ही कुछ मैंने एक बार सचिन तेंदुलकर को कहा था। जब आपके पास इतनी बड़ी संख्या में प्रशंसक हों, तो आपको आदर्श रूप से अपनी यात्रा को मैदान से समाप्त करना चाहिए। आखिरकार, यह मैदान ही है जहां आपने ऐसा सम्मान और स्टारडम हासिल किया है। मेरी समझ से धोनी को भी ऐसा ही करना चाहिए था, भी ऐसा ही करना चाहिए था, तब उनके प्रशंसक अधिक खुश होते, जिनमें मैं भी शामिल हूं, क्योंकि मैं भी उन्हें सर्वश्रेष्ठ भारतीय कप्तान मानता हूं। वर्ष 2003 से 2007 तक पाकिस्तान के कप्तान रहे इंजमाम ने धोनी को सर्वश्रेष्ठ भारतीय कप्तान बताया।

मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराकर सेविला यूरोपा लीग के फाइनल में पहुंचे

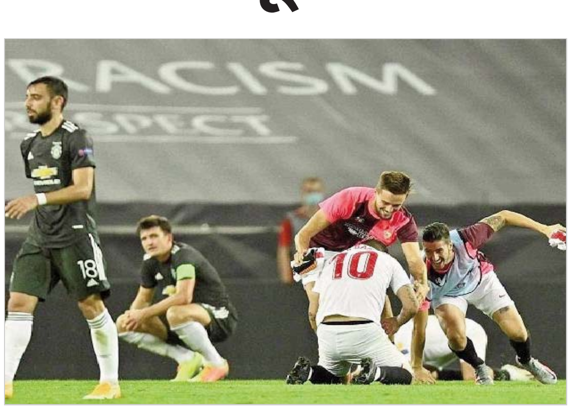

साउथम्पटन। मैनचेस्टर यूनाईटेड को यूरोपा लीग में सेविला के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जो टीम की मौजूदा सत्र में सेमीफाइनल में तीसरी हार है। एफए कप और ईएफएल कप के सेमीफाइनल में हार के बाद सेविला के खिलाफ भी मैनचेस्टर यूनाईटेड ने कई मौके गंवाए और उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा। यूनाईटेड को नौवें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिज ने पेनल्टी पर गोल दागकर बढ़त दिलाई लेकिन सुसो ने 26वें मिनट में सेविला को बराबरी दिला दी। लूक डि जोंग ने इसके बाद 78वें मिनट में सेविला को 2-1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। स्पेन के क्लब सेविला ने इस तरह एक बार फिर यूरोपा लीग के फाइनल में जगह बनाई। सेविला को यूरोप के इस दूसरे स्तर के कप का विशेषज्ञ माना जाता है और टीम ने इससे पहले पांच बार फाइनल में जगह बनाई है और पांचों बार चैंपियन बना है। बार फाइनल में जगह बनाई है और पांचों बार चैंपियन बना है। सेविला के पास शुक्रवार को कोलोना में रिकॉर्ड में सुधार करते हुए छठा खिताब जीतने का मौका होगा। फाइनल में टीम को इंटर मिलान और शख्तार डोनेस्क के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

घर वालों का पेट पालने के लिए पेट्रोल बेच रही बिहार की दंगल गर्ल, 12 बार जीत चुकी है गोल्ड

स्पोर्ट्स डेस्क । कोरोना वायरस महामारी ने आम लोगों ही नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कमर भी तोड़ दी है। आए दिन कोई ना कोई खिलाड़ी घर चलाने और पेट पालने के लिए मजदूरी करता दिखाई देता है। बिहार में दंगल गर्ल के नाम से मशहूर अन्नू गुप्ता भी इस महामारी के कारण पैसों की कमी से जूझ रही है और खाने व घर चलाने के लिए सड़क पर पेट्रोल बेचती है और ब्यूटी पार्लर चला रही है। अनू बिहार के कैमूर की रहने वाली है। अन्नू ने बताया कि 2013 में वह एक रेसर थी और 100 मीटर दौड़ती थी। लेकिन इससे डाइट का खर्च नहीं निकल पाता था जिस कारण मैंने दंगल खेलना शुरू किया। एक बार दंगल देखा और लगा कि इससे मेरी डाइट का खर्च निकल जाएगा। इसके बाद मैं दंगल लड़ने भी गई जिसके बाद 100-200 रुपए के लालच में मैंने इसे आगे जारी रखा। इसके बाद गोपालगंज में दंगल लड़ने गई और स्टेट लेवल पर मैंने 12 बार गोल्ड जीता। एथलीट ने आगे बताया, वह आंद्र प्रदेश में भी खेलने गई थी। उन्होंने कहा, हमारे घर के पास कोई प्रैक्टिस की जगह नहीं है जहां मैं प्रैक्टिस कर सकूं। यहां लड़कों का प्रशिक्षण केंद्र है, जहां पर लड़कियों को जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर यहां एक धर्मशाला हो तो लड़कियों के लिए काफी अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि गांव में एक अखाड़ा है और यहां पर बलदेव चाचा मुझे प्रैक्टिस करवाते हैं। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए मैडल ला सकती हैं लेकिन घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। अन्नू के माता-पिता, दो भाई व एक बहन है। उन्होंने कहा, पिता को टीबी है और ठीक नहीं रहते। एक भाई की शादी हो चुकी है और वह अलग रहता है जबकि एक भाई और बहन है जो साथ रहते हैं। हम मिलकर किराने की दुकान चलाते हैं। इससे घर नहीं चलता ऐसे में पंप से पेट्रोल लाकर सड़क पर पेट्रोल भी बेचती हू। साथ में ब्यूटी पार्लर भी खोल रहा है लेकिन लॉकडाउन के कारण उसका भी काम बंद है। बिहार की दंगल गर्ल ने कहा कि उन्हें राज्य या केंद्र सरकार से कोई मदद नहीं मिली है। उन्होंने अपील की है कि उनकी मदद की जाए। अन्नू उनका कहना है कि वह 14 नेशनल खेल चुकी हैं लेकिन बिहार सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं की गई है। अगर सरकार मदद करे तो मैं बेहतर कर सकती हूं।

अमेरिकी ओपन से हटीं विंबलडन चैंपियन हालेप, बताया कारण

न्यूयॉर्क । विंबलडन चैंपियन सिमोना हालेप अमेरिकी ओपन का हिस्सा नहीं होंगी। इस स्टार टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हैं और कोरोना वायरस महामारी के दौरान यूरोप में रहेंगी। दुनिया की पूर्व नंबर एक और मौजूदा नंबर दो खिलाड़ी हालेप ने रविवार को प्राग में खिताब जीता था। हालेप ने ट्विटर पर लिखा, 'सभी पहलुओं और जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं उन पर गौर करने के बाद मैंने फैसला किया कि मैं अमेरिकी ओपन में खेलने के लिए न्यूयॉर्क की यात्रा नहीं करूंगी। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष आठ में शामिल छह खिलाड़ी न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी। नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और गत चैंपियन बियांका आंद्रेस्क्यू पहले ही टूर्नामेंट से हट चुकी हैं। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष आठ में शामिल छह खिलाड़ी न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी। नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और गत चैंपियन बियांका आंद्रेस्क्यू पहले ही टूर्नामेंट से हट चुकी हैं।

धोनी के संन्यास पर कुलदीप यादव ने कहा- इस महान खिलाड़ी का विकल्प मिलना कठिन है

कानपुर ।

पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अंतररष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास को भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा झटका बताते हुए चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने कहा है कि इस महान खिलाड़ी का विकल्प मिलना कठिन है और लंबे समय तक धोनी जैसे फिनिशर की टीम को तलाश रहेगी। आईपीएल की तैयारी कर रहे कुलदीप ने बातचीत में कहा, 'धोनी की कमी निस्संदेह टीम को खलेगी। उन जैसा शानदार फिनिशर पाने के लिए टीम को इंतजार करना पड़ेगा। वह मैदान पर हम जैसे युवा गेंदबाजों का प्रेरणास्त्रोत बने रहते थे। उनके मैदान पर रहते गेंदबाजी करना आसान हो जाता था। वह बराबर गेंदबाजों को गाइड करते रहते थे जिससे लाइन और लैंथ बरकरार रखने में मदद मिलती थी। भारतीय टीम की मदद के लिए धोनी को बीसीसीआई की ओर से किसी और भूमिका में लाये जाने की संभावना पर उन्होंने कहा, 'वह एक महान खिलाड़ी हैं। उन्होंने इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेली है। हमे उन्हें कुछ समय आराम करने का समय देना चाहिए। निःसंदेह वह टीम इंडिया के भविष्य के लिए काफी कुछ कर सकते हैं। वह एक क्लास प्लेयर है और मुझे लगता है कि बीसीसीआई को जब उनकी मदद की जरूरत होगी, वह जरूर आएंगे। कुलदीप ने कहा, 'धोनी जैसे महान खिलाड़ी के साथ खेलना हर युवा खिलाड़ी का सपना होता है और मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि मैंने उनके साथ खेला है। किसी भी परिस्थिति में शांत रहने वाले और सटीक निर्णय क्षमता के धनी धोनी के साथ यादगार लम्हों को मैं हमेशा याद रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा, 'धोनी मैदान पर गेंदबाजों का काम आसान कर देते थे। कौन सा खिलाड़ी अगला शाट कहां खेलेगा, उनमें यह भांपने की क्षमता जबरदस्त थी। उसी के हिसाब से वह फील्डिंग सेट कर देते थे। इसके चलते मुझे, चहल और अन्य गेंदबाजों को आसानी से विकेट मिल जाते थे। हालांकि उनकी कप्तानी में मैंने सिफ एक मैच खेला है लेकिन उनके साथ कई मुकाबलों में मुझे खेलने का मौका मिला। एक मुकाबले में धोनी ने कुलदीप को विकेट के पीछे से कहा था, 'कुलदीप सही बाल डाल, अगला मैच नहीं खेलना है क्या। इस सवाल के जवाब में चाइनामैन ने कहा, 'धोनी मजाकिया अंदाज में अधिकतर सही गाइड करते थे। मैं उनकी बात का कभी बुरा नहीं मानता था। कुछ एक बार मैंने भी अपने विचार रखे लेकिन आखिरकार वही सही निकले। वह अनुभवी खिलाड़ी थे और मुझे लगा कि अनुभवी सीनियर की बात ध्यान से सुननी चाहिए और उस पर अमल भी करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं और चहल धोनी भाई के बहुत करीब थे। ड्रेसिंग रूम में धोनी भाई मुझे अक्सर चिढ़ाया करते थे।

धोनी के संन्यास पर पाकिस्तानी फैन बशीर का आया रिएक्शन, बोले- माही ने संन्यास लिया तो मैंने भी लिया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद कराची में जन्मे मोहम्मद बशीर बोजाई ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले के लिए नहीं जाने का फैसला किया है। चाचा शिकागो के नाम से मशहूर बशीर के लिए दुनिया भर में इन चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों को खेलते हुए देखने का अब कोई मतलब नहीं है। बशीर को धोनी की हौसलाअफजाई के दौरान पाकिस्तानी समर्थकों की अभद्र टिप्पणियों का भी सामना करना पड़ा। बशीर इसकी जगह अब रांची में धोनी से मिलने की योजना बना रहे हैं। बशीर शिकागो में रेस्टोरेंट चलाते हैं और उन्होंने वहां से कहा, 'धोनी ने संन्यास ले लिया है और मैंने भी। उसके नहीं खेलने के कारण मुझे नहीं लगता कि अब मैं क्रिकेट देखने के लिए दोबारा यात्रा करूंगा। मैं उससे प्यार करता हूं और बदले में उसने मुझे वापस प्यार दिया। उन्होंने कहा, 'सभी महान खिलाड़ियों को एक दिन संन्यास लेना होता है लेकिन उसके संन्यास ने मुझे दुखी कर दिया। वह शानदार विदाई का हकदार था लेकिन वह इससे कहीं बढ़कर है। उन्होंने कहा, 'चीजें सामान्य (कोविड-19 महामारी के बाद) होने पर मैं रांची में उसके घर जाऊंगा। उसे भविष्य की शुभकामनाएं देने के लिए मैं कम से कम इतना तो कर सकता हूं। मैं राम बाबू (मोहाली का एक अन्य सुपर फैन) को भी आने को कहूंगा। बशीर की पत्नी भारत के हैदराबाद की रहने वाली हैं और वह जनवरी में ही वहां गए थे। उन्होंने कहा, 'मैं उसे (धोनी) को देखने के लिए आईपीएल में जाना चाहता था लेकिन यात्रा पाबंदियां हैं और मेरे हृदय की हालत को देखते हुए ऐसर करना सुरक्षित नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने से पहले रखें त्वचा का ध्यान

नींद किसे प्यारी नहीं होती। हर कोई काम पूरा करने के बाद बेहतर नींद लेना पसंद करता है।लेकिन सोने से पहले अगर आप अपने चेहरे की सुंदरता के लिए थोड़ा सा समय देंगी तो परिणाम में खूबसूरती ही पाएंगी। क्योंकि रात के समय आपकी त्वचा खुद को पुनर्जीवित करती है। आपकी उम्र कोई भी हो, अपनी त्वचा को दमकती तथा तारोताजा रखने के लिए इसकी उपयुक्त देखभाल काफी महत्वपूर्ण होता है।त्वचा की रंगत तो निखरती ही है, झाइयां भी कम होती हैं, त्वचा को नमी मिलती है तथा यह तरोताजा हो जाती है। आइए जानते हैं रात में सोने से पहले चेहरे की खूबसूरती के लिए क्या करना चाहिए।

आई क्रीम

आंखों के आस-पास कोई तैलीय ग्रंथी नहीं होती है तो आई क्रीम का इस्तेमाल त्वचा तंदुरूस्त रखता है। यह आंखों के आस-पास सूजन तथा काले घेरों को भी कम करता है। आई क्रीम की कुछ बूंदें लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें।

हल्के हाथों से करें क्लींजर

चेहरे पर हल्के हाथों से क्लींजर से मसाज करें और फिर गुनगुने पानी से इसे धो डालें। गुनगुना पानी त्वचा के अनदिखे छिद्रों को खोल देगा जिससे धूल तथा बैक्टीरिया उनमें से निकल जाएंगे।

होंठों के लिए

गुनगुने पानी में भीगे किसी कोमल कपड़े से होंठों को हल्के-हल्के साफ करें। कपड़े से धूल-मिट्टी तथा मृत त्वचा दूर हो जाएगी। इसके बाद लिप बाम लगाएं।

जरूर लगाएं माइश्चराइजिग

सोने से पहले चेहरे पर माइश्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। आर्गैनिक माइश्चराइजर अच्छा विकल्प होगा।

मृत त्वचा को भी हटाइए

जरूरी नहीं कि आप रोज-रोज चेहरे से मृत त्वचा को हटाएं लेकिन आपकी त्वचा पर झाइयां या मुहांसे हों तो आप अपनी त्वचा पर किसी अच्छे स्क्रब का इस्तेमाल करें।

सुंदरता के लिए खट्टे फल होते हैं फायदेमंद

खूबसूरती के लिए महिलाएं कई प्रकार के जत्न करती रहती हैं। कभी ब्यूटी पार्लर तो कभी सौंदर्य पदार्थ। खूबसूरत, तरोताजा और स्लिम रहना हर युवती चाहती है। लेकिन तमाम सौंदर्य उत्पाद के साथ अगर अपने खानपान में थोड़ी सी जागरूकता ले आएं तो आपकी सुंदरता को बदलता मौसम भी परेशान नहीं कर सकेगा। अपनी ब्यूटी के लिए खट्टे फल डाइट में शामिल करें। आइए जानते हैं कुछ जरूरी बातें-

- रसभरे खट्टे फलों में काफी मात्रा में फाइबर मौजूद होता है इसलिए फ्रूट ज्यूस पीने से बेहतर है कि आप साबुत फल को ही खाएं।
- संतरा, मौसमी, अनन्नास इस तरह के फलों का उपयोग करें। संतरे में सबसे अधिक फाइबर होता है। एक साधारण आकार के संतरे में 3 ग्राम फाइबर पाया जाता है। इसे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। इससे वजन को नियंत्रण में किया जा सकता है।
- नींबू के गुणों पर किताबें लिखना भी कम रहेगा। यह छोटा सा खट्टा फल आंतों की सफाई करता है चेहरे पर चमक भी लाता है।
- सिट्रस फ्रूट्स जैसे संतरा, कीनू, चकोतरा, मौसम्मी मे विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है। आमतौर पर एक मध्यम आकार के संतरे में 70 मिग्रा विटामिन सी मौजूद होता है। दिनभर में विटामिन सी की इतनी ही मात्रा हमारे शरीर के लिए पर्याप्त होती है।
- अंगूर का सेवन भी सुंदरता के लिए काफी अहम माना जाता है। अंगूर में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।यह आंखों की रोशनी के लिए बेहतर माना जाता है।

एप्पल मास्क से पाएं साफ और सुंदर त्वचा

दिन भर की थकान फिर घर पर आकर लगातार किए जाने वालों से और थकान। ऐसे में ना तो आप अपना ख्याल रख पाती हैं और ना ही अपनी खूबसूरती का। ऐसे में एक उपाय है जो आपको इस प्रकार की चीजों से छुटकारा दिला सकता है। जी हां वह एप्पल मास्क।

अगर आप कि त्वचा थकी हुई और बेजान सी लगती है तो उसे तुरंत चमकदार बनाने के लिये आप एप्पल मास्क बना कर लगा सकती हैं। क्योंकि सेब में विटामिन ए, बी, सी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो कि आपकी त्वचा को तुरंत ही गंदगी से राहत दिलाने में सक्षम होते हैं। इसके साथ ही ये धूप से जली हुई त्वचा से भी निजात दिलाते हैं। इसमें ग्लाईकोलिक एसिड होता है जो कि त्वचा के छिद्रों को अंदर से साफ करता है। साथ ही ये त्वचा से मरी हुई स्किन को साफ कर के त्वचा को साफ और सुंदर बनाता है। झाइयां मिटाने मे इसका कोई जवाब नहीं। साथ ही अगर त्वचा पर मुंहासों ने परेशान कर रखा है तो भी एप्पल मास्क बहुत लाभदायक होता है। अगर सेब के गूदे को मुंह पर लगाएंगे तो इसका पीएच लेवल बना रहेगा और तमाम प्रकार के स्किन इंफेक्शन दूर होगें।

लगाने का तरीका

एक सेब लीजिये और उसके गूदे को चेहरे पर पीस कर 20 मिनट लगाइये। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लीजिये। धोने के बाद चेहरे पर क्रीम लगा लेंवे। यह मास्क हर तरह कि स्किन पर काम करता है और लाभ भी पहुंचाता है।

सेब के और भी हैं फायदे

भोजन करने के बाद एक सेब खाइये इससे दांत चमक जाएंगे। रोजाना सेब खाने से झुर्रियां नहीं पड़ती। यह मास्क बनाने के लिये अच्छा है क्योंकि इसमें बहुत सारा एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। आंखों के डार्क सर्कल कम करने के लिये आप एप्पल का स्लाइस काट कर उसे आंखों पर लगा सकती हैं। चेहरे से काले धब्बे और झाइयां मिटाने के लिये आप आधा सेब काट कर उसका पेस्ट बना कर क्रीम वाले दूध के साथ मिक्स कर के चेहरे पर लगा सकती हैं। यह त्वचा पर तेल को भी कम करता है। मुंहासों के लिये एप्पल मास्क बहुत ही फायदेमंद है। चेहरे पर नमी के लिए भी यह काफी उपयोगी सिद्ध होता है।

कुदरत की अनमोल देन 'पानी'

पानी सिर्फ अच्छी सेहत के लिए ही जरूरी नहीं है बल्कि ये सौंदर्य भी निखारता है। भागती-दौड़ती जिन्दगी में खाना-पीना, सोना, व्यायाम आदि बेतरतीब हो गया है जिसका असर सेहत पर भी पड़ता है। देर रात सोना और देर से उठना, जब वक्त मिले तब भोजन कर लेना अब रूटीन में शामिल हो गया है। ऐसे में इसका सबसे ज्यादा असर चेहरे पर पड़ता है।

चेहरे पर सूजन आ जाती है और त्वचा रूखी हो जाती है। लेकिन फिर भी कुछ लोगों की त्वचा गुलाब की तरह खिली खिली होती है तो कुछ की त्वचा मुरझाए फूल की तरह। अगर आप भी अपनी त्वचा को गुलाब के फूल की तरह तरोताजा रखना चाहते हैं तो ठंडे पानी से चेहरे पर छींटे मारें। क्योंकि ठंडा पानी रक्तवाहनियों में संकुचन और फैलाव लाता है जिससे स्किन कोमल और मृदु बनती है। बिस्तर छोड़ने के साथ ही साथ इस तकनीक को अपनाइए। यदि आपकी त्वचा रूखी है तो बढ़िया मॉस्चरॉइजर का उपयोग कीजिए। यह त्वचा की कोशिकाओं को तरोताजा रखता है।

इसके अलावा पर्याप्त पीने से बेसमय की झुर्रियां नहीं होती, मुंहासें भी नहीं होते क्योंकि पसीने के जरिए भोजन आदि के जरिए पेट में बनने वाली गैस डायलूट होकर पसीने के जरिए बाहर निकल जाती है। यानि, पानी एक सुलभ और सबसे सस्ता सौंदर्य प्रसाधन भी है।

दफ्तर में भी कर सकती हैं व्यायाम

घर और ऑफिस दोनों की जिम्मेदारी उठाने के चक्कर में महिलाएं अक्सर अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाती है।स्वस्थ रहने के लिए घर कार्यस्थल पर भी व्यायाम करना जरूरी है, क्योंकि करीब एक तिहाई समय लोग ऑफिस में ही बिताते हैं।सेहतमंद रहने के लिए जरूरी नहीं है कि सारी कोशिश घर पर ही की जाए। अगर सेहतमंद रहना है तो इस दिशा में आपको ऑफिस में भी प्रयास करना होगा।

घर से पोषणयुक्त खाना लेकर जाएं। ऑफिस में खाना न लाने की वजह से हम अकसर अधिक फैट, अधिक कैलोरी और अधिक नमक वाला फास्ट फूड भोजन करते हैं, जो सेहत की दृष्टि से हमारे लिए सही नहीं है। ऑफिस में अपने पास नाश्ते का कुछ हेल्दी विकल्प जैसे मेवा या फल आदि रखें। इसका फायदा यह होगा कि शाम के वक्त जब आपको भूख लगेगी तो कैंटीन से चिप्स या समोसा आदि मंगाकर खाने की जगह आपके पास खाने का हेल्दी विकल्प होगा और आप अनहेल्दी चीजें खाने पर काबू लगा पाएंगी। अपनी पानी की बोतल को हमेशा पास रखें, क्योंकि काम की आपाधापी में अकसर लोग पानी पीना भूल जाते हैं। कॉफी कम पिएं। दिन में तीन कप से अधिक कॉफी न पिएं।

ऑफिस में आठ घंटे लगातार बैठकर नौकरी करने की जगह अपनी शारीरिक सक्रियता पर भी ध्यान दें। दफ्तर में लिफ्ट का इस्तेमाल करने की बजाए सीढियों का प्रयोग करें। ऑफिस में अधिक से अधिक चलें।लंच के दौरान दफ्तर के आसपास की बिल्डिग का चक्कर लगा लें। छोटे-छोटे काम के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह ऑफिस में अपने सारे काम जैसे पानी या चाय लाना आदि खुद करने की कोशिश करें।अपनी डेस्क से कुछ दूरी पर प्रिंटर रखें। इसी बहाने ऑफिस में आप अपनी सीट से कुछ वक्त के लिए उठ पाएंगी।

फोन और ई-मेल की जगह अपने सहयोगियों की सीट पर जाकर उनसे बात करें।

उपकरणों को पास रखें, इस बात के प्रति आश्वस्त हो जाएं कि ऑफिस के उपकरणों की वजह से आपकी सेहत पर कोई असर न पड़े। मॉनिटर की पोजीशन ऐसी हो कि आपको देखने में दिक्कत न आए। कीबोर्ड, माउस और फोन को अपने पास रखें ताकि ये आपकी पहुंच से दूर न हों। कुर्सी पर सीधे बैठें ताकि आपकी रीढ़ में हड्डी पर जोर न पड़े।

ऐसे बचें तनाव से- ऐसी चीजों को पहचानें, जिनकी वजह से आपको तनाव होता है और उन स्थितियों से बचने की कोशिश करें। तनावपूर्ण स्थितियों को नजरअंदाज न करें, जैसे सुबह का ट्रैफिक। अगर अपनी गाड़ी से ऑफिस जाने के दौरान आपको बहुत ज्यादा ट्रैफिक मिलता है तो ऑफिस जाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करें। ऐसा करने से ट्रैफिक में फंसे होने के कारण आपको जो तनाव होता है, उससे आप बच पाएंगी। अगर किसी काम को करने से आप पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है तो उस काम को ना करें। किसी काम को करने से मना करने का असर आपकी इमेज पर नहीं पड़ेगा। पर हां, इसे अपनी आदत न बनाएं। कामकाजी और निजी जिदगी में तालमेल बनाएं। किसी एक के प्रभावित होने का असर दूसरे पर न पड़ने दें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुर्सी बचाने के लिए नेपाली ओली ने दहल से की पैकेज डील

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन के उकसावे में आकर भारत के खिलाफ टिप्पणियां कर मुसीबत में फंसे नेपाल मे राजनीतिक उठा-पटक जारी है। लंबे टकराव के बाद सत्ताधारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल अब समझौते की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। पार्टी में बिखराव को रोकने के लिए तैयार पैकेज डील के तहत कैबिनेट फेरबदल का दांव चलने की तैयारी की जा रही है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक ओली और दहल के बीच 13 अगस्त को बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि 6 सदस्यीय एक टास्कफोर्स का गठन किया जाएगा, जो विवाद के निपटारे के रास्ते सुझाएगी। टास्क फोर्स में ओली, दहल और नेपाल की ओर से दो-दो सदस्य होंगे। आंतरिक सूत्रों के मुताबिक टास्क फोर्स गठन के तुरंत बाद दहल-नेपाल खेमे की चिंताओं को संबोधित किया जाएगा। विदेश मंत्री और स्टैंडिंग कमिटी के सदस्य प्रदीप ज्ञवाली ने बताया, मेरी समझ के मुताबिक, विवाद को दूर करने के लिए टास्क फोर्स पार्टी नेतृत्व को एक ब्लू प्रिंट देगा, जिसके बाद कम से कम एक बार कैबिनेट फेरबदल होगा। पार्टी ने सोमवार सुबह सेक्रेट्रिएट बैठक बुलाई, जिसमें 6 सदस्यी पैनल के गठन की सिफारिश की जा सकती है। पिछले महीने ओली और प्रचंड खेमे के बीच तनानती काफी बढ़ गई थी। दहल-नेपाल ने ओली से दोनों पदों से इस्तीफा मांग लिया था। स्टैंडिंग कमिटी के 44 में से 31 सदस्यों ने ओली से इस्तीफे की मांग की थी। हालांकि, ओली ने दहल को बैठक के राजी किया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में बिखराव को रोकने के लिए चीन ने भी पूरा जोर लगा दिया था। चीनी राजदूत ने खुलेआम नेताओं से बात की और उन्हें एकजुट रहने को कहा। पार्टी के भीतरी लोगों के मुताबिक टास्क फोर्स उन नेताओं के नाम भी सुझा सकता है जिन्हें कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। कुछ राज्यों में मुख्यमंत्रियों को भी बदला जा सकता है। पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर एक नेता ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि दहल ने नेपाल और खनल के साथ कुछ समझौते किए हैं। ओली गौतम को कैबिनेट में उप प्रधानममंत्री के रूप में शामिल कर सकते हैं। बता दें कि माधव कुमार नेपाल और झालानाथ खनल जैसे वरिष्ठ नेताओं के समर्थन से पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ओली से पीएम और पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफे की मांग करते आ रहे थे।

बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी ने मंत्रोच्चाराण और अरदास के साथ की ऐतिहासिक सम्मेलन की शुरूआत

वाशिंगटन।

डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत ऑनलाइन सर्वधर्म प्रार्थना सभा में वेदों एवं महाभारत के श्लोकों तथा सिख धर्म की अरदास के साथ हुई। टेक्सास में चिन्मय मिशन की एक अनुयायी ने मंत्रोच्चार किया तथा विस्कोन्सिन गुरुद्वारे से जुड़े सिख समुदाय के एक नेता ने अरदास की। सोमवार से शुरू हुए चार दिन के सम्मेलन में पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडेन को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए और भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद के लिए विधिवत उम्मीदवार चुना जाएगा। इससे पहले 'बाइडेन फॉर प्रेसीडेंट अभियान के लिए राष्ट्रीय धर्म सहभागिता निदेशक जोश डिकसन ने रविवार को अमेरिका की सामूहिक शक्ति, विविधता तथा मानवता के सम्मान में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया। टेक्सास एटॉर्नी में नीलिमा गोनुगुंटला ने कहा, ''हम जब अगले राष्ट्रपति के उम्मीदवार के तौर पर अपने समय के सबसे अनुभवी और सम्मानित नेताओं में से एक को नामित करने वाले हैं तथा भारतीय मूल की पहली महिला को उप राष्ट्रपति पद के लिए नामित करने वाले हैं तो हम भगवान का आह्वान करते हैं और शाश्वत हिंदू ग्रंथों से अलौकिक प्रेरणा प्राप्त करना चाहते हैं। अमेरिका में सबसे बड़े हिंदू संगठनों में शामिल चिन्मय मिशन डल्लास फोर्ट वर्थ के बोर्ड की सदस्य नीलिमा ने शांति पाठ किया। उन्होंने कहा, ''इस प्रार्थना का मूल भाव हमें सौहार्द के साथ मिलकर काम करने को प्रोत्साहित करता है जिसमें न केवल एक दूसरे को सहन किया जाए, बल्कि प्रेम के साथ एक दूसरे को स्वीकार किया जाए और कोई बैरभाव नहीं रहे। यह हमें ऊर्जा तथा गहन तन्मयता के साथ अच्छे से अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करता है। बाइडेन और हैरिस के लिए उन्होंने महाभारत की पंक्तियां पढ़ते हुए कहा, ''यतो कृष्ण ततो धर्म, यतो धर्म ततो जय । सर्वधर्म सभा का उद्घाटन ओक क्रीक गुरुद्वारे के संस्थापक सावंत सिंह कलेका के पुत्र प्रदीप कलेका ने किया। सावंत का निधन 2012 में गुरुद्वारे में गोलीबारी की घटना में हो गया ।

पूर्वी तुर्कीस्तान ने आजादी दिवस की भारत को दी बधाई, चीन के अत्याचारों पर साधा निशाना

इंटरनेशनल डेस्क।

भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर अमेरिका, चीन, नेपाल, ब्रिटेन आदि सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 130 करोड़ भारतीयों को आजादी दिवस की बधाई दी । आजादी दिवस के बाद भी भारत को बधाई संदेशों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इस बीच चीन के कट्टर विरोधी पूर्वी तुर्कीस्तान के प्रधान मंत्री सलीह हुदैयर ने भारत सरकार और देश की जनता को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।उइगरों द्वारा निर्वासित पूर्वी तुर्किस्तान सरकार ने भारत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्वी तुर्किस्तान में दशकों पुराने चीनी कब्जे और नरसंहार ने हमें सिखाया है कि स्वतंत्रता का क्या मूल्य है। आजादी के बिना बुनियादी मानवाधिकारों और अस्तित्व को बचाना कितना मुश्किल है सलीह हुदैयर ने कहा कि भारत का आजादी संघर्ष पूरी दुनिया के लिए मिसाल है और हमें भी प्रेरित करता है। प्रधान मंत्री सलीह हुदैयर ने निर्वासन (ईटीजीई) में पूर्वी तुर्किस्तान सरकार व अपने देश के लोगों की ओर से भारत और उसके लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोग पूछ सकते हैं कि स्वतंत्रता इतनी महत्वपूर्ण क्यों है ? स्वतंत्रता का अर्थ है दूसरों के नियंत्रण, प्रभाव और उत्पीड़न से मुक्ति, स्वतंत्र रूप से चुनाव करने, शासन करने, अपने स्वयं के कानून और निर्णय लेने की शक्ति मिलना। सलीह हुदैयर ने कहा कि किसी देश और उसके लोगों के लिए विकास और समृद्धि के लिए आजादी सबसे जरूरी चीज है। बता दें कि पूर्वी तुर्किस्तान के क्षेत्र को चीन द्वारा शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र के रूप में प्रशासित किया जाता है। सलीह हुदैयर को 11 नवंबर, 2019 को पूर्वी तुर्किस्तान सरकार-निर्वासन के प्रधान मंत्री के रूप में चुना गया और वह अपने परिवार के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका भाग गए ।

उपलब्धि: डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में उप-राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार चुनी जाएंगी हैरिस

वाशिंगटन।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सोमवार से शुरू हो रहे राष्ट्रीय सम्मेलन में सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार चुनकर इतिहास रचा जाएगा। किसी प्रमुख राजनीतिक दल द्वारा उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई जाने वाली वह पहली काली महिला और भारतीय तथा अफ्रीकी मूल की पहली अमेरिकी होंगी। इस नामांकन के साथ ही 55 वर्षीय हैरिस अमेरिकी राजनीति में एक और मिसाल कायम करने जा रही हैं। कैलिफोर्निया में एक अटॉनी के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली हैरिस ने कई रूढ़ियों को तोड़ा है। जमैकाई पिता और भारतीय मां की संतान हैरिस सेन फ्रांसिस्को में जिला अटॉर्नी पद के लिए चुनी गई पहली महिला थीं, यही नहीं वह अफ्रीकी एवं भारतीय मूल की पहली शख्सियत भी थीं। सीनेट के मात्र तीन एशियाई अमेरिकी सदस्यों में से वह भी एक हैं।

यदि वह उप राष्ट्रपति बनती हैं तो यहां भी मिसाल कायम करेंगी। वह इस पद पर काबिज होने वाली पहली महिला होंगी, पहली भारतीय-अमेरिकी होंगी और पहली एशियाई-अमेरिकी होंगी। पिछले हफ्ते, अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने उप राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस का चुनाव कर इतिहास रचा था। बाइडेन को डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में 20 अगस्त को राष्ट्रपति पद का विधिवत उम्मीदवार बनाया जाएगा। चार दिन का सम्मेलन 17 अगस्त से शुरू होगा और हैरिस उम्मीदवारी स्वीकार करने वाला भाषण 19 अगस्त को देंगी। वाला भाषण 19 अगस्त को देंगी। सम्मेलन के चारों दिन कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न पंथों के नेताओं द्वारा प्रार्थना के साथ होगी। हालांकि रविवार को इस संबंध में जो सूची जारी की गई है उसमें हिंदू और सिख धार्मिक समूहों की ओर से किसी प्रस्तुति का जिक्र नहीं है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 488 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में 488 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 2,89,213 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि बीती रात सात और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की कुल तादाद 6,175 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 2,69,087 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। 771 रोगियों की हालत नाजुक है। सिंध में सबसे अधिक 126,182 मामले सामने आए हैं। इसके बाद पंजाब में 95,447, खैबर-पख्तूनख्वा में 35,215, इस्लामाबाद में 15,390, बलूचिस्तान में 12,295, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,502 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2,184 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 22,99,602 लोगों की कोविड-19 जांच की गई है। बीते 24 घंटे में 22,448 लोगों की जांच की गई। 12,295, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,502 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2,184 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 22,99,602 लोगों की कोविड-19 मंत्रालय ने कहा कि अब तक 22,99,602 लोगों की कोविड-19 जांच की गई है। बीते 24 घंटे में 22,448 लोगों की जांच की गई।

चीन ने अफ्रीका का सबसे बड़ा इकोनॉमी हब भी फंसाया ऋण जाल में

अबुजा।

चीन अपनी महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किसी भी हद जा सकता है। चीन इसके लिए एक अलग ही फार्मूला अपनाता आया है। अपनी विस्तारवादी नीतियों को पूरा करने के लिए ड्रेगन कमजोर पड़ोसियों को कर्ज के जाल में फंसा लेता है और सक्षम पड़ोसियों को विवादों में फंसा कर रखता है। मिसाल के तौर पर चीन ने अमेरिका, भारत, ब्रिटेन, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देशों को तो विवादों में उलझा रखा है जबकि पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बांगलादेश जैसे पड़ोसी देशों को कर्ज देकर उनपर धीरे-धीरे अपने वर्चस्व को बढ़ा रहा है। वर्तमान में चीन ने 150 से अधिक देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसा रखा है। इनमें अफ्रीकी देश का नाम भी शामिल है। अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का केंद्र नाइजीरिया चीन के ऋणों के दबाव को लेकर 'अपनी' संप्रभुता खोने की कगार पर पहुंच गया है जिस कारण वहां भारी उथल-पुथल मची हुई है। नाइजीरिया राष्ट्रीय असेंबली के संघीय कानून निर्माता चीनी नव-औपनिवेशिक योजनाओं का एक छलावा मानते हुए चीन के ऋण समझौतों में एक संप्रभु गारंटी क्लॉज के मद्देनजर नाइजीरिया में उधार देने की प्रथाओं की जांच करने की मांग कर रहे हैं । कानूनविदों को डर है कि भुगतान की स्थिति में इस क्लॉज़ के तहत नाइजीरिया अपनी संप्रभुता खो सकता है।

प्रतिनिधि सभा ने नाइजीरिया और चीन के निर्यात-आयात बैंक के बीच हस्ताक्षरित वाणिज्यिक ऋण समझौते के अनुच्छेद 8 (1) में उपबंधों पर सरकार पर हमला किया है। उक्त समझौते में, नाइजीरिया चीन को अपनी संप्रभुता को स्वीकार करने के लिए तैयार नजर आ रहा है।

वर्तमान में चीन सबसे बड़े विदेशी व्यापार भागीदार और नाइजीरिया के सबसे बड़े लेनदारों में से एक है। पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के प्रबंधन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, चीनी ऋण नाइजीरिया के लिए सभी द्विपक्षीय उधार का 80 प्रतिशत है। चीन अफ्रीका के सबसे बड़े तेल उत्पादक, रेलवे, बिजली संयंत्र और हवाई अड्डों के निर्माण के लिए ऋण प्रदान करता है। अब इस ऋण वापसी में डिफाल्टर होने पर नाईजीरिया को चीन के साथ हुए समझौते के अनुसार बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

मोदी की चेतावनी से टेंशन में चीन, सालों बाद चीनी विदेश मंत्री ने किया तिब्बत का दौरा

बीजिंग।

तिब्बत प्राचीन काल से ही योगियों और सिद्धों का घर माना जाता रहा है तथा अपने पर्वतीय सौंदर्य के लिए भी यह प्रसिद्ध है। संसार में सबसे अधिक ऊंचाई पर बसा हुआ प्रदेश तिब्बत मध्य एशिया का सबसे ऊंचा प्रमुख पठार है। वर्तमान में यह बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र है। भारत की सीमा तिब्बत से लगती है न की चीन से। चीन ने 1951 में इस पर कब्जा कर अपने नियंत्रण में ले लिया था तभी से तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने भारत में शरण ले रखी है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है। चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं। आधिकारिक मीडिया के अनुसार चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने तिब्बत और सीमावर्ती इलाकों का पिछले सप्ताह दौरा किया। उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास के लिए क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता पर जोर दिया। बता दें कि भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चेतावनी के एक दिन बाद चीन के विदेश मंत्री का तिब्बत दौरा बेहद खास माना जा रहा है । इस दौरान चीनी विदेश मंत्री ने भारत के खिलाफ खुलकर तो कोई बयान नहीं दिया, लेकिन इशारों में सीमा पर जारी तनाव के बीच तिब्बत की सुरक्षा को लेकर बात की। बताया जा रहा है कि वांग यी 5 साल बाद तिब्बत के दौरे पर पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार चीन के शीर्ष नेता एवं अधिकारी तिब्बत का सालाना दौरा करते हैं, लेकिन चीनी विदेश मंत्री का इस क्षेत्र का दौरा कभी-कभार ही करते हैं। वांग, देश में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के स्टेट काउंसलर भी हैं। उन्होंने शुक्रवार (14 अगस्त) को तिब्बत की कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव वु यिंगजी और तिब्बत क्षेत्रीय सरकार के अध्यक्ष छिझाला तथा अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। वांग को उद्धृत करते हुए तिब्बत डेली में प्रकाशित खबर के हवाले से ग्लोबल टाइमस ने कहा है कि चीन के सर्वांगीण विकास के लिए क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता महत्वपूर्ण है। वांग ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय स्थिति, संभवत चीन-अमेरिका कूटनीतिक, राजनीतिक एवं व्यापार तनाव का भी जिक्र किया, जिसने हाल के हफ्तों में दोनों देशों के संबंधों को और ज्यादा खराब कर दिया है। उल्लेखनीय है कि चीन ने अमेरिका को तिब्बत के नजदीक स्थित चेंगदु में वाणिज्यिक दूतावास बंद करने को कहा था, जिसके जवाब में अमेरिका ने ह्यूस्टन में उसका वाणिज्यिक दूतावास बंद करा दिया।

वांग ने गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के निर्माण की स्थिति के बारे में जानने के लिये सीमावर्ती इलाकों का भी दौरा किया। खबर में कहा गया है कि वांग हर साल चीन के कई क्षेत्रों में विशेष अनुसंधान दौरे पर जाते हैं। वांग ने कहा कि सरकार क्षेत्रीय स्थिरता, चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।

मुस्लिम महिला ने किया भगवान गणेश का अपमान, मूर्ति तोड़ने का वीडियो सामने आने पर मचा बवाल

नेशनल डेस्क। बहरीन में एक मुस्लिम महिला ने हिंदुओ की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। उसने एक दुकान में रखी भगवान गणेश की प्रतिमा को तोड़ दिया। महिला की इस करतूत का वीडियो भी सामने आया है, जिसके वायरल होते ही विवाद खड़ा हो गया। वायरल हो रही वीडियो बहरीन की राजधानी मनामा के जाफेयर मार्कीट की बताई जा रही है। दरअसल सुपरमॉर्केट में हिंदू उत्सव गणेश चतुर्थी के लिए भगवान गणपति की कुछ मूर्तियां रैक पर रखी हुई थी। इसी बीच बुर्के पहनी दो महिलाएं वहां अती है और उनमें से एक भगवान की प्रतिमा को उठाकर फेंक देती है। महिलाओं एक के बाद एक सभी मूर्तियों को फर्श पर फेंकना शुरू कर देती है, वहां मौजद शख्स उसे समझाने की कोशिश करता है लेकिन वह सुनने को तैयार ही नहीं है। वीडियो में सुनाई दे रहा है कि कर्मचारी कह रहा है कि हम मानते हैं कि यह मुस्लिम देश है। इस पर दूसरी महिला कहती है कि हम देखते हैं कि इन मूर्तियों की पूजा कौन करेगा। पुलिस को बुलाओ। बहरीन एक मुस्लिम देश है, जहां इस्लाम को मानने वाले बहुसंख्यक हैं। हम देखते हैं कि इन मूर्तियों की पूजा कौन करेगा। पुलिस को बुलाओ। बहरीन एक मुस्लिम देश है, जहां इस्लाम को मानने वाले बहुसंख्यक हैं। महिला की इस हरकत का जमकर विरोध किया गया जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। बहरीन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि पुलिस ने एक दुकान को नुकसान पहुंचाने और एक संप्रदाय और उसके अनुष्ठानों को बदनाम करने के लिए महिला के खिलाफ कानूनी कदम उठाए हैं।

नैन्सी पेलोसी ने डाक सेवा संकट को लेकर दोबारा बुलाया सदन का सत्र, अवकाश में करवाएंगी मतदान

वाशिंगटन।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने रविवार को कहा कि अमेरिकी डाक सेवा को लेकर चल रहे संकट के बीच वह सदन का सत्र दोबारा बुला रही हैं। पेलोसी सांसदों को मिलने वाले ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि को बीच में ही रोक कर मतदान करवाएंगी और यह शनिवार को हो सकता है। दरअसल, इस बात की चिंता जतायी जा रही है कि ट्रंप के नेतृत्व में व्हाइट हाउस चुनाव से पहले डाक एजेंसी की भूमिका को कमतर करने के प्रयास कर रहा है। यह मतदान डाक सेवा में ट्रंप प्रशासन द्वारा किए गए बदलावों को रोकने के लिए होगा नए पोस्टमास्टर जनरल लुईस डीजॉय के डाक में विलंब, नए शुल्क एवं सेवाओं में कटौती करने के कदमों की देशभर में आलोचना हुई थी। ये कदम तब उठाए गए हैं जब लाखों अमेरिकी लोग कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डाक के जरिए मतदान करने के प्रयास में हैं । पेलोसी ने सहयोगियों को इस बारे में एक पत्र भेजा, इसमें उन्होंने लिखा, ''महामारी के दौर में चुनाव के केंद्र में डाक सेवा है। पेलोसी ने सहयोगियों को इस बारे में एक पत्र भेजा, इसमें उन्होंने लिखा, ''महामारी के दौर में चुनाव के केंद्र में डाक सेवा है। पेलोसी ने सहयोगियों को इस बारे में एक पत्र भेजा, इसमें उन्होंने लिखा, ''महामारी के दौर में चुनाव के केंद्र में डाक सेवा है। उन्होंने आगे लिखा, ''जीवन, आजीविका और अमेरिकी लोकतंत्र को राष्ट्रपति से खतरा है। सदन बुलाने का फैसला सप्ताहांत में हुई उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया। रविवार को डेमोक्रेट सांसदों ने मांग की थी कि डाक सेवा के प्रमुख पदाधिकारी डाक में देरी के संबंध में 24 अगस्त को होने वाली आपात सुनवाई में गवाही दें। सदन की निरीक्षण एवं सुधार समिति ने कहा कि वह डीजॉय एवं डाक सेवा बोर्ड ऑफ गवनर्स के अध्यक्ष रॉबर्ट डनकैन का पक्ष सुनना चाहती है। डाक सेवा ने अक्टूबर मध्य से क्रिसमस तक अस्थायी तौर पर चुनावपूर्व दरें बढ़ाने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में भारतीय दूतावास जल्द शुरू करेगा पासपोर्ट की छपाई

हेग। नीदरलैंड स्थित भारतीय दूतावास जरूरतमंद भारतीयों के लिए जल्द ही पासपोर्ट की छपाई शुरू करेगा। यह जानकारी राजदूत वेणु राजामोनी ने दी। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार वर्तमान में पासपोर्ट को छपाई के लिए नयी दिल्ली भेजा जाता है। राजामोनी ने शनिवार को 74वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में नीदरलैंड में भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों द्वारा कांसुलर सेवाओं की सुविधा के लिए दो प्रमुख घोषणाएं की। राजामोनी ने कहा कि भारतीय नागरिक जल्द ही डाक के माध्यम से दूतावास को विभिन्न दस्तावेज जमा कर सकेंगे और डाक द्वारा दूतावास से विभिन्न दस्तावेज प्राप्त भी कर सकेंगे। बयान में कहा गया है कि यह नीदरलैंड में वर्तमान प्रक्रिया को आसान बनाएगा क्योंकि इससे वीजा सुविधा सेवा केंद्रों में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसमें कहा गया है, ''राजदूत ने यह भी बताया कि दूतावास जल्द ही हेग में पासपोर्ट की छपाई शुरू कर देगा और इससे भारतीय नागरिकों को जरूरत के समय पासपोर्ट जारी करने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। बयान में कहा गया है कि नीदरलैंड में लगभग 40,000 भारतीय नागरिक और सूरीनामी-हिंदुस्तानी समुदाय के 2,00,000 सदस्य रहते हैं, इसलिए कांसुलर सेवाएं मुहैया कराने का काफी महत्व है। भारत का 74 वां स्वतंत्रता दिवस 'इंडिया हाउस में मनाया गया जो कि वासेनार में स्थित है और नीदरलैंड्स में भारत के राजदूत का आधिकारिक निवास है।

दक्षिणी यूनान के तट पर भूकंप के झटके

एथेंस। दक्षिणी यूनान के तट पर सोमवार सुबह 5.1 तीव्रता का भूंकप आया। यूनान के संस्थान जियोडानेमिक्स ने यह जानकारी दी। भूकंप की वजह से संपत्ति के नुकसान या किसी के घायल होने की तत्काल खबर नहीं है। स्थानीय समय के अनुसार भूकंप 10 बजकर 30 मिनट पर आया और इसका केंद्र दक्षिणी एथेंस में 119 किलोमीटर की गहराई में था। यूनान भूकंप संभावित क्षेत्र में आता है, हालांकि ज्यादातर भूकंपों में जान-माल की हानि नहीं होती है।

वैज्ञानिकों की चेतावनी- सर्दियां ला रहीं बुरी खबर, कोरोना के साथ यह बीमारी भी करेगी परेशान

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना ने भारत समेत दुनियाभर में तबाही मचाकर रखी है। दुनियाभर में कोरोना के कुल मामले 2.16 करोड़ से अधिक हो गए है जबकि इस वायरस के संक्रमण से 770,288 लोगों की जान जा चुकी है। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनियाभर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। कोरोना संकट के बीच वैज्ञानिकों ने सर्दियों में डबल महामारी की चेतावनी जारी की है। वैज्ञानिकों के मुताबिको सर्दियों में कोरोना के साथ-साथ सीजनल फ्लू भी तबाही मचाने के लिए तैयार है। वैज्ञानिक इस नई मुसीबत को ट्विनडेमिक कह रहे हैं न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्दियों के मौसम में सीजनल फ्लू काफी आम बीमारी है और अस्पतालों में इसके मरीजों से भरे रहते हैं। हालांकि इस साल कोरोना के कारण अस्पताल पहले ही भरे हुए हैं। ऐसे में सीजनल फ्लू भी बड़ी चुनौती होगी क्योंकि कोरोना और इसके लक्षण एक जैसे हैं। ऐसे में अस्पतालों में भीड़ के साथ ही कन्फ्यूजन भी होगी। फ्लू के लक्षण भी- बुखार, सिरदर्द, कफ, गले में दर्द, बदन दर्द हैं। इसके सारे लक्षण कोरोना जैसे हैं। फ्लू की चपेट में आए व्यक्ति के लिए कोरोना संक्रमण खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि यह वायरस को कई गुणा बढ़ा देगा। वहीं अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के डायरेक्टर रॉबर्ट रेडफील्ड ने कहा कि हम अभी से बड़ी कंपनियों को कह रहे हैं कि वो फ्लू शॉट देने के लिए अभियान चलाएं।

भारतीय सेना की शान गोरखा रेजिमेंट से क्यों कांप रहा चीन ?

नेशनल डेस्क। भारत के पड़ोसी देश चीन की चालबाजी से हर कोई वाकिफ है। वह दुनिया पर अपना दबदबा बनाने के लिए कई पैंतरे अपना चुका है। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल में आए दिन साजिश रच रहे चीन की अब नजर भारत की सेना पर टिक गई है। इसीका नतीजा है कि वह अब यह पता लगाने में जुट गया है कि नेपाली गोरखा भारत की सेना में शामिल क्यों होते हैं। खबरों की मानें तों चीन का काठमांडू में दूतावास और नेपाल में उसकी राजदूत हाओ ये पता लगाने की कोशिश में जुट गए हैं कि नेपाल के लोगों और भारतीय सेना के बीच इस अटूट रिश्ते की वजह क्या है। दरअसल गोरखा रेजिमेंट भारतीय सेना की सबसे बड़ी रेजिमेंटों में से एक है, जिसे लेकर चीन में खलबली मची हुई है। जानिए भारतीय सेना में गोरखा रेजिमेंट को क्यों माना जाता है सबसे जांबाज इकाई। गोरखा राइफल्स की स्थापना वर्ष 1817 में बनारस (वाराणसी) में की गई थी। इसने प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश इंडियन आर्मी और आजादी के बाद भारतीय सेना के एक महत्वपूर्ण अंग के तौर पर कई युद्धों में वीरता की मिसालें कायम कीं। 9 गोरखा राइफल्स रेजिमेंट के नेपाली मूल के जवानों को अब तक 9 विक्टोरिया क्रास, एक अशोक चक्र।

चीनी हवाला रैकेट मामले में अलीगढ़ का लड़का संदिग्ध

टूटा–फूटा घर और खुद लड़का करोड़पति!

अलीगढ़ (एजेसी)।यूपी के अलीगढ़ के खैर इलाके के पीपल गांव में अलग–अलग सरकारी एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों की एक टीम चीनी हवाला रैकेट से जुड़े संदिग्ध लड़के राहुल से मिलने पहुंची।

तब चौंकाने वाली जानकारियां मिलीं। कथित तौर पर दो चीनी कंपनियों में निदेशक और दो अन्य कंपनियों में शेयरधारक राहुल का घर बहुत ही खराब हालत में है। अधिकारियों की टीम उसके परिवार से सामान्य पूछताछ करने के बाद वापस चली गई।

अधिकारियों ने राहुल से भी फोन पर बात की है।राहुल ने बताया है कि वह पिछले एक साल से गुरुग्राम की एक मोटर वीइकल पार्ट फर्म में काम कर रहा है। जब उसे एक व्यक्ति ने डीएलएफ साइबर सिटी में स्थित एक कार्यालय में दूसरी पार्ट टाइम नौकरी की पेशकश की तब उसने तुरंत हामी भर दी थी। राहुल ने टीम को बताया कि सग्गू नाम के उस व्यक्ति ने राहुल के जॉब जॉइन करते ही उसका आधार और पैन कार्ड ले लिया था, जिनका हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट में उसकी सहमति के बिना उपयोग किया गया है।मामले का खुलासा कुछ ही दिन पहले दिल्ली में किया गया है।

इसके बाद रविवार की दोपहर से ही राहुल का मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया है और उसके पिता भी नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, राहुल के परिवार के पास 12 बीघा जमीन है और कृषि ही उनकी आय का एकमात्र स्रोत है। परिवार के बाकी सदस्य अब मीडिया से बात करने के लिए तैयार नहीं हैं, वे भी इस बात से 'हैरान' हैं कि उनका बेटा कथित तौर पर करोड़पति है।एक पड़ोसी ने कहा,'हम विश्वास नहीं कर सकते कि राहुल ऐसी किसी भी चीज में शामिल हो सकता है। उनका घर जीर्ण–शीर्ण हालत में हैं और ऐसा कोई संकेत नहीं है कि उनके पास इतना पैसा आया है।'

इस बीच चीनी संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे हवाला रैकेट की जांच में आयकर अधिकारियों ने पाया है कि एक संदिग्ध व्यक्ति लू सांग ने अपनी पहचान बदलकर चार्ली पैंग कर ली थी, जो कि एक भारतीय नागरिक था।

उसके पास भारतीय पासपोर्ट और यहां तक कि आधार कार्ड भी था। उसकी शादी मणिपुर की एक लड़की से हुई थी। उसके पास से मणिपुर से जारी किया गया पासपोर्ट मिला है।

आयकर विभाग ने पिछले ही हफ्ते कुछ चीनी व्यक्तियों और उनके भारतीय सहयोगियों द्वारा चलाए जा रहे एक हवाला रैकेट का भंडाफोड़ किया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लू सांग नाम का व्यक्ति भारत में हवाला के संचालन के लिए कई चीनी फर्मों का प्रतिनिधित्व कर रहा था।

विभाग के अधिकारियों ने बैंक कर्मचारियों और कई चीनी कंपनियों के परिसरों पर भी छापा मारा है। संदेह है कि यह घोटाला एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है।

यूपी में कोरोना संक्रमण के 4186 नये मामले, मृतकों की संख्या 2515 हुई

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान

कोविड–19 के 4186 नये मामले सामने आये जबकि 69 और मौतों के साथ सोमवार को मृतकों का आंकडा बढकर 2515 हो गया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 4186 नये मामले पिछले 24 घंटे में सामने आये। संक्रमण के उपचाराधीन मामलों की संख्या 50 हजार 893 है। बुलेटिन में कहा गया कि बीते 24 घंटे में 69 और मौतों के साथ इस संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढकर 2515 हो गयी है।

अब तक कुल एक लाख चार हजार 808 लोग पूर्णतया उपचारित होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हो चुके हैं।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण के एक लाख 58 हजार 216 मामले हैं।

बुलेटिन के मुताबिक बीते 24 घंटे में सबसे अधिक 10 मौतें कानपुर नगर में हुई।

राजधानी लखनऊ में आठ, मुरादाबाद में छह तथा प्रयागराज और उन्नाव में चार–चार मौतें कोरोना संक्रमण के चलते हुई। अब तक इस संक्रमण से सबसे अधिक 309 मौतें कानपुर नगर में हुई हैं।

लखनऊ में 217, वाराणसी में 125 और मेरठ में 123 लोगों की मौत अब तक इस संक्रमण के कारण हो चुकी है।

बुलेटिन में बताया गया कि विगत 24 घंटे में सबसे अधिक 595 नये प्रकरण लखनउ से सूचित हुए। कानपुर नगर से 429 और वाराणसी से 198 नये प्रकरण कोरोना संक्रमण के सामने आये।

सार–समाचार

बेटे ने बाप को मारी गोली, हालत गंभीर

मेरठ (एजेसी)। जिले के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र में बाप ने बेटे को गलत कार्यों से रोका तो बेटे ने बाप के पेट में गोली मार दी। जानकारी के अनुसार जाकिर कॉलोनी यूपी किराना स्टोर वाली गली में नफीस पुत्र तुफैल अपने परिवार के साथ रहता है। वह उसका बेटा खुशहाल भी साथ में ही रहता है। खुशहाल एक अपराधिक प्रकृति का व्यक्ति है जो पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। नफीस अपने बेटे के गलत हरकतों से परेशान रहता है। नफीस का बेटा खुशहाल आज भी कहीं फायरिंग कर रहा था, जिसकी शिकायत लोगों ने नफीस से की। नफीस ने अपने बेटे को समझाने का प्रयास किया, जिस पर नफीस के बेटे खुशहाल ने अपने बाप के पेट में गोली मार दी। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान आरोपी पुत्र फरार हो गया। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल से मेडिकल के लिए रेफर किया गया।

ईंट भट्ठा मजदूर के नाबालिग बेटी से दरिंदगी, दो लोगों पर मुकदमा

गोरखपुर (एजेसी)। जिले के गोला क्षेत्र में एक ईट–भट्ठा मजदूर की नाबालिग बेटी से दो लोगों ने दुष्कर्म किया और सिगरेट से उसके शरीर को जगह–जगह दाग दिया। जानकारी के मुताबिक गोला क्षेत्र में एक ईंट भट्ठा मजदूर की 14 वर्षीय बेटी शुक्रवार रात हैंडपंप से पानी लेने गई थी। वहां मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उसे जबरन अपनी गाड़ी पर बैठा लिया और गांव में एक तालाब के पास स्थित झोपड़ी में ले जाकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोप है कि दरिंदों ने मानवीयता की हदें पार करते हुए सिगरेट से लड़की का शरीर जगह जगह जला दिया। लड़की की तलाश कर रहे उसके परिजन को वह शनिवार शाम झाड़ियों में बेसुध मिली। बताया जाता है कि लड़की ने होश में आने पर अर्जुन नामक एक आरोपी का नाम बताया है। इस मामले में अर्जुन तथा उसके एक अज्ञात साथी के खिलाफ अपहरण, बलात्कार तथा पोक्सो एक्ट सुसंगत धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। इन दोनों की तलाश की जा रही है।

पड़ा दुबे पर चिटफंड कंपनी का करोड़ों का घोटाला '

अलीगढ़ (एजेसी)। पूर्व में कई चिटफंड कंपनियों के घोटाले सामने आए हैं किंतु उसके बाद भी शासन प्रशासन द्वारा इन कंपनियों पर किसी तरह की कोई रोकथाम और लगाम नहीं लगाई जाती है। जनता अपने खून पसीने की कमाई को इन कंपनियों के एजेंट एवं मालिकों के हाथ में अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दीया है। किंतु ये चिटफंड कंपनियों के मालिक जनता का पैसा लूट कर अपने मजे में मस्त हो जाते हैं कुछ महीनों तक जनता को भूतों की कहानी सुनाने के बाद इनके ऑफिस ऐसे गायब हो जाते हैं। जैसे गधे के सिर से सींग । ऐसा ही एक मामला अलीगढ़ में सामने आया जहां दुबे पड़ाव स्थित एक कांपलेक्स में एक ही रजिस्ट्रेशन पर कई कंपनियां चल रही है जिसके मालिक का कई माह से ऑफिस में अता–पता नहीं है जब ग्राहकों का ऑफिस आना होता है तब मान्यवर मालिक साहब गायब रहते हैं मंगलवार को भी सैकड़ों लोग ऑफिस पर धावा बोलने आए जिन की मांग अपना पैसा वापस लेना थी । इस बारे में उच्चाधिकारियों को मामला संज्ञान में दे दिया गया है किंतु कंपनी के ग्राहकों को चिटफंड कंपनी के कर्मचारियों द्वारा लिखित में चेक देने का आश्वासन दिया गया। जिसके उपरांत जनता का आक्रोश शांत हुआ अब देखना यह होगा कि क्या वास्तव में ग्राहकों का पैसा ग्राहकों को मिल पाता है या पूर्व की भांति मैदान साफ हो जाएगा जिसमें सिर्फ बेचारे गरीब लोगों की आस उस मैदान की धूल में मिलती हुई नजर आएगी।

षिविर में पम्पलेट एवं मास्क का वितरण किया

मास्क एवं पम्पलेट बांटते अधिवक्ता

अलीगढ़ (एजेसी)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राष्ट्रीय महिला आयोगएवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राम मनोहर नारायण मिश्रा के दिशा निर्देशन में महिलाओं को विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिये 74 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जमालपुर पुलिस चौकी के पीछे, जमालपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर में आयी महिलाओं बच्चियों, बच्चों आदि को शबनम फातिमा मध्यस्थ अधिवक्ता द्वारा महिलाओं को जागरूक किये जाने पर विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर सुषमा शर्मा, रंजना मिश्रा, जमालुददीन अधिवक्ता, जमालपुर पुलिस चौकी के प्रभारी, नीता गुप्ता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय स्टाफ सोहन लाल, मनोज कुमार, ऋषि कुमार, वीरेन्द्र स्वरूप माथुर, अफसाना आदि ने भी सहभागिता की। वरिष्ठ लिपिक सोहन लाल कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपस्थित जनसामान्य को विधिक सेवा कार्यक्रमो के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में सभी को पम्पलेट एवं मास्क का भी वितरण किया गया।

कोतवाली पुलिस एवं आबकारी पुलिस की छापेमारी में हुआ

छापामारी के दौरान सैकड़ों लीटर अवैध शराब जब्ती के साथ हजारों लीटर लहन किया गया नष्ट

ललितपुर(एजेसी) जहां एक और समूचे देश के साथ जनपद कोरोनावायरस से फैलने वाले संक्रमण से जूझ रहा है । हजारों की तादाद में लोग संक्रमित हो रहे हैं जिसके लिए शासन–प्रशासन भरसक प्रयास कर रहा है कि जनपद वासियों को इस महामारी से कैसे बचाया जाए तो ।

वहीं दूसरी ओर अवैध शराब कारोबारी नए नए तरीके अपनाकर पुलिस को चकमा देने में लगे हुए हैं। हालांकि उक्त शराब कारोबारी अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके पर छापेमारी के दौरान अबैध देशी शराब कारोबारियों द्वारा अपनाई जा रहे अनोखे–अनोखे तरीकों का खुलासा हुआ।

मामला कोतवाली तालबेहट के अंतर्गत ग्राम गणेशपुरा टपरिया का है । जहां कोतवाली पुलिस के साथ–साथ आबकारी विभाग ने अवैध देसी कच्ची शराब के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया। बताया गया है कि उक्त जगह अवैध देसी कच्ची शराब

जब हैंडपंप से पानी की जगह निकलने लगी शराब, पुलिसकर्मियों के उड़े होश जमीन के नीचे टैंकी बनाकर ऊपर से हैडपम्प लगाकर शराब निकालने का अपनाया तरीका

बनाने के लिए चर्चित है जहां पर कबूतरा जाति के साथ कई अन्य लोग मिलकर अवैध देसी कच्ची शराब का निर्माण कराते हैं और क्षेत्र में सप्लाई करते हैं। उक्त कारोबार पर लगाम लगाने के लिए कोतवाली तालबेहट पुलिस के साथ आबकारी विभाग ने मिलकर जब छापामार कार्यवाही की तब वहां पर भगदड़ मच गई ।

पुलिस की छापामार कार्यवाही में वहां स्थित घरों में मामूली मात्रा में शराब बरामद की लेकिन जब पुलिस ने गहनता से छानबीन की तब पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गई। अवैध शराब कारोबारियों द्वारा जमीन के नीचे टैंक निर्मित किए गए थे जिनमें अवैध देसी कच्ची शराब भरी हुई थी और उसके ऊपर हैंडपंप लगाए गए थे जिसके माध्यम से शराब निकाली जाती थी ।

यह नया तरीका अवैध शराब कारोबारियों ने पुलिस से बचने के लिए इजाद किया।

जिससे पुलिस को यह शक ना हो कि जमीन के नीचे टैंकों में भी शराब भरी जाती है ऊपर हेडपंप लगे हैं तो पुलिस यह समझ ले कि उक्त हेड पंप पानी के लिए लगाए गए हैं। संयुक्त छापेमारी के दौरान 100लीटर शराब जब तक की गई तथा एवं 5000 लीटर लहन नष्ट किया गया ।

छापेमारी के दौरान हेडपंप नुमा नल से शराब निकालने की जानकारी हुई। पुलिस ने उक्त मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कर कार्यवाही की है।

राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गये जय प्रकाश निषाद

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेता बेनी प्रसाद वर्मा के निधन से रिक्त हुई राज्यसभा सीट पर भाजपा के जय प्रकाश निषाद सोमवार को निर्विरोध चुन लिये गये। निषाद को निर्वाचन अधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंपा। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। निषाद का निर्विरोध चुना जाना तय था क्योंकि कोई दूसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं था। राज्यसभा की यह सीट सपा के वरिष्ठ नेता बेनी प्रसाद वर्मा के निधन के कारण रिक्त हुई थी। वर्मा का कार्यकाल चार जुलाई 2022 तक था। बसपा की सरकार में राज्य मंत्री रहे निषाद दो साल पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे। पार्टी ने पिछले सप्ताह मंगलवार को उन्हें राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित किया था। भाजपा प्रत्याशी की निर्विरोध जीत तय थी। प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 306 विधायक हैं। उसके बाद सपा के 48, बसपा के 18, अपना दल (सोनेलाल) के नौ, कांग्रेस के सात, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के चार, तीन निर्दल और राष्ट्रीय लोकदल तथा निर्बल इण्डियन शोषित हमारा अपना दल के एक–एक विधायक हैं।

मासूम बेटी संग मां ने नदी में कूदकर की आत्महत्या

प्रतापगढ़ (एजेसी)। जिले के थाना सांगीपुर अंतर्गत कैरा गाँव के निकट उधरनपुल के सई नदी में रविवार की देर शाम एक माँ ने अपनी मासूम बेटी के साथ कूद कर आत्महत्या कर लिया। पुलिस शव की तलाश कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी दिनेश द्विवेदी ने बताया कि थाना सांगीपुर क्षेत्र के गोडवा पुरे पंडित गाँव की रहने वाली वंदना विश्वकर्मा (27) पत्नी विनोद विश्वकर्मा मय अपनी पुत्री विधि विश्वकर्मा (05) को साथ लेकर कैरा गाँव के निकट स्थित सई नदी के उधरनपुल से कूद कर आत्महत्या कर लिया।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं से वार्ता करते सीओ

तीन गोकषी करने वालों को पकड़ा, पांच पर मुकद्दमा

अलीगढ़ (एजेसी)। थाना बरला क्षेत्र के गांव नगला कसाब में गोकशी की सूचना मिलने पर बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 3 लोगों को मौके से पशु के कटे हुए सिर व सिर काटने के औजार के साथ पकड़ लिया है। पुलिस के अनुसार पांच लोगों के खिलाफ गौकषी का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों आरोपियों को अपनी हिरासत में लेकर कटे हुए सिर को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। गांव नगला कसाब में सुबह 7 बजे विहिप कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि मुस्तकीम नौशाद ,इरशाद ने गांव में ही गोकशी की है। सूचना पर विहिप नेता रामकुमार आर्य सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंच गए और

तीनों लोगों को पशु के कटे हुए सिर के साथ पकड़ लिया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। ,सूचना मिलते ही सीओ बरला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली वही पुलिस ने तीनों लोगों को हिरासत में लेकर पशुओं के कटे हुए सिर को जांच हेतु प्रयोगशाला भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि जो सिर कटे हुए हैं वह किस पशु के हैं जो प्रयोगशाला की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा वहीं घटना से बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में भारी रोष है।

बकरी की हत्या को लेकर महिलाए बैठी धरने पर

वाराणसी (एजेसी)। वाराणसी के चौबेपुर पुलिस स्टेशन में बकरी की हत्या को लेकर लगभग 20 महिलाएं धरना पर बैठी गई। बताया गया कि एक बकरी की हत्या का मुकदमा न लिखे जाने के विरोध पर ये महिलाएं धरना दे रहीं। दरअसल, बीते शनिवार एक बकरी की मौत विवाद का कारण बन गयी। ग्रामीण और बकरी मालिक बुद्धू राम का आरोप है कि उनकी बकरी हमेशा की तरह दरवाजे पर बंधी हुई थी। वह किसी प्रकार बंधन से छूट कर पड़ोस के ही निवासी राजेश राजभर के दरवाजे पर पहुंच गयी, जिसके बाद उसकी मौत हो गयी।

बताया गया कि राजभर परिवार का बुद्धू राम से पहले से ही रंजिश चल रहा है। इस संबंध में बुद्धू राम की पत्नी सुशीला देवी ने कहा कि इसी रंजिश के चलते लाठी डंडे से पीट कर उनकी बकरी को मार दिया गया। सुशीला ने बताया कि बकरी उन्होंने बैंक से लोन लेकर 5 हजार रुपये में खरीदी थी, जिससे वो बहुत प्यार करती थी इसलिए उन्होंने बकरी मारने की सूचना इलाके के चौकी इंचार्ज को दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी।

इसके बाद वो महिलाओं के साथ थाने में जाकर धरने पर बैठ गईं और कार्रवाई की मांग करने लगीं। महिलाओं द्वारा पुलिस स्टेशन पर धरने पर बैठने की सूचना पर थानेदार संजय त्रिपाठी ने महिलाओं से बकरी की हत्या की तहरीर लेकर जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। फिलहाल पुलिस अब मामले की जांचकर रही है।

डॉ. कफील खान के लिए बढ़ाया गया एनएसए कथित रूप से भड़काऊ बयान देने के हैं आरोपी

लखनऊ (एजेसी)। एनएसए के तहत जेल में बंद डॉ. कफील खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। फिलहाल उन पर लगे एनएसए की अवधि में 3 महीने का इजाफा कर दिया गया है। आपको बता दें कि डॉ. कफील खान पर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 10 दिसंबर 2019 को भड़काऊ बयान देने का आरोप है। जबकि एडवाइजरी बोर्ड और अलीगढ़ के डीएम की रिपोर्ट पर 13 फरवरी 2020 को कफील खान को 6 महीने के लिए एनएसए के तहत बंद किया गया था। वहीं, एक आर फिर अब जेल में रखे जाने की अवधि को एडवाइजरी बोर्ड की अनुशंसा पर बढ़ाया गया है।

यूपी सरकार के गृह विभाग के 4 अगस्त 2020 के ऑर्डर के मुताबिक, डॉ. कफील खान के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई 13 फरवरी 2020 को अलीगढ़ डीएम की सिफारिश पर हुई थी। तब से वह जेल में हैं। साफ है कि वह करीब 9 महीने तक जेल में रहेंगे।

आपको बता दें कि डॉ. कफील के खिलाफ एनएसए की अवधि तीसरी बार बढ़ाई गई है। जबकि इस मामले में एडवाइजरी बोर्ड का कहना है कि खान को एनएसए के तहत जेल में रखने के पर्याप्त कारण हैं।

गौरतलब है कि डॉक्टर कफील खान को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कथित रूप से ऑक्सीजन की कमी से हुई बच्चों की मौत के मामले में आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया था। घटना के वक्त वह एईएस वार्ड के नोडल अधिकारी थे। बाद में शासन ने उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया था। वे लगभग 7 महीने तक जेल में बंद रहे।

नोएडा में 5 वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी

नोएडा (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में मासूम बच्चियां सुरक्षित नहीं है ताजा मामला नोएडा का है यहां के सेक्टर 49 थाना क्षेत्र स्थित हिंडन विहार कॉलोनी में एक पांच साल की मासूम बच्ची के साथ के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया है। खास बात यह है कि बच्ची के साथ उसके पड़ोस के रहने वाले एक व्यक्ति ने रविवार की रात को कथित रूप रेप करने की कोशिश की है। वहीं, सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज करक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त विमल कुमार सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी पांच साल की बेटी को उसके पड़ोस में रहने वाला अनंत मलिक नामक व्यक्ति रविवार की रात बहला–फुसलाकर अपने घर ले गया। पिता ने बताया कि आरोपी उसकी बेटी को निर्वस्त्र कर उसके साथ कथित रूप से अश्लील हरकत कर रहा था कि तभी वह मौके पर पहुंच गया। सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे आज अदलत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बता दें कि कुछ देर पहले गोरखपुर जिले में एक नाबालिग किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई थी। पीड़ित किशोरी की मां ने गांव के ही दो युवक पर गैंगरेप का आरोप लगाया है।

उधर, किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि विरोध करने पर मारपीट की और शरीर को सिगरेट से कई जगहों पर जला दिया। लड़की परिजनों को अचेत अवस्था में तालाब के किनारे मिली। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, बड़हलगंज इलाके का रहने वाला शख्स गोला क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता है। भट्ठे के पास ही किराए पर कमरा लेकर पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। शुक्रवार रात उसकी 17 साल की बेटी घर के बाहर स्थित हैंडपंप पर पानी लेने गई थी। आरोप है कि डेहरीभार गांव निवासी अर्जुन अपने साथी महेश के साथ पहुंचा और किशोरी को जबरन बाइक पर बैठा लिया। शोर मचाने पर मुंह दबा दिया। सुनसान जगह पर ले जाकर दोनों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। अचेत होने पर किशोरी को छोड़कर फरार हो गए।

यूपी में एक दर्जन आईपीएस अधिकारी इधर से उधर

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन में फेरबदल करते हुए एक दर्जन आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं।

इसके अलावा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे दो अफसरों को राज्य में तैनाती दी गई, जबकि एक अधिकारी को प्रतिनियुक्ति के लिए कार्य मुक्त कर दिया गया। गृह विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर सुनील गुप्ता को प्रशिक्षण एवं सुरक्षा मुख्यालय में पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। उनके स्थान पर जीआरपी आगरा में तैनात रहे पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार को गोरखपुर का नया पुलिस कप्तान बनाया गया है।

बिजनौर के पुलिस अधीक्षक संजीव त्यागी को इसी पद पर प्रतापगढ़ भेजा गया है।

वह अभिषेक सिंह का स्थान लेंगे जिन्हें बागपत का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

बागपत के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह को इसी पद पर मिर्जापुर भेजा गया है।

वह धर्मवीर सिंह का स्थान लेंगे जिन्हें बिजनौर में पुलिस अधीक्षक के पद पर नई तैनाती दी गई है। मानवाधिकार लखनऊ मुख्यालय में तैनात पुलिस अधीक्षक गणेश पी साहा को गौतम बुद्ध नगर का पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। वह संकल्प शर्मा का स्थान लेंगे जिन्हें बदायूं में पुलिस अधीक्षक के पद पर भेजा गया है। एसटीएफ लखनऊ में तैनात पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार सिंह अब आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक होंगे।

वह त्रिवेणी सिंह का स्थान लेंगे जिन्हें साइबर क्राइम शाखा लखनऊ में पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

प्रशिक्षण एवं सुरक्षा मुख्यालय में पुलिस अधीक्षक माणिक्य चंद्र सरोज को पुलिस अधीक्षक सतर्कता लखनऊ के पद पर भेजा गया है।

बदायूं के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार त्रिपाठी अब मानवाधिकार मुख्यालय लखनऊ में पुलिस अधीक्षक होंगे।

प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे आईपीएस अफसर तरुण गाबा को सतर्कता अधिष्ठान लखनऊ में पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है।

इसी तरह प्रतिनियुक्ति से लौटे पीयूष मोर्डिया को अलीगढ़ परिक्षेत्र का पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है।

अलीगढ़ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक दीपक रतन को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कार्यमुक्त किया गया है।

पीएम मोदी के प्रयासों से भारत आत्मनिर्भर भी बना और मजबूत भीः नकवी

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बड़े असर को रोका जा सका और भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम (एनएमडीएफसी) द्वारा नयी दिल्ली के होली फैमिली अस्पताल को प्रदान किए गए 'मोबाइल क्लीनिक को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर नकवी ने यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोरोना काल में लोगों की जिंदगी में परिवर्तन, कार्य संस्कृति में बदलाव एवं देश और समाज की ओर जिम्मेदारी के प्रति नयी ऊर्जा पैदा हुई है। इस संकट के समय लोगों के सकारात्मक संकल्प और मोदी सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का नतीजा रहा कि भारत, स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के पायदान पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। एन-95 मास्क, पीपीई किट, वेंटीलेटर एवं अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों के उत्पादन में भारत आत्मनिर्भर भी बना और दूसरे देशों की भी मदद की। आज कोरोना के अस्पतालों की संख्या 1054 हो गई है। नकवी ने कहा कि कोरोना महामारी की शुरुआत के समय हमारे देश में सिर्फ एक टेस्टिंग लैब थी, आज 1400 लैब का नेटवर्क है। जब कोरोना का संकट आया तो एक दिन में सिर्फ 300 टेस्ट हो पाते थे, आज हर दिन 7 लाख से ज्यादा टेस्ट हो रहे हैं। प्रत्येक भारतीय को स्वास्थ्य पहचानपत्र देने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन शुरू किया गया है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में पिछले 6 वर्षों में मोदी सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में कोरोना संकट के बड़े प्रभाव को रोका जा सका। मंत्री ने बताया कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित 1500 से ज्यादा स्वास्थ्य सहायक, कोरोना से प्रभावित लोगों की सेवा में लगे हैं। इन प्रशिक्षित स्वास्थ्य सहायकों में 50 प्रतिशत लड़कियां हैं। इस वर्ष 2000 से ज्यादा अन्य स्वास्थ्य सहायकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन प्रशिक्षित स्वास्थ्य सहायकों में 50 प्रतिशत लड़कियां हैं। इस वर्ष 2000 से ज्यादा अन्य स्वास्थ्य सहायकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

लालकृष्ण आडवाणी का जिक्र कर बुरे फसे कुणाल कामरा, लोगों ने बता दिया थर्ड ग्रेड कॉमेडियन

नेशनल डेस्क।

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा का विवादों से पुराना नाता है। वह अपनी पॉलिटिकल कॉमेडी के चलते सुर्खियों में बने ही रहते हैं। इस बार उन्हे भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का जिक्र करना भारी पड़ गया, गुस्साए लोगों ने जमकर उनकी क्लास लगा दी। दरअसल महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास लेने के साथ ही क्रिकेट सहित अन्य क्षेत्रों के भी दिग्गजों की प्रतिक्रिया आने लगी है। कामरा ने भी इस पर अपनी राय रखी लेकिन इस दौरान आडवाणी का नाम लेकर वह भारी भूल कर बैठे, जिसका नतीजा यह हुआ कि लोग उनसे नाराज हो गए। कॉमेडियन ने रविवार को ट्वीट किया आप या तो धोनी की तरह रिटायर होते हैं या इतना जीवित रहते हैं कि खुद को एलके आडवाणी बनता देख सकें... कामरा का यह ट्वीट देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों ने इसे आपत्तिजनक करार दिया।

ट्विटर पर भी लालकृष्ण आडवाणी ट्रेंड करने लगा, जहां कॉमेडियन की जमकर क्लाय लगाई गई। एक यूजर ने कामरा की खिंचाई करते हुए लिखा कि एक थर्ड क्लास अटेंशन सीकर कमीडियन बताएगा कि एलके आडवाणी कौन है। बस हाइलाइट होना है पब्लिक में, कॉमेडी से तो अब रोजी-रोटी चलती नहीं। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी कामरा ने एक ट्वीट कर विवाद खड़ा कर दिया था। उन्होंने 15 अगस्त को लिखा, था कि 1947 में ही के दिन भारत ने अंग्रेजों से आजादी पाई थी और 16 मई 2014 को भारत ने कॉमन सेंस से आजादी पाई। उनका यह ऐसा लोगों को जरा भी नहीं भाया और उन्होंने कामरा को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

जान को जोखिम में डालकर कोरोना संक्रमितों का संस्कार करने वाले दो कोरोना योद्धा सम्मानित

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोविड-19 से मृत्यु हो जाने पर कई बार अपने भी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होते हैं और ऐसे वक्त में अपनी जान को जोखिम में डालकर निगम बोध घाट पर कोरोना मृतकों का संस्कार करने वाले दो कोरोना योद्धाओं पप्पू तथा हरिंद्र को सोमवार को सम्मानित किया गया। निगम बोध घाट संचालन समिति के प्रमुख संचालक सुमन कुमार गुप्ता ने आज बताया कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण से पहली मौत जनकपुरी की एक बुजुर्ग महिला की हुई थी,उसी दिन से ही आज तक करीब 1320 कोरोना पीड़ति मृतकों का संस्कार कर अपनी जान-जोखिम में डालकर यह दोनों कर चुके हैं। पप्पू और हरिन्द्र निगम बोध घाट के सीएनजी से संस्कार करने का कर्तव्य अपनी जान को जोखिम में डालकर निभा रहे हैं। गुप्ता ने कहा कोरोनाकाल के अंदर निगम बोध घाट प्रमुख दाह स्थल बनाया गया था, जहां संचालन समिति ने न केवल इनकी ड्यूटी इस काम में लगाई,बल्कि इन्हे हरसंभव मदद कर इनका बीमा भी करवाया। उन्होंने केंद्र और दिल्ली सरकार से मांग की है कि ऐसे वास्तविक यौद्धाओं का अवश्य सम्मानित किया जाना चाहिए, जिन्होंने संक्रमण काल की भयंकर चुनौती में अपने प्राणो की परवाह न करते हुए मृतकों का विधिवत दाह संस्कार किया।

थाने में अलमारी से फाइल ढूंढ रहा था पुलिसकर्मी, हाथ लगे 21 कोबरा सांप...मचा हड़कंप

नेशनल डेस्क। एक पुलिसकर्मी उस समय हैरान रह गया जब वह अलमारी में से फाइलें ढूंढ रहा था और उसके हाथ लगे 21 सांप। इतने सारे सांपों को एक साथ देखकर पुलिसकर्मी के भी होश उड़ गए। अलमारी में पड़े सांप भी कोई साधारण नहीं थे वो कोबरा सांप थे। मामला हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा शहर के पास गग्गल पुलिस स्टेशन का है। जहां पुलिस स्टेशन की अलमारी को सांप अपना घर बनाए बैठे थे। सबसे हैरानी की बात है कि अलमारी में 21 कोबरा सांप के बच्चे हैं किसी को अभी तक इसकी भनक भी नहीं लगी। पुलिस कर्मी अलमारी में से ऑफिशियल फाइल निकाल रहा था कि तभी उसे कोबरा सांप का एक बच्चा दिखाई दिया। पुलिस ने इसके बाद सांप पकड़ने वाले को बुलाया तो वहां एक नहीं बल्कि एक के बाद एक 21 कोबरा सांप निकले। इतने सांपों को एक साथ देखकर पुलिसकर्मी भी डर गए। सांप पकड़ने वाले ने सभी सांपों को एक जार में इकट्ठा किया तब जाकर पुलिसकर्मियों की जान में भी जान आई।

कमलनाथ पर खुलकर बरसे सिंधिया, कहा- ऐसी वादाखिलाफी कभी नहीं देखी

इंदौर।

मध्य प्रदेश दौरे के दौरान राज्यसभा सासंद ज्योतिरादित्य सिंधिया इंदौर पहुंचे। इस दौरान इंदौर एयरपोर्ट पर मीडिया के सवालों का जबाव देते हुए केंद्र सरकार का गुणगान करते हुए कमलनाथ सरकार को भ्रष्टाचारी और वादाखिलाफी सरकार कहा। कांग्रेस छोड़ बीजेपी ज्वाइंन करने के बाद यह सिंधिया मध्य प्रदेश में दूसरा दौरा है। राज्य में 27 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के मद्दे नजर राजनीतिक नजरिए से यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सिंधिया ने कहा कि 15 महीनों की कांग्रेस सरकार में जो भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी मैंने देखी, ऐसी स्थिति राजनीतिक जीवन में पहले कभी नहीं देखा। हमारे साथियों ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अत्याचारी और दोगली सरकार के खिलाफ इस्तीफा दिया। सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस की वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार नीतियों को देखते हुए मैंनें और साथियों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सदयता ली। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा त्रिमूर्ति के नेतृत्व में भारत का विकास सुनिश्चित है। देश की अखंडता और एकता उनके हाथों में सुरक्षित है। कमलनाथ सरकार में मैंने हमेशा जनहित में आवाज उठाई लेकिन मुझे बार बार अनदेखा किया गया। आने वाले उपचुनाव में जनता उन्हें सबक खिलाएगी। कुर्सी खो जाने की वजह से कांग्रेस छटपटा रही है, वे चाहते हैं कि कैसे भी हो कुर्सी उन्हें मिल जाए। सिंधिया ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं...। मेरी कोशिश जनता के विश्वास पर खरा उतरने की होती है। मैं जनसेवक था, हूं और रहूंगा। कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार उठाए जा रहे सवालों को लेकर कहा कि उनसे(कांग्रेस) से इसके अलावा कोई अपेक्षा नहीं है। मेरी दादी ने सत्य का रास्ता अपनाया था, पिताजी ने सत्य का झंडा उठाया, उसी के अनुरूप मैंने भी सत्य का झंडा उठाया है। मैं कांग्रेस के नेताओं का नहीं, बल्कि केवल जनता के प्रश्नों का जवाब दूंगा।सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कश्मीर को भारत का अखंड अंग बनाने का एक ऐतिहासिक काम किया। राम मंदिर का पूमिपूजन करके पीएम मोदी ने चीन को ईंट का जवाब पत्थर से दिया। वह प्रधानमंत्री देश के एक सौ 25 करोड़ लोगों के दिलों में राज कर रहा है। इसलिए कांग्रेस पूरी तरह से विफलता की ओर जा रही है। लोकतंत्र में आलोचना और विरोध बहुत जरूरी है। आलोचना यदि सकारात्मक हो तो उसे सुनकर अपनाना चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार में कर्ज माफी और कन्यादान जैसी योजनाओं पर काम करने की बात कही।

पुणे से एयरलिफ्ट किए गए फेफड़े, 1 घंटे में हैदराबाद पहुंचाकर बचाई मरीज की जान

नेशनल डेस्क।

एक मरीज की जान बचाने के लिए पुणे से फेफड़े एयरलिफ्ट कर हैदराबाद पहुंचाए गए। इस पूरी प्रक्रिया को एक घंटे के अंदर-अंदर किया गया और मरीज को नया जीवनदान दिया गया। हैदराबाद के हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांट इंस्टीट्यूट में एक मरीज का इलाज चल रहा था, वो टर्मिनल लंग डीजिज़ से पीड़ित था। मरीज ने तेलंगाना सरकार की जीवनदान योजना के तहत अपना नाम पंजीकृत कराया था।

पुणे के एक प्राइवेट अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित किए गए एक व्यक्ति का परिवार अंग दान करने के लिए रविवार को आगे आया। इसके बाद जोनल ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेशन सेंटर (जेडटीसीसी) पुणे ने समय पर हैदराबाद में फेफड़े पहुंचाए। अंग प्रत्यारोपण के लिए रविवार को दोनों शहरों में विभिन्न विभागों द्वारा एक ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई थी। फेफड़े को पुणे से हैदराबाद एक चार्टर्ड उड़ान द्वारा लाया गया। दोनों शहरों की ट्रैफिक पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की और भारतीय एयरपोर्ट अथॉरिटी भी इस काम में मदद के लिए आगे आया। 560 किलोमीटर की दूरी एक घंटे में तय करके मरीज को फेफड़े ट्रांसप्लांट किए गए। मरीज की हलत अब ठीक है।

कोरोना काल में 1 लाख लोगों ने एक साथ हनुमान चालीसा पाठ कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नेशनल डेस्क।

कोरोना से त्रस्त लोगों को मानसिक ताकत देने के लिए दुनिया के 60 देश के एक लाख लोगों ने एक साथ एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ कर वर्ल्ड रिकार्ड कायम किया। अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु आनंद गिरी ने सोमवार को बताया कि हनुमान चालीसा में वह शक्ति है जो आत्मबल को बढ़ाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एक लाख लोगों द्वारा एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करने से दुनिया शीघ्र ही कोरोना महामारी से बाहर निकलेगी। उनका कहना है कि हनुमान जी की कृपा से कोई न कोई संजीवनी इजाद होगी जिससे दुनिया के लोगों को राहत मिलेगी । योग गुरु आनंद ने बताया कि 15 अगस्त को ऑनलाइन आयोजन में एक साथ अमेरिका, इंगलैंड, कनाडा और आस्ट्रेलिया समेत 60 देशों के एक लाख लोगों द्वारा पाठ किया जाना बड़ी उपलब्धि है। अमेरिका के कैलीफोर्निया की संस्था सिलिकॉन आंध्रा ने दो महीने पहले 15 अगस्त को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए उनसे संपर्क किया था। स्वामी

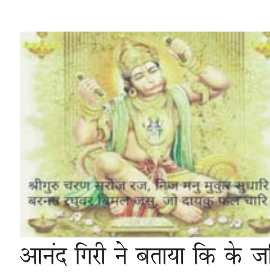

आनंद गिरी ने बताया कि के जरिए अलग-अलग ग्रुप बनाया और दुनिया के 60 देशों में सिलिकॉन आंध्रा के फॉलोअर्स ने ग्रुप ज्वाइन किया। इस कायक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम का आमंत्रित किया गया।

भारत में कोरोना से 50 हजार से ज्यादा की मौत, 26 लाख पार संक्रमित

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना महामारी के लगातार बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में 58 हजार से अधिक मामले सामने आए जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 26.47 लाख से अधिक हो गया जबकि 19.19 से ज्यादा लोग इस बीमारी से अब तक मुक्ति पा चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में संक्रमण के 58,525 मामले आने से संक्रमितों की संख्या 26,47,663 हो गई है। राहत की बात यह है कि इसी अवधि में 57,584 लोगों के स्वस्थ होने से कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या भी 19,19,842 हो गई है। इसी दौरान 941 लोगों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 50,921 पर पहुंच गया। इस बीच देश में सक्रिय मामलों की संख्या 544 कम होकर 6,76,900 हो गई है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 1986 बढ़कर 1,58,705 हो गई तथा 288 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 20,037 हो गया। इस दौरान 8837 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,17,123 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 2193 कम होने से सक्रिय मामले 85,945 रह गए हैं। राज्य में अब तक 2650 लोगों की मौत हुई है, वहीं 10,117 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,01,234 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 244 बढ़ी है और यहां अब 81528 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 116 बढ़कर 3947 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 1,41,491 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 194 कम होकर 54019 हो गये हैं तथा 5766 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 2,78,270 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 100 मरीजों की संख्या बढ़ी है जिससे सक्रिय मामले 51537 हो गये हैं तथा इस महामारी से 2449 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,00,432 मरीज ठीक हुए हैं। सक्रिय मामलों में इसके बाद बिहार का स्थान है, जहां यह संख्या 31059 हो गई है। राज्य में 461 लोगों की मौत हुई है जबकि 72,324 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं। देश के पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 27299 सक्रिय मामले हैं तथा 2428 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 86,771 लोग स्वस्थ हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 21420 सक्रिय मामले हैं और 703 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 70,132 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। गुजरात में सक्रिय मामले 14383 हैं तथा 2,785 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 61,512 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले की तादाद में 666 की कमी आने के बाद यह संख्या 10,823 हो गये हैं।

वहीं संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 4196 हो गई है तथा अब तक 137561 मरीज रोगमुक्त हुए हैं।

अंधविश्वासः बरसात के लिए सबके सामने पशु की दे दी गई बलि, ताशबीन लोग बनाते रहे वीडियो

चित्तौडगढ़। राजस्थान में चित्तौडगढ़ जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र में अच्छी बरसात के लिए भैंसे की बलि दिये जाने के मामले में पुलिस ने एक भोपे सहित दस लोगों को नामजद किया है। थानाधिकारी महेंद्र मारू ने आज बताया कि गत नौ अगस्त को क्षेत्र के पचुंडल गांव के बाहर जंगल में एक देवरे पर अंधविश्वास के चलते अच्छी बरसात के लिए सैंकड़ों लोगों की मौजूदगी में एक भैंसे की की बलि दे दी गई। हैरानी वाली बात यह है कि इस शर्मनाक घटना का लोग वीडियो भी बनाते रहे। बलि देने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच की तो घटना को सही पाया गया। देवरे के भोपे ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में परम्परा के चलते आसपास के गांवों से पैसे एकत्र कर नौ अगस्त को एक भैंसा खरीदा गया और दोपहर में देवरे के पास ही भैंसे का वध किया गया। भोपे के बयानों के आधार पर पुलिस ने राजस्थान पशू पक्षी बलि निषेध अधिनियम की धारा छह के तहत मुख्य आरोपी के रूप में रणजीत सिंह सहित भोपा देवीलाल भील तथा गणपत सिंह, भंवर सिंह, महेंद्र सिंह, कल्याण सिंह, चुन्नीलाल गुर्जर, शांतिलाल मीणा एवं कालू मीणा को नामजद किया है। इनके बयान लेने के बाद न्यायालय में इनके विरूद्ध इस्तगासा पेश किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सेहत में नहीं आया कोई सुधार, डाक्टरों ने कहा- कोशिशें जारी

नेशनल डेस्क। पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती देश के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की हालत नाजुक बनी हुई है। अब भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर ही उनका इलाज चल रहा है। मस्तिष्क में क्लॉट बनने के बाद उनका ऑपरेशन किया गया था, जिसके बाद से ही उनकी हालत में कोई गिरावट नहीं आई है। दिल्ली कैंट स्थित आर्मी रिसर्च एंड रेफरल हॉस्पिटल द्वारा सोमवार को जारी किए गए मेडिकल बुलेटिन के अनुसार प्रणव मुखर्जी की हालत लगातार गंभीर बनी हुई है। वह वेंटिलेटरी सपोर्ट पर हैं, डॉक्टर उनकी कड़ी निगरानी कर रहे हैं। अस्पताल के चिकित्सकों ने रविवार को बताया था कि पूर्व राष्ट्रपति की सेहत वैसी ही बनी हुई है। बता दें कि मुखर्जी (84) को 10 अगस्त को सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी मस्तिष्क की सर्जरी की गई थी। इससे पहले कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। हाल ही में मुखर्जी के की बेटी ने टवीट में लिखा था कि चिकित्सा की विशिष्ट भाषा की गहराई में नहीं जाते हुए, बीते दो दिन में मुझे जो बात समझ में आई है वह यह है कि मेरे पिता की हालत बहुत नाजुक बनी हुई है लेकिन उसमें गिरावट नहीं आई है। प्रणब मुखर्जी 2012 से 2017 तक भारत के 13वें राष्ट्रपति रहे हैं।

बारामूला में पुलिस पार्टी पर आतंकी हमला, तीन जवान शहीद

श्रीनगर। सोमवार सुबह कश्मीर के बारामूला में आतंकवादियों ने पुलिस पार्टी पर आतंकी हमला कर दिया। हमले में पुलिस का एक एसपीओ और सीआरपीएफ के दो जवान शहीद हो गये। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। जानकारी के अनुसार आतंकवादियों ने करीरी क्षेत्र में पुलिस के नाके पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद जवानों ने भी फायरिंग का माकूल जवाब दिया पर उग्रवादी भागने में कामयाब हो गये। हमले में एसपीओ शहीद हो गया। शहीद की पहचान मुज्जफर अहमद के तौर पर हुई है। वहीं दो सीआरपीएफ कर्मी घायल हो गये। उन्हें निकट के अस्पताल में भर्ती किया गया पर उन्होंने भी अपने घाव का ताव न सहते हुये दम तोड़ दिया।

जर्मनी में सैंकड़ों पाकिस्तान-खालिस्तान समर्थकों से भिड़ गया अकेला भारतीय

फ्रैंकफर्ट। पाकिस्तान भारत के खिलाफ जहर उगलने का कोई मौका नहीं छोड़ता । पाक अब खालिस्तान समर्थक आंदोलन को विदेशों में हवा देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तानी लोग चंद खालिस्तानी समर्थकों के साथ दुनिया के अलग-अलग देशों में भारत के खिलाफ रैली निकाल रहे हैं। इसी कड़ी में 15 अगस्त को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में सैकड़ों पाकिस्तानियों ने खालिस्तानियों ने रैली निकाली तो अकेले भारतीय ने उन्हें करारा जवाब दिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया में शेयर किया जा रहा। वीडियो में सैकड़ों पाकिस्तानियों और खालिस्तानियों की भीड़ के आगे एक अकेला भारतीय डटकर मुकाबला करता दिखाई दे रहा है। भारत विरोधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रही भीड़ के सामने खड़े होकर बहादुर भारतीय ने न केवल भारत माता की जय के नारे लगाए, बल्कि इस घटना को अपने कैमरे में रिकॉर्ड भी कर लिया। फ्रैंकफर्ट में पाकिस्तानियों और खालिस्तानियों की भीड़ का मुकाबला करने वाले प्रशांत वेंगुरलेकर ने खुद इस वीडियो को ट्वीट कर घटना की जानकारी दी। वे स्वतंत्रता दिवस पर फ्रैंकफर्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर आयोजित कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी और खालिस्तान समर्थकों की भीड़ को भारत और पीएम मोदी के विरोध में नारेबाजी करते हुए देखा। भारत विरोधी रैली को देखकर प्रशांत हाथों में तिरंगा लेकर सैकड़ों की भीड़ के सामने भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। इस दौरान कुछ गुस्साए पाकिस्तानियों ने उनपर हमला करने के लिए घेराव भी किया। लेकिन, मौके पर पहुंची फ्रैंकफर्ट पुलिस ने पाकिस्तानियों को खदेड़ दिया। इस दौरान एक पाकिस्तानी प्रशांत से फोन छीनने की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस की दखल के बाद उसे भागना पड़ा।

बाइडेन के भारत प्रेम पर ट्रंप का जवाब- चीन के खिलाफ हमने दिया भारत का साथ

लॉस एंजलिस। अमेरिका में तीन नवम्बर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप (74) रिपब्लिकन पार्टी की ओर से एकबार फिर पद पर काबिज होना चाहते हैं। उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन (77) से हैं। दोनों मुख्य उम्मीदवारों के चुनाव एजेंडे में भारत और अमेरिकी-भारतीयों पर खास तवज्जों दी जा रही है। कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले बाइडेन का अचानक भारत के प्रति अचानक प्रेम उमड़ना चर्चा का विषय बना हुआ है।बाइडेन के प्रचार अभियान के अधिकारी जहां जीत के बाद भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने का वादा कर रहे हैं वही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप ने चीन के विरोध में खड़े होकर भारत का साथ दिया और कश्मीर मामले में कभी हस्तक्षेप नहीं करके एकदम सही रुख अपनाया है। ट्रंप के भारतीय-अमेरिकी समर्थकों ने कहा कि कोविड-19 से पहले ट्रंप प्रशासन के नेतृत्व में अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों की बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड गिरावट आई । उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व मंच पर भारत का कद बढ़ाया, भारत का साथ देते हुए चीन के विरोध में खड़ा हुए और कश्मीर मुद्दे पर कभी हस्तक्षेप नहीं किया। 'ट्रंप विक्ट्री इंडियन-अमेरिकन फाइनेंस कमेटी के सह-अध्यक्ष अल मैसन ने कहा, '' संक्षेप में कहें तो, ट्रंप ने भारत और भारतीय-अमेरिकियों के मामले में सही रुख अपनाया है। ट्रंप अभियान से जुड़े अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय और भारत-अमेरिका संबंधों के मद्देनजर ट्रंप का चुनाव करना ही सही होगा। प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी वकील एवं कैलिफोर्निया से रिपब्लिकन पार्टी की वरिष्ठ नेता हरमीत कौर ढिल्लो ने कहा, '' भारतीय-अमेरिकियों की पसंद स्पष्ट है ।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार–समाचार

कानपुर कैंट विधायक सुहैल अंसारी ने अजीतगंज बाबूपुरवा का किया दौरा विकास कार्यो को दी गति तथा तमाम रुके हुए काम करवाये चालू सा थ मे पार्षद इरफान खान समाज सेवक इखलाक मिर्जा पूर्व पार्षद प्रत्यासी मारूफ अहमद नसरूल हक,रियाज़ (बब्लू)सतीश बाल्मिकी, तथा क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

कानपुर । डॉ. वीरेन्द्र स्वरुप इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, 337, के ब्लाक, किदवई नगर कानपुर में स्वतंत्रता दिवस पर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डा. पूनम मदान जी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े पहलुओं एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर प्राचार्या जी ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हम स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाते हैं, किन लोंगों ने स्वतंत्रता के लिए बलिदान दिया। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वतंत्रता के अर्थ को बहुत ही सुन्दर ढंग से उद्बोधित किया।

धन्यवाद ज्ञापन की परम्परा का निर्वहन डा. अनीता शर्मा जी द्व ारा किया गया। राष्ट्रगान क साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में डा. अरुणा बाजपेयी, प्रो. पूनम गुप्ता, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. अनिरुद्ध यादव, डा. संदीप त्रिपाठी, प्रो. आशा अवस्थी, डा. अंजलि पोरवाल, प्रो. सरला मंध्यान, प्रो. शिप्रा मिश्रा व प्रो. ऊषा मिश्रा आदि आनलाइन उपस्थित रहे।

अवैध रूप से चरस रखने के जुर्म में गिरफ्तार किया

शॉर्ट सर्किट से कंटेनर में लगी आग

कानपुर–बाबूपुरवा थाने के अंतर्गत शॉर्ट सर्किट से कंटेनर में लगी आग आग को जलता देख ड्राइवर ने गाड़ी रोकी मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू बाबूपुरवा थाना क्षेत्र शनि देव मंदिर के पास की घटना।

कानपुर –बर्रा संजीत अपहरण हत्याकांड मामला

एसपी दक्षिण दीपक भूकर ने घटना की खुद शुरू की जाँच

उत्तर प्रदेश में 15 जिलों के 788 गांव बाढ से प्रभावित

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में बाढ़ का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के 15 जिलों के 788 गांव बाढ से प्रभावित हैं। यह जानकारी देते हुए प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने सोमवार को बताया कि आंबेडकर नगर, अयोध्या, आजमगढ, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, देवरिया, गोण्डा, गोरखपुर, खीरी, कुशीनगर, मउ, संत कबीरनगर और सीतापुर जिले बाढ़ प्रभावित हैं। उन्होंने बताया कि शारदा और सरयू–घाघरा नदियां कई जगहों पर खतरे के निशान को पार कर गयी हैं। पलियां कला (लखीमपुर खीरी) में शारदा तथा एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी), अयोध्या और तुर्तीपार (बलिया) में सरयू–घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ राहत शिविरों में सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) का पालन करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को बुखार, सर्दी–जुकाम और सिर दर्द है और जरूरत है तो उसकी जांच करायी जाए। शिविरों के आसपास अच्छी रोशनी का इंतजाम और साफ सफाई के लिए भी मुख्यमंत्री ने कहा है ताकि सर्पदंश जैसी घटनाओं से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री ने भूमि क्षरण **या किसी तरह की क्षति का पता लगाने के लिए तटबंधों पर नियमित गश्त का निर्देश दिया।**

बाढ प्रभावित जगहों पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीमें तैनात की गयी हैं। कुल 1046 नौक. ाओं की तैनाती की गयी है और 741 बाढ चैकियां भी बनायी गयी हैं।

विधायक के साथ अभद्रता व मारपीट पर बोली विहिप पुलिस का कृत्य हमें स्वीकार नहीं

हाथरस(एजेसी)। विश्व हिंदू परिषद–बजरंग दल की बैठक मदन गोपाल वार्ष्णेय नगर उपाध्यक्ष के प्रतिष्ठान पर जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में इगलास के विधायक राजकुमार सहयोगी को गोंडा में थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस दरोगाओं द्वारा थाने में अभद्र व्यवहार एवं मारपीट करने पर पुलिस प्रशासन की भर्त्सना की गई

जिला अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी, जिला कार्याध्यक्ष मनोज सिसोदिया एडवोकेट, जिला मंत्री कैलाश कूलवाल ने पुलिस प्रशासन के .त्य पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन अपने अभद्र व्यवहार, आचरण हीनता, मानवीय संवेदना एवं कर्महीनता की समस्त सीमाएं लांघ कर उत्तर प्रदेश के संविधान, विधायकों का उपहास उड़ाते हुए कानून व्यवस्था की आड़ में हिंदुओं का दमन चक्र चलाकर मुस्लिमों को संरक्षण दे रहे हैं। ऐसी आशंका है कि पुलिस प्रशासन मुस्लिम लीग का कार्य कर रही है। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता, राष्ट्रभक्त, धर्म निष्ठ और राम भक्तों हिंदुओं को पलायन, धर्म परिवर्तन कराने की कुचेष्टा कर रही है। विश्व हिंदू परिषद इनकी सोच को पूर्ण नहीं होने देगी। इस .त्य से हिंदू संगठनों और हिंदू समाज में अत्यधिक रोष है।

विहिप पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक राजकुमार सहयोगी का अपमान पूरे भारत के हिंदू और हिंदू संगठनों का अपमान हुआ है। पुलिस प्रशासन का यह .त्य हमें स्वीकार नहीं है।

बैठक में पदम सिंह जिला उपाध्यक्ष, महेश वर्मा जिला समरस. ता प्रमुख, मनोज वार्ष्णेय नगर अध्यक्ष, रमेश नगर मंत्री, मदन गोपाल वार्ष्णेय नगर उपाध्यक्ष, सचिन अग्रवाल नगर संपर्क प्रमुख, गौरव अग्रवाल नगर गौरक्षा प्रमुख आदि मौजूद थे।

नाबालिग का बलात्कार कर बर्बरता से हत्या से रूह कांपती है:सागर तौमर

अलीगढ़ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में नाबालिक लड़कियों के साथ बलात्कार हो रहे हैं कभी बुलंदशहर, हापुड़, गोरखपुर और अब लखीमपुर में एक 13 साल की नाबालिक लङकी का बलात्कार कर बर्बरता से हत्या कर दी, उसकी ऑखे निकालकर फेंक दी तथा जुबान काट दी, जिसने भी यह मंजर देखा आत्मा सिहर उठी है।

उक्त जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य सागर सिंह तोमर ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताई है। सागत सिंह तौमर का कहना है कि दरिंदगी पुरूषवादी समाज को आइना दिखा रही है, पितृसत्ता पुरूषवादी मानसिकता के पोषक ही ऐसे घटनाओं को अंजाम देते है। उनका कहना है कि हमारी मांग है कि दरिंदो को जल्द से जल्द फांसी पर चढ़ाए। लगातार इस तरह की घटनाओं से ये साबित होता है कि महिलाओं को सुरक्षा देने में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल रही है।

अपराधियों के मन में कानून का कोई डर नहीं है,उसी का परिण ाम है। कि महिलाओं के खिलाफ अपराध की वीभत्स से वीभत्स घटनाएं घटती ही जा रही हैं। पुलिस और प्रशासन न तो सुरक्षा दे पा रहे हैं और न ही उचित कार्रवाई कर पा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था की समीक्षा करे और महिलाओं की सुरक्षा सम्बंधित हर कदम गंभीरता से उठाए।

यूपी में जंगल राज कायम–कांग्रेस

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार को घेरते हुए कहा है कि सरकार जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम हुई है ।

और राज्य में जंगलराज कायम हो गया है। अजय लल्लू ने सोमवार को यहां एक बयान में प्रदेश में बच्चियों और महिलाओं से होने वाली दरिंदगी के खिलाफ योगी आदित्यनाथ सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि प्रदेश बलात्कारियों का हब बन चुका है।

पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चली है। महिलाओं को सुरक्षा देने में सरकार पूरी तरह से विफल है।

उन्होंने कहा कि लखीमपुर में एक किशोरी कि बलात्कार के बाद हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हो पाया था कि आजमगढ़ और योगी की कर्मभूमि गोरखपुर में बलात्कार की घटना ने झकझोर दिया है। आजमगढ़ में किशोरी के साथ गैंगरेप के बाद हत्या की गयी,

वहीं गोरखपुर में बलात्कार के बाद दरिंदो ने सारी हदें तोड़ते हुए दलित किशोरी के शरीर को सिगरेट से दागा।

लगातार इस तरह घटनाओं से यह साबित होता है कि महिलाओं को सुरक्षा देने में यह सरकार पूरी तरह विफल है। प्रदेष कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अपराधियों के मन में कानून का डर समाप्त हो गया है।

पुलिस और प्रशासन न तो सुरक्षा दे पा रहा है और न ही कोई ठोस न्याय संगत कार्यवाही ही कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था दुरुस्त करने और कड़े फैसले लेने के बजाय टीम 11 बना रखी है जो मुख्य रूप से कानून व्यवस्था को लेकर फर्जी आंकड़े जुटाती है और जनता को गुमराह करती है।

सम्राट सेना के पदाधिकारियों ने बांटा मास्क

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली कोरोना की जंग में समाज में जागरूकता एवं बचाव के ट्रिप्स देने निकले सम्राट सेना के पदाधिकारियों ने मास्क व सेनी. टाइजर बांटकर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने पर बल दिया

विधानसभा ऊंचाहार के बा. बूगंज भीलमपुर रामचंद्रपुर नाथी. पुर तथा कमोली गांव में जाकर सम्राट सेना के पदाधिकारियों मास्क व सेनेटाइजर बांटकर लोगो को जागरूक किया सम्राट सेना प्रमुख आसुतोष मौर्य उर्फ आंशू भइया की अगुवाई में पदाधि ाकारियों ने कोरोना से बचने के लिए साफ–सफाई तथा सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने पर बल दिया जन जागरण के दौरान उन्हा. `ने कहा कि सरकार प्रदत्त की सुविधाओं के साथ आप लोगों की सहभागिता कोरोना को हराने में अहम भूमिका निभा सकती है इस अवसर पर सम्राट सेना के कर्मठ जुझारू कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मुकेश मौर्य लवकेश मौर्य सुमित मौर्य सुभाष मौर्य अनुराग मौर्य सागर सम्राट सम्राट सुजीत सम्राट ब्रांड अमित मौर्य मौजूद रहे

पुलिस ने दौड़ाया तो नाले में कूदे चार युवक, एक डूबा

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली:नसीराबाद थाना क्षेत्र के मट्टन नाले के पास ताश खेल रहे युवक पुलिस को देख भागे। पुलिस ने दौड़ाया तो चार युवक नाले में कूद गए। इनमें से तीन लोग तैरकर बाहर निकल गए मगर, एक युवक नाले में डूब गया। यह देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए और परैया चौराहे के पास जाम लगा दिया। देर रात तक पुलिस मामला शांत कराने में जुटी रही।

एसआइ पुरुषोत्तम हमराही सिपाहियों के साथ जुआ खेल रहे युवकों को पकड़ने के लिए देर शाम मट्टन नाले पर पहुंचे। उन्हें देख ताश खेल रहे लालजी, भोला पांडेय, शोभनाथ और रमेश भागे। पुलिस ने भी पीछा करना शुरू कर दिया। चारों युवक अपने बचाव में मट्टन नाले में कूद गए। लालजी, भोला और शोभनाथ तो तैरकर बाहर निकल गए, जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। मगर, रमेश पानी में ही डूब गया। यह देख गांव के लोगों का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। पुलिस को इस सब का दोषी बताते हुए लोगों ने चौराहे पर जाम लगा दिया। विवाद बढ़ता देख सर्किल की पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद डीह और सलोन की पुलिस भी वहां पहुंच गए। रात में सीओ राम किशोर सिंह भी नाले पर पहुंच गए और गोताखोर बुलाकर युवक की खोजबीन कराने के निर्देश दिए।

सीओ ने बताया कि फिलहाल पूरा फोकस युवक को ढूंढने पर है। बाद में जांच की जाएगी और जो भी दोषी मिलेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी गांव में शांति है।

शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर प्रधान ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बेहटा कला गांव की प्रधान शशी सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधान की ओर से दिए गए राजकीय इंटर कॉलेज की स्थापना के प्रस्ताव पर जिला अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत कराने व अस्थाई चिकित्सक तैनात करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को ग्राम प्रधान श्रीमती सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम से मुलाकात की। प्रधान श्रीमती सिंह ने सीएम को अवगत कराया कि 1885 अट्ठारह सौ पचासी में स्थापित गांव में मिडिल स्कूल के बाद कोई शिक्षा की व्यवस्था नहीं हो पाई है। लालगंज सरेनी के मध्य स्थित उक्त गांव के 20 किलोमीटर परिध में कोई राजकीय इंटर कॉलेज नहीं है। इससे युवाओं को शिक्षा ग्रहण करने में काफी दिक्कतें होती है अगर राजकीय इंटर कॉलेज की स्थापना हो जाए युवाओं को बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। जिससे उनका का भविष्य उज्जवल होगा। स्कूल के लिए गांव में पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। प्रधान ने जमीन का प्रस्ताव वखेतौनी भी सीएम को दी है। इसके साथ ही गांव में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जो आजादी के पूर्व का बना है उसको ऊंचीकृत कराने के साथ ही भवन की मरम्मत कराने की मांग रखी। इसके साथ ही अस्पताल में अस्थाई रूप से चिकित्सक की तैनाती कराने की मांग की है। युवाओं के लिए व्यायाम शाला व स्टेडियम बनवाने की मांग की। ग्राम पंचायत के मजरे पूरे नोखे राय के पुरवा को जाने वाले मार्ग पर पडने वाले नाले पर पुल बनवाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने प्रधान की ओर से दिए गए प्रस्तावों पर जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। वहीं अस्पताल की मरम्मत कराने व अस्थाई चिकित्सक की तैनाती कराने के निर्देश दिए हैं। प्रधान द्वारा निशुल्क ग्रामीण ाों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के लिए शाबाशी दी साथ ही गांव के अन्य विकास कार्यों के लिए व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में शिव गोपाल सिंह, पवन कुमार सिंह, राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रामू, अखिलेश प्रताप सिंह शामिल रहे।

1. प्रधान के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने डीएम से मांगी रिपोर्ट
2. बेहटा कला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत व स्थाई चिकित्सक तैनात करने के दिए निर्देश

ललितपुर जनपद बड़ी संख्या में कोरोनावायरस से संक्रमित मरीज मिलने से हड़कंप मच गया

ललितपुर(एजेसी) जनपद में एक बार फिर बड़ी संख्या में कोरोनावायरस से संक्रमित मरीज मिलने से हड़कंप मच गया । उक्त सभी मरीज शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के पाए गए हैं जो स्वास्थ विभाग द्वारा की जा रही जांच के दौरान उजागर हुए। पिछले 24 घंटों में जांच के दौरान 27 मरीजों के साथ जनपद में महामारी से ग्रसित मरीजों की संख्या 734 पर पहुंच चुकी है । जबकि पिछले 24 घंटों में 23 मरीजों के साथ कोविड अस्पताल से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की संख्या 486 हो गई है । वर्तमान समय में जनपद में कुल एक्टिव मरीजों की संख्या 242 तथा अब तक कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार

16 अगस्त 2020 को कुल 858 सैम्पल लिए गए थे, जिनमें से 682 परिणाम ऋणात्मक, 27 परिणाम ध ानात्मक तथा 149 परिणाम लम्बित हैं। विगत 24 घण्टे में कुल 27 धनात्मक मरीजों की सूचना प्राप्त हुई है साथ ही आरटीपीसीआर से 01 धनात्मक मरीज की सूचना मेडिकल कॉलेज झांसी से प्राप्त हुई है। पिछले 24 घंटों में जांच के दौरान पाए जाने वाले मरीजों में शहरी क्षेत्र के प्रियांशु 21 कटरा बाजार, आशा जैन 47 ललितपुर, बद्रीनारायण 43 तालाबपुरा उमेश दुबे 28 नेहरुनगर, बाबर खान 32 करीम नगर, अनिल 29 सिद्धनपुरा सुरेश जैन 65 सरायपुरा, पलक 23 कटरा बाजार, मेहकसा 20 करीम नगर मधु 52 कटरा बाजार, पायल जैन 28, कटरा बाजार, पुष्पेन्द्र जैन 58 कटरा बाजार, नीतू 30 सिद्धनपुरा ललितपुर दमयंती 50 नदीपुरा, अशीष 30 नदीपुरा, राकेश 55,नदीपुरा ललितपुर के साथ ग्रामीण क्षेत्र से दीपक 32 जाखलौन, अमित साहू16, दीपेश साहू 15 , प्रमोद साहू 44, हरचरण साहू 69, रामकली 74, द्रोपती 62 सभी निवासी गणों थाना जाखलौन के स्थ. ानीय कस्बा निवासी बताए गए हैं इसके साथ ही

दीपा 30 तालबेहट, देवी सिंह 26 गिरार, रतन 55 सिलगन, मयंक 25 तालबेहट शामिल है। विगत 24 घण्टे में 23 डिस्चार्ज मरीजों के साथ अब तक डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की संख्या 481 हो गई है। वर्तमान में जनपद में कुल एक्टिव मरीजों की संख्या 242 बताई गई है। जनपद में दिनांक 17 अगस्त 2020 को प्रातः 11:30 बजे तक आरटीपीसीआर, ट्रू नेट एवं एंटीजन के माध्यम से कुल 33589 सैम्पल लिये गए हैं, जिनमे से 33130 सैम्पलों की रिपोर्ट आ चुकी है, इनमें 32400 ऋणात्मक व 730 ध ानात्मक हैं (04 जनपद के बाहर की लैब से प्राप्त) कुल धनात्मक 734 व 11 मृतक हैं तथा 459 परिणाम लम्बित हैं।

पिछले 24 घंटे में मिले 27 कोरोना पॉजि. टिव के साथ कुल मरीजों की संख्या पहुंची 734 पर
विगत 24 घण्टे में 23 डिस्चार्ज मरीजों के साथ अब तक डिस्चार्ज हुए 481 मरीज, 11 की हुई मौत
जनपद में कुल एक्टिव मरीजों की संख्या–242

रायबरेली के दबंगो के हौसले बुलंद

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली के डीह थाने में अपराधियो के इतने हौसले बुलंद हो गए कि एक ही परिवार के लोगो को पीट पीट कर अधमरा कर दिया मामला है डीह थाना क्षेत्र के सेना चक पीरगंज का जहा गाड़ी खड़ी करने के विवाद के लेकर दबंगो ने एक ही परिवार के चार लोगों को पीट पीट कर अधमरा कर दिया जब इस से भी उनका जी न भरा तो दबंगो ने उनकी पिकप गाड़ी सहित बाइक में भी तोड़ फोड़ की और वहां से फरार हो गए वही घायल शिवनंदन पुत्र शक्ति की माने तो इस से पहले भी कई बार दबंगो के द्वारा उन्हें जान से मारने की धमकी भी दे चुके थे ।

जब आज शाम को मैंने अपनी गाड़ी खड़ी की तो अचानक आकर हम लोगो पर लाठी डंडों से हमला कर दिया जिसमे मेरे साथ मेरे भाई सहित मेरे बेटे को भी मारा पीटा और कहा।

कि अब अगर पुलिस में शिकायत की तो तुम लोगों को जान से मार देंगे और वहां से फरार हो गए हालांकि घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए शिवनंदन पुत्र शक्ति, दिलीप पुत्र शक्ति सुनील पुत्र शिवनंदन और सूरज पुत्र शिवनन्दन जो सभी घायल है ।

जिन्हें डीह में प्राथमिक उपचार के बाद तीन लोगों को जिला अस्पताल रैफर कर दिया वही सुनील कुमार पुत्र शिवनंदन की माने तो वो लोग गाँव मे आये दिन दबंगई करते है जिसके कारण कोई भी व्यक्ति उनके मामले में नही बोलता और इससे पहले भी कई लोगो के साथ वो लोग मारपीट कर चुके है देर शाम हुई मारपीट से लोगों में दहसत फैल गई है हालाकि पुलिस ने मारपीट करने वाले लोगो पर मुकदमा लिख कर जांच में जुट गई है अब देखना होगा कि अपराधियों पर डीह पुलिस कब तक शिकंजा कस उन्हें जेल भेजती है